



सोया कृषकों के लिए

मासिक मलाह

खरीफ 2024



संकलन, संपादन एवं तकनीकी सलाह

डॉ बी. यू. दुपारे, डॉ आर.के. वर्मा, डॉ राघवेन्द्र नर्गुन्द, डॉ लोकेश कुमार मीना,
डॉ संजीव कुमार, डॉ मृणाल कुचलान, डॉ पुनम कुचलान एवं डॉ के. एच. सिंह

भा.कृ.अनु.प. – भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान

ICAR-INDIAN INSTITUTE OF SOYBEAN RESEARCH

Khandwa Road, near Crystal IT Park, Indore, Madhya Pradesh 452001



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
खण्डवा रोड, इन्दौर 452001 (म.प्र.) भारत
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
(ISO 9001:2015 Certified Organization)



Khandwa Road, Indore 452 001 (M.P.) India

डॉ. के. एच. सिंह
निदेशक
Dr. K.H. Singh
Director

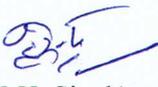
F. No: Tech 10-6/2024/

Date: 20.11.2024

प्रस्तावना Foreword

सोया कृषकों के लिए उपयोगी बोवनी पूर्व सलाह से लेकर कटाई गहाई तक खरीफ मौसम में प्रत्येक सप्ताह फसल की स्थिति, तत्कालीन पारिस्थितिकी, जैविक एवं अजैविक कारकों का प्रकोप तथा उनको विभिन्न विकल्पों के साथ अनुसन्धान परीक्षणों/निष्कर्षों के आधार पर सलाह देकर समाधान करने हेतु भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान विगत कई वर्षों से प्रयत्नशील है. वर्ष 2024 के खरीफ मौसम में संस्थान के अन्नदाता कृषकों के लिए यहाँ के वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से विकसित तकनीकी, तकनीकी ज्ञान एवं अन्य जानकारी को अद्ययावत सचित्र संकलन कर पी.डी.एफ. तथा विडियो के माध्यम से प्रत्येक सप्ताह के सोमवार को जारी कर कृषकों के प्रति अपने उत्तरदायित्व निभाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं. इस कार्य के लिए संस्थान के डॉ. बी. यु. दुपारे (प्रधान वैज्ञानिक, कृषि विस्तार), डॉ. राकेश कुमार वर्मा (सस्य वैज्ञानिक), डॉ. राघवेंद्र नर्गुद (सस्य वैज्ञानिक), डॉ. लोकेश मीना (कीट विशेषज्ञ), डॉ. संजीव कुमार (पादप रोग विशेषज्ञ), डॉ. मृणाल के. कुचलन एवं डॉ. पूनम कुचलन द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य किया गया. मुझे इस संकलन को पुस्तक के रूप में प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है. आशा है कि इसमें समाहित जानकारी बदलते हुए जलवायु परिपेक्ष में आने वाले वर्षों में मैदानी स्तर पर सोयाबीन की खेती की समग्र परिस्थिति का आंकलन करने में सहायक होगी. मैं उपरोक्त सभी वैज्ञानिकों को इसके लिए धन्यवाद एवं शुभकामनाये प्रेषित करता हूँ.

ICAR-Indian Institute of Soybean Research has been actively engaged for providing advisory services on improved soybean production technologies for management of biotic and abiotic factors causing yield losses. The institute since last many years is formulating and disseminating the soybean advisories on weekly basis considering the prevailing crop condition of the crop, the current ecology, the infestation of biotic and abiotic factors and to resolve them. Starting from pre-sowing advisory issued in May, the weekly soybean advisories have been released till harvesting period of *Kharif* 2024. These weekly soybean advisories are formulated using available technologies, technical knowledge and other information developed by the tireless efforts of the institute scientists here, which are updated and composed using pictorial/audio video form and are disseminated through institute/icar website, social media and email to different stakeholders. This very important work is done by a team of scientists which include Dr. B. U. Dupare (Principal Scientist, Agricultural Extension), Dr. Rakesh Kumar Verma (Agronomist), Dr. Raghavendra Nargund (Agronomist), Dr. Lokesh Meena (Entomologist), Dr. Sanjeev Kumar (Plant Pathologist), Dr. Mrinal K. Kuchalan and Dr. Poonam Kuchalan (Seed technologists). I am very happy to present this compilation all the weekly advisories formulated and disseminated during *Kharif* 2024 in the form of a booklet. I hope that the information contained in it will be helpful in future for assessing similar situation at the ground in the changing climate context. I thank each one of them and extend my best wishes and also expect to strengthen their efforts for more efficient delivery mechanisms of technology transfer.


(K.H. Singh)



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
खण्डवा रोड, इन्दौर 452001 (म.प्र.) भारत
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
(ISO 9001:2015 Certified Organization)



Khandwa Road, Indore 452 001 (M.P.) India

F. No: Tech 10-6/2024/

Date: 19.11.2024

भूमिका Preface

वैश्विक जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष में विगत कुछ वर्षों में सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में मौसम में बदलाव देखा गया है। इस परिपेक्ष में फसल के मौसम के दौरान जैविक कारकों (कीट/रोग/खरपतवार) के अतिरिक्त विभिन्न अजैविक कारकों का भी सोयाबीन की फसल पर प्रभाव देखा जा रहा है। विभिन्न जैविक कारकों में से इस वर्ष सोयाबीन की फसल में कीटों के साथ साथ रोगों (रायजोक्तोनिया अरिअल ब्लाइट, एन्थ्राक्नोज, गरदनी सडन, पीला मोजेक/सोयाबीन मोजेक, बैक्टीरियल ब्लाइट आदि) का प्रकोप अत्याधिक रहा है। साथ ही लगभग 15 दिन के सूखे की स्थिति एवं सितम्बर माह में अत्यधिक एवं लगातार वर्षा का होना भी फसल की दृष्टि से अच्छा नहीं था। इसी परिपेक्ष में भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा प्रत्येक सप्ताह के लिए मौसम आधारित कीट/रोग प्रबंधन के लिए प्रत्येक सप्ताह के सोमवार को तकनीकी सलाह जारी की गई। यह भी प्रयास किया गया कि नियंत्रण के उपायों में कई विकल्प हो, तथा उपयोगी रसायन भारत सरकार के केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड की सूची में अनुमोदित भी हो। संस्थान के औपचारिक सूचना प्रणाली (ईमेल, वेबसाइट आदि) के साथ साथ कृषकों में लोकप्रिय विभिन्न सोशल मीडिया (यूट्यूब, इन्स्टाग्राम, व्हाट्सएप, टेलीग्राम चैनल, फेसबुक, ट्विटर के माध्यम से भी "सोया कृषकों के लिए उपयोगी साप्ताहिक सलाह" को सोया-कृषकों एवं अन्य हितग्राहियों तक प्रेषण किया गया, जिसके लिए अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं तथा सराहना भी की जा रही है। हम अपना उत्तरदायित्व जानते हैं एवं इसकी पूर्ति हेतु इस प्रकार के कार्य भविष्य में भी करते रहेंगे।

In the prevailing context of global climate change, major soybean growing areas are also witnessing climatic adversities particularly in recent years. In case of soybean, beside biotic factors (insects/diseases/weeds), various abiotic factors are also affecting the soybean crop during the crop season. This year, the yield of soybean crop has been affected by pests as well as diseases particularly Rhizoctonia aerial blight, anthracnose, collar rot, yellow mosaic/soybean mosaic, bacterial blight etc. In addition, the crop also experienced excessive and continuous rainfall in the month of September which was not favourable for the crop. In this scenario, "Weekly Soybean Advisories for Soybean Growers" were formulated every week by the ICAR-Indian Soybean Research Institute taking into account the prevailing weather, its forecast for the next week and likely attack of insect-pest and diseases for the coming week. An effort was also made to adopt variety of alternative remedial measures including recommended chemicals approved in the list of Central Insecticide Board of the Government of India having label claims for soybean. These advisories were disseminated using both formal channels (email, institute/ICAR, website etc.), beside popular social media (YouTube, Instagram, WhatsApp, Telegram Channel, Facebook, Twitter) popular among farmers. We have received very positive feedback and appreciation. We know our responsibility and are committed to continue doing such good work in future as well.

(डॉ बी. यु. दुपारे)
Dr B. U. Dupare

(डॉ राकेश कुमार वर्मा)
Dr R.K. Verma

(डॉ लोकेश कुमार मीना)
Dr Lokesh Kumar Meena

(डॉ संजीव कुमार)
Dr Sanjeev Kumar

(डॉ राघवेंद्र नर्गुद)
Dr Raghavendra N.

(डॉ मृणाल कुचलान)
Dr Mrinal Kuchlan

(डॉ पूनम कुचलान)
Dr Punam Kuchlan



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 02.05.2024



सोया कृषकों के लिए बोवनी पूर्व सलाह / Pre Sowing Advisory for Soybean Farmers

(मई 2024/ May 2024)

<p>1 महत्वपूर्ण सलाह: सोयाबीन फसल के लिए 3 वर्षों में एक बार खेत की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना उत्पादन स्थिरता एवं आर्थिक की दृष्टि से लाभकारी होता है। इसी प्रकार एकल किस्म की खेती के स्थान पर न्यूनतम 2-3 किस्मों की खेती करने में जोखिम कम होती है। अतः कृषकगण यथासंभव ध्यान दे। Important advice: Considering the yield stability and economic profitability, it is advised to carry deep summer ploughing only once in 3 years. Similarly, cultivation of 2-3 soybean varieties reduces the risk in uncertain yield due to biotic and abiotic factors. Therefore, farmers are advised to keep this in mind.</p>	
<p>2 खेत की तय्यारी: कृषकों को सलाह है कि 3 वर्षों में एक बार अपने खेत की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें और विपरीत दिशाओं में दो बार कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें। विगत वर्षों में गहरी जुताई किये जाने पर केवल विपरीत दिशाओं में कल्टीवेटर (बखरनी) एवं पाटा चलाकर खेत तैयार करने की सलाह है। Seed Bed Preparation: Farmers are advised to apply deep summer ploughing once in 3 years. After this, the field should be prepared using criss-cross harrowing followed by planking. If this was done in the past 3 years, two criss-cross cultivation followed by planking is sufficient for seed bed preparation.</p>	
<p>3 कार्बनिक खाद का प्रयोग: पोषण प्रबंधन के लिए, अंतिम बखरनी से पूर्व गोबर की खाद (5-10 टन/हे) या मुर्गी की खाद (2.5 टन/हे) को खेत में फैलाकर अच्छे तरह मिला दे। Use of Organic Manure: Apply well-decomposed FYM @ 5-10 t/ha or Poultry Manure @ 2.5 t/ha before the last harrowing.</p>	

4	<p>वर्षाजल के समुचित उपयोग हेतु सब सोइलर का प्रयोग : संभव होने पर 5 वर्ष में एक बार अपनी सुविधा अनुसार अंतिम बखरनी से पूर्व 10 मीटर के अंतराल पर सब-सोइलर चलाये, जिससे वर्षाजल खेत की गहरी सतह तक जा सकें और सूखे की अनपेक्षित स्थिति फसल को नमी मिलती रहे. साथ ही इससे मिट्टी की कठोर परत तोड़ने में तथा नमी का संचार अधिक समय तक रखने में सहायता मिलती हैं.</p> <p>As per suitability, farmers are advised to run the sub-soiler machine once in five years, at an interval of 10 m which facilitates the breaking of hard soil pan thereby increasing the rainwater infiltration and helps in case of drought.</p>	
5	<p>किस्मों का चयन: अपने जलवायु क्षेत्र के लिए अनुकूल विभिन्न समयावधि में पकनेवाली न्यूनतम 2-3 नोटिफाइड सोयाबीन की किस्मों का चयन कर बीज उपलब्धता सुनिश्चित करें. ऐसे किसान जो सोयाबीन के बाद आलू, प्याज, लहसुन जैसी फसल लेकर गेहूं/चना लगते हों, सोयाबीन की शीघ्र समयावधि वाली किस्म को लगाये. उसी प्रकार वर्ष में केवल दो फसलें लेने वाले कृषक मध्यम/अधिक समय परिपक्वता अवधि वाली किस्मों का चयन करें.</p>	
<p>Choice of cultivars: Select 2-3 soybean varieties recommended for your area and ensure the availability of seed.</p> <p>Farmers who grows three crops in succession (Soybean : Potato/Garlic/Onion : Wheat/Chickpea for example) are advised to select short duration soybean varieties. Similarly those who are able to take only one succeeding crop after soybean (Wheat/Chickpea) are advised to select medium/long duration soybean varieties for ensuring maximum soybean yield.</p>		
6	<p>अंकुरण परिक्षण: बीज की गुणवत्ता (न्यूनतम 70% अंकुरण) एवं बीज दर निर्धारण हेतु उपलब्ध बीज का अंकुरण परिक्षण करें.</p> <p>Germination Test: Ensure the seed quality (minimum 70% germination) by carrying out germination test of the available soybean seed.</p>	
7	<p>बोवनी की दुरी: उत्पादन की दृष्टि से प्रति हेक्टेयर पौध संख्या अत्यंत महत्वपूर्ण बिंदु हैं. अतः सोयाबीन फसल के लिए अनुशंसित 45 सेमी कतारों पर तथा 5-10 सेमी पौधों की दूरी पर बोवनी करें.</p> <p>Spacing: This is very important parameter to have optimum plant population. The recommended row-to-row spacing for soybean is 45 cm at 5-10 cm plant to plant distance.</p>	
8	<p>बीज दर: सोयाबीन में बड़े आकार के बीज की तुलना में छोटे या माध्यम आकार के बीज की अंकुरण क्षमता अधिक होती हैं. अतः न्यूनतम 70% बीज अंकुरण, बीज का आकार एवं अनुशंसित दुरी को ध्यान में रखकर 60-75 किग्रा/हे. बीज दर अपनाता उत्पादन एवं आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होगा.</p>	

	Seed Rate: In soybean, the germinability of small/medium seed size is invariably higher than the bold seeded soybean varieties. Therefore, the seed rate of only 60-75 kg/ha will be economically viable for the seed having good germination.	
9	बोवनी की विधि : कृषकों को सलाह है कि जहाँ तक संभव हो सोयाबीन की बोवनी बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) कुड-मेड-प्रणाली से करें. Farmers are advised to follow Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow methods for sowing.	
10	मशीनीकरण: सोयाबीन की खेती के लिए उपयोगी अन्य यन्त्र (सीड ड्रिल, स्प्रेयर, आदि) की मरम्मत कर समय पर उपयोग योग्य रखे. Mechanization: Carry out need based servicing/repair-maintenance of agricultural equipment/implements well in advance.	
11	आदान उपलब्धता: सोयाबीन की खेती के लिए आवश्यक आदान (बीज, खाद-उर्वरक, फफूंदनाशक, कीटनाशक, खरपतवारनाशक, जैविक कल्चर आदि) का क्रय एवं उपलब्धता सुनिश्चित करें. Ensure availability of other critical inputs like fertilizers, weedicides, fungicides, and cultures for seed treatment etc.	



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 31.05.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(3-9 जून 2024/ 3-9 June 2024)

1.	<p>देश के विभिन्न क्षेत्रों में सोयाबीन की बोवनी के उपयुक्त समय की जानकारी तालिका-1 में दी गई हैं। मध्य क्षेत्र के लिए जून माह के दुसरे सप्ताह से जुलाई माह के प्रथम सप्ताह का समय सबसे उचित होता। लेकिन सलाह हैं कि मानसून के आगमन के पश्चात ही, न्यूनतम 10 सेमी वर्षा होने की स्थिति में सोयाबीन की बोवनी करें।</p> <p>The second week of June to first week of July is optimum time for sowing of soybean. However, it is advised that the sowing may be done after the arrival of monsoon, ensuring nearly 100 mm rainfall. The zone-wise information about the time of sowing seed rate and spacings is given in Table-1.</p>
2.	<p>सोयाबीन की खेती के लिए आवश्यक आदान (बीज, खाद-उर्वरक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक, जैविक कल्चर आदि की जानकारी तालिका-2, 4 एवं 5 में दी गई हैं.) का क्रय एवं उपलब्धता सुनिश्चित करें।</p> <p>Ensure availability of other critical inputs (fertilizers, weedicides, fungicides and cultures for seed treatment etc. as given in Table-2, 3 and 5).</p>
3.	<p>उत्पादन में स्थिरता की दृष्टि से 3 वर्ष में एक बार खेत की गहरी जुताई करना लाभकारी होता है। अतः ऐसे किसान जिन्होंने इस पद्धति को नहीं अपनाया है, कृपया इस समय अपने खेत की गहरी जुताई करें। उसके पश्चात विपरीत दिशा में कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें। सामान्य वर्षों में विपरीत दिशा में दो बार कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें।</p> <p>Deep summer ploughing once in 3 years, is beneficial practice in order to have yield stability. Therefore, those farmers who have not yet done this, are advised to carry out the same followed by two criss-cross harrowing. In normal years, field may be prepared using criss-cross harrowing followed by planking.</p>



<p>4.</p>	<p>कार्बनिक खाद का प्रयोग: पोषण प्रबंधन के लिए, अंतिम बखरनी से पूर्व गोबर की खाद (5-10 टन/हे) या मुर्गी की खाद (2.5 टन/हे) को खेत में फैलाकर अच्छे तरह मिला दे.</p> <p>Use of Organic Manure: Apply well-decomposed FYM @ 5-10 t/ha or Poultry Manure @ 2.5 t/ha before the last harrowing.</p>	 <p>गोबर की खाद को खेत में फैलाए.</p>
<p>5.</p>	<p>किस्मों का चयन: अपने जलवायु क्षेत्र के लिए अनुकूल विभिन्न समयावधि में पकनेवाली न्यूनतम 2-3 नोटिफाइड सोयाबीन की किस्मों का चयन कर बीज उपलब्धता सुनिश्चित करें (परिशिष्ट 1).</p> <p>ऐसे किसान जो सोयाबीन के बाद आलू, प्याज, लहसुन जैसी फसल लेकर गेहूं/चना लगते हो, सोयाबीन की शीघ्र समयावधि वाली किस्म को लगाये. उसी प्रकार वर्ष में केवल दो फसलें लेने वाले कृषक मध्यम/अधिक समय परिपक्वता अवधि वाली किस्मों का चयन करें.</p>	
<p>Choice of cultivars: Select 2-3 soybean varieties recommended for your area and ensure the availability of seed (Table-3).</p> <p>Farmers who grows three crops in succession (Soybean: Potato/Garlic/Onion: Wheat/Chickpea for example) are advised to select short duration soybean varieties. Similarly those who are able to take only one succeeding crop after soybean (Wheat/Chickpea) are advised to select medium/long duration soybean varieties for ensuring maximum soybean yield.</p>		
<p>6.</p>	<p>उपलब्धता अनुसार अपने खेत में विपरीत दिशाओं में 10 मीटर के अंतराल पर सब-सोइलर नामक यन्त्र को चलाये, जिससे भूमि की जलधारण क्षमता में वृद्धि होगी, एवं सूखे की अनपेक्षित स्थिति में फसल को अधिक दिन तक बचाने में सहायता मिलेगी.</p> <p>As per suitability, farmers are advised to run sub-soiler machine at an interval of 10 m which facilitate the breaking of hard soil pan thereby increasing the rain water infiltration.</p>	 <p>ट्रेक्टर आधारित सब-सोइलर यंत्र</p>
<p>7.</p>	<p>विगत कुछ वर्षों से फसल में सुखा, अतिवृष्टि या असामयिक वर्षा जैसी घटनाये देखि जा रही हैं. ऐसी विपरीत परिस्थितियों में फसल को बचाने हेतु सलाह है कि सोयाबीन की बोवनी के लिए बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) कुड-मेड-प्राणाली का चयन करें तथा सम्बंधित यन्त्र या उपकरणों का प्रबंध करें.</p> <p>The unfavorable incidences like drought or heavy rains for prolonged period as well incessant rains have been increasingly reported in recent years. The soybean farmers are requested to use Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow. This will facilitate managing the crop both in case of waterlogging as well as drought situation.</p>	 <p>चौड़ी क्यारी (BBF) पद्धति से बोवनी</p>  <p>कुड-मेड (रिज फरो) पद्धति से बोवनी</p>
<p>8.</p>	<p>उपलब्ध बीज की गुणवत्ता जांच (न्यूनतम 70% अंकुरण) लें.</p> <p>Farmers are also advised ensure the germination quality (minimum 70%) of the seed.</p>	

परिशिष्ट -1: देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुशंसित सोयाबीन प्रजातियाँ

मध्य क्षेत्रमध्य प्रदेश :, उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड भाग, राजस्थान, गुजरात, उत्तर-पश्चिमी महाराष्ट्र:

केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: एन आर सी165 ., जे12-22 .एस., जे16-22 .एस., एन150 .सी.आर., एन152 .सी.आर., जे72-21 .एस., आर35-2011 .एम.एस.वी., एन138 .सी.आर., इ39-100 .एस.एम., आर76 .एस.वी., एन142 .सी.आर., एन130 .सी.आर., एम1520 .एस.सी.ए., आर46-10 .सी.एस., आर52-10 .सी.एस., ए18-5-.बी-एम-.एस.एम., ए1001 .एस.एम., जे116-20 .एस., जे94-20 .एस., जे98-20 .एस., एन127 .सी.आर.

राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित: मध्य प्रदेश : एन157 .सी.आर., एन131 .सी.आर., एन136 .सी.आर.

महाराष्ट्र: एम.ए.यु.एस. 725, फूले दूर्वा (के.डी.एस. 992)

2. पूर्वी क्षेत्र छत्तीसगढ़, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल तथा .3 उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र: असम), मेघालय, मणीपुर, नागालैण्ड व सिक्किम(

केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: आर.एस.सी.11-35, आर.एस.सी.71-10 ., आर.एस.सी.52-10 ., एम1407 .एस.सी.ए., एम1460 .एस.सी.ए., एन132 .सी.आर., एन147 .सी.आर., एन128 .सी.आर., एन136 .सी.आर., एन1 .एल.एस.सी.आर., आर.एस.सी.1107-, आर.एस.सी.1146-, ए-2014 .एस.एम. (पूर्वा) 1, डी32 .बी.एस., जे116-20 .एस., के(फूले संगम) 753 .एस.डी., कोटा सोया1-, छत्तीसगढ़ सोया-1

राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में:

छत्तीसगढ़: छत्तीसगढ़ सोया ; **झारखण्ड:** बिरसा सोया-3, बिरसा सोया-4 ; **मेघालय:** उमियम सोयाबीन-1; **हिमाचल प्रदेश:** हिम पालम हरा सोया-1 ; **जम्मू कश्मीर :** शालीमार सोयाबीन-2

.4उत्तरी मैदानी क्षेत्र: पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के पूर्वी मैदान, मैदानी-उत्तराखण्ड एवं पूर्वी बिहार

केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: पी1640 .एस., एस1074 .एल ., एस1028 .एल ., एन128 .सी.आर., एस979 .एल ., एस955 .एल ., पन्त सोया 26, पी1477 .एस., एस958 .एल., पूसा 12

राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में: **उत्तराखंड:** उत्तराखंड काला सोयाबीन, पी.एस. 1521, पन्त सोयाबीन -23, पन्त सोयाबीन-21, पी.एस. 1368

5. उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र: हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र:

केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: वी99-सोया.एल., पन्त सोयाबीन25-, वी89-सोया.एल.

राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में: **हिमाचल प्रदेश :** हिम पालम सोया1-; **उत्तराखंड:** वी.एल.भट्ट 201, वी.एल.सोया-77

6. दक्षिणी क्षेत्र: कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र का दक्षिणी भाग

केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: एम1667 .सी.आर.एन-एस.सी.ए., करुणे, एन142 .सी.आर., एम1460 .एस.सी.ए., ए1-2014 .एस.एम., आर07-11 .सी.एस., एन132 .सी.आर., एन147 .सी.आर.,

डी34 .बी.एस., के23 .बी.एस.डी .(फूले संगम) 726 .एस.डी.के (फूले किमया) 753 .एस.डी., एम .एस.यु.ए. 612, एम1281 .एस.सी.ए., के344 .एस.डी., एम162 .एस.यु.ए., एम118 .एस.सी.ए.

राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में:

तेलंगाना: ALSB-50, बसार ; महाराष्ट्र : एम.ए.यु.एस. 725, फूले दूर्वा (के.डी.एस. 992), AMS-1001;

कर्नाटक: के.बी.एस. 23

तालिका-1 देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सोयाबीन बोवनी का उपयुक्त समय

क्षेत्र Zone	उचित बुआई का समय*	बीज दर (कि.ग्रा./हे.)	क्तारों की दूरी (सेमी.)
मध्य (Central)	जून June 20- 5जुलाई/July	65	45
उत्तर पूर्वी पहाड़ी (North-East Hill)	15- 30जून/June	55	45
उत्तर मैदानी (Northern Plain)	जून June 20- 5जुलाई/July	65	45
पूर्वी (Eastern)	15- 30जून/June	55	45
दक्षिण (Southern)	15- 30जून/June	65	30

*मानसून के आगमन पश्चात 100 मिमी. वर्षा होने पर

तालिका-2 विभिन्न क्षेत्रों के लिए पोषक तत्वों की मात्रा एवं उनके स्रोत

क्षेत्र Zone	एन:पी:के:एस (कि.ग्रा./हे.) NPKS (kg/ha)	उर्वरकों के स्रोत एवं मात्रा Fertilizer Sources and Quantity
मध्य (Central)	25:60:40:20	56 कि .ग्रा युरिया, 375कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 67कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
दक्षिण (Southern)	25:80:20:30	56 कि .ग्रा युरिया, 500कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 34कि.ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर मैदानी (Northern Plain)	25:75:25:37.5	56 कि .ग्रा युरिया, 470कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 42कि. ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र एवं पूर्वी क्षेत्र (North-East Hill) and Eastern Zone	25:100:50:50	56 कि .ग्रा युरिया, 625कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश

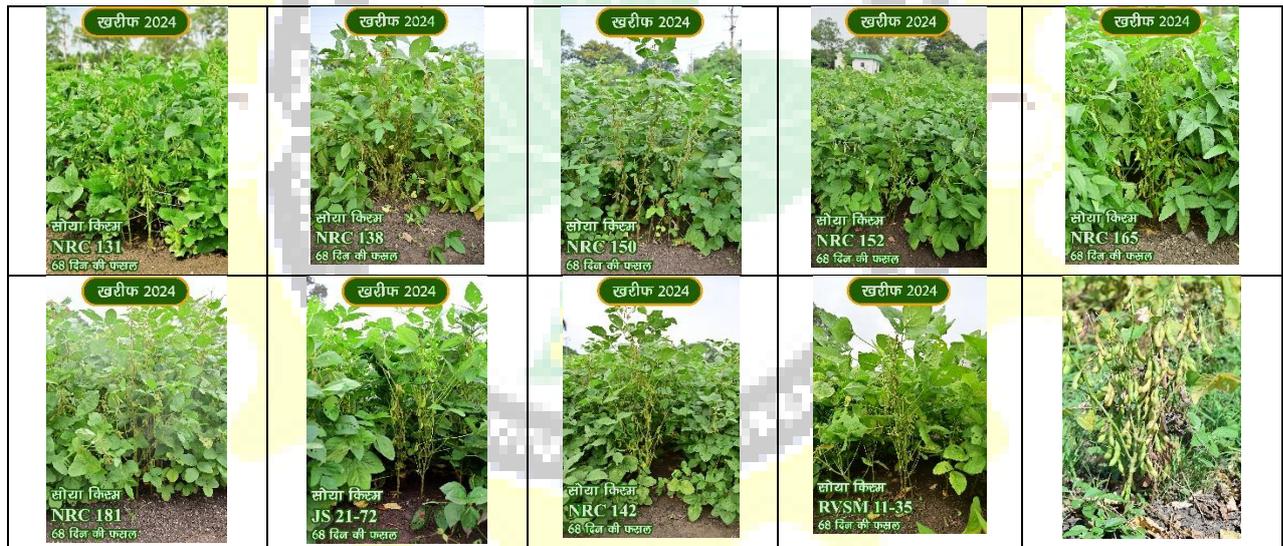
तालिका-3: सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूची

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.	प्रभावकारिता
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.	दोनों प्रकार के खरपतवार
2	बौवनी के तुरन्त बाद (डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम	चौड़ी पत्ती वाले
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.	दोनों प्रकार
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.	दोनों प्रकार
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.	दोनों प्रकार

		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		फ्लूमिआक्साज़िन 50 एस.सी.	0.25 ली.	चौड़ी पत्ती वाले
		मेट्रीब्युज़िन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		सल्फेन्ट्राज़ोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.	दोनों प्रकार
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.	दोनों प्रकार
		मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.00 ली.	दोनों प्रकार
3	अ .बौवनी के 12-10 दिन बाद (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम	दोनों प्रकार
		बेन्टाज़ोन 48 एस.एल.	2.00 ली.	दोनों प्रकार
	ब .बौवनी के 20-15 दिन बाद (POE)	इमेज़ेथापायर 10 एस.एल. +सर्फेक्टेन्ट	1.00 ली.	घासवर्गीय
		इमेज़ेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.	दोनों प्रकार
		इमेज़ेथापायर 70% डब्ल्यू.जी.+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्रा.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.	दोनों प्रकार
		फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 9.3 ई.सी.	1.11 ली.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.	दोनों प्रकार
		फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.	दोनों प्रकार
		हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.	घासवर्गीय
		प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	0.50-0.75 ली.	दोनों प्रकार
		क्लेथोडियम 25 ई.सी.	0.50 -0.70 ली.	दोनों प्रकार
		फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.	दोनों प्रकार
		स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (POE)	फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन	1.00 ली.
	इमाज़ेथापायर+इमेज़ामॉक्स		100 ग्रा.	दोनों प्रकार
	प्रोपाक्विजाफॉप+इमाज़ेथापायर		2.00 ली.	दोनों प्रकार
	सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाप प्रोपारगील		1.00 ली.	दोनों प्रकार
	फोमेसाफेन+ क्विजालोफाप इथाईल		1.50 ली.	दोनों प्रकार
	क्विजालोफाप इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेक्टेन्ट		375 मिली+36 ग्रा.+0.2%	दोनों प्रकार
	फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप-इथाईल 10% EC		0.50 ली.	दोनों प्रकार
	क्विजालोफाप-इथाईल 7.5% + इमेज़ेथापायर 15% w/w EC		0.50 ली.	दोनों प्रकार

तालिका 4: बोंवनी के समय उपयोगी फफूंदनाशक, कीटनाशक एवं जैविक कल्चर की मात्रा

अनुशंसित फफूंदनाशक	मात्रा
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
पेनफ्लूफेन 13.28% w/w +ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 13.28% w/w FS	8-10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
फ्लुक्सापग्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बेन्डाजिम 12%+ मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
अनुशंसित कीटनाशक	
थायोमिथोक्सम 30 एफ.एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस.	1.25 मि.ली./कि.ग्रा.बीज
अनुशंसित जैविक कल्चर	
ब्रेडीराइजोबियम कल्चर + पीएसबी कल्चर	दोनों (5 ग्राम/कि.ग्रा बीज)
जैविक फफूंदनाशक <i>ट्राइकोडर्मा विरिडी</i>	8-10 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज



सोया कृषको के लिए

साप्ताहिक सल्लाह

(3-9) जून 2024

भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर, (म. प्र.)



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 10.06.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(10-16 जून 2024/ 10-16 June 2024)

प्राप्त सूचनाओं के आधार पर सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में मानसून के आगमन की सम्भावना देखी जा रही है। इस स्थिति में सोया कृषकों को निम्न सस्य क्रियाओं को अपनाने की सलाह दी जा रही है।
As per the reports, the monsoon is likely to arrive in the coming days in major soybean growing areas. Considering this, farmers are advised to follow following measures.

अ. खेत की तैयारी, बोवनी पूर्व सस्य क्रियाये एवं आदान व्यवस्था

A. Land Preparation, pre-sowing agronomic practices and Input arrangements

1.	खेत की तैयारी: मानसून के आगमन पश्चात कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को बोवनी योग्य तैयार करें। Land Preparation: After the receipt of monsoon showers, the field may be prepared using cultivator and planking.	
2.	सोयाबीन की बोवनी के लिए उपयुक्त समय: मानसून के आगमन के पश्चात न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने पर ही सोयाबीन की बोवनी करें जिससे उगी हुई फसल को सुखा/कम नमी के कारण किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हों। Optimum Sowing Time for Soybean: Sow the crop only after the arrival of monsoon and receipt of 10 cm rainfall.	
3.	किस्मों का चयन: अपने जलवायु क्षेत्र के लिए अनुकूल विभिन्न समयावधि में पकनेवाली न्यूनतम 2-3 नोटिफाइड सोयाबीन की किस्मों का चयन कर बीज उपलब्धता सुनिश्चित करें (तालिका-1)। Selection of soybean variety: Select 2-3 soybean varieties recommended for your area and ensure the availability of seed (Table-3).	
	(मध्य प्रदेश/मालवा के ऐसे किसान जो सोयाबीन के बाद आलू, प्याज, लहसुन जैसी फसल लेकर गेहूं/चना लगाते हो, सोयाबीन की शीघ्र समयावधि वाली किस्म को लगाये। उसी प्रकार वर्ष में केवल दो फसलें लेने वाले कृषक मध्यम/अधिक समय परिपक्वता अवधि वाली किस्मों का चयन करें। Farmers of Malwa/Madhya Pradesh who prefer to grow three crops in succession (Soybean: Potato/Garlic/Onion-wheat for example) may select short duration soybean varieties. Similarly, those who are able to take only one succeeding crop after soybean (Wheat/Chickpea) are advised to select medium/long duration soybean varieties for ensuring maximum soybean yield.	

4.	<p>उपलब्ध बीज की गुणवत्ता जांच: अंकुरण परिक्षण के माध्यम से सोयाबीन की बोवनी हेतु उपलब्ध बीज का न्यूनतम 70% अंकुरण सुनिश्चित करें.</p> <p>Quality Test of Available Seed: Ensure the quality of available soybean seed by carrying out Germination Test (minimum 70%) for proper plant stand.</p>	
5.	<p>आदान व्यवस्था: सोयाबीन की खेती के लिए आवश्यक आदान (बीज, खाद-उर्वरक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक, जैविक कल्चर आदि की जानकारी तालिका-1, 4 एवं 5 में दी गई हैं.) का क्रय एवं उपलब्धता सुनिश्चित करें.</p> <p>Input Arrangements: Ensure availability of other critical inputs (fertilizers, weedicides, fungicides and cultures for seed treatment etc. as given in Table-1, 4 and 5) .</p>	
6.	<p>कार्बनिक खाद का प्रयोग: पोषण प्रबंधन के लिए, अंतिम बखरनी से पूर्व गोबर की खाद (5-10 टन/हे) या मुर्गी की खाद (2.5 टन/हे) को खेत में फैलाकर अच्छी तरह मिला दे.</p> <p>Use of Organic Manure: Apply well-decomposed FYM @ 5-10 t/ha or Poultry Manure @ 2.5 t/ha before the last harrowing.</p>	

ब.सोयाबीन की बोवनी: बीज दर, पौधों/कतारों की दूरी, बोवनी यंत्रों का उपयोग

B. Soybean Sowing: seed rate, spacing, use of sowing equipment etc.

7.	<p>कतारों/पौधों की दूरी, गहराई एवं बीज दर,: कृषकों को सलाह है कि सोयाबीन की बोवनी हेतु अनुशंसित 45 सें.मी. कतारों की दूरी का अनुपालन करें. साथ ही बीज को 2-3 सें. मी. की गहराई पर बोवनी करते हुए पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सें.मी. रखें. सोयाबीन का बीज दर 60-70 किग्रा/हे की दर से उपयोग करें.</p> <p>Spacing, Seed rate and depth of sowing: Farmers are advised to use recommended row spacing of 45 cm and 5-10 cm plant to plant distance at 2-3 cm depth. The seed rate may be followed as 60-70 kg/ha.</p>	
8.	<p>पोषण प्रबंधन/उर्वरकों का प्रयोग: कार्बनिक खादों के अतिरिक्त सोयाबीन फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों (25:60:40:20 कि.ग्रा/हे नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस ,पोटाश व सल्फर) की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. इसके लिए तालिका 3 में दिए गए स्रोतों का प्रयोग कर सकते हैं. मध्य क्षेत्र के लिए अनुशंसित मात्रा निम्नानुसार हैं:</p> <ol style="list-style-type: none"> यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश अथवा डी.ए.पी 125 किग्रा .+ 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर अथवा मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर <p>Nutrient Application: In addition to organic manures, farmers are also advised to apply the recommended quantity of all the nutrients (25:60:40:20 N:P₂O₅:K₂O:S kg/ha) in balanced way, only at the time of sowing. For this, they may broadcast the recommended quantity of all fertilizers just before the sowing (Table-3) followed by sowing operation. The nutritional dose for the central zone can be supplied through any one of the fertilizers combinations: (1) 56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MoP OR (2) DAP @125 kg + 67 Kg MOP+ 25 kg bentonate Sulphur OR (3) complex fertilizers like 12:32:16 (200 kg/ha) + 25 kg bentonate Sulphur.</p>	
9.	<p>विगत कुछ वर्षों से फसल में सुखा, अतिवृष्टि या असामयिक वर्षा जैसी घटनाये देखि जा रही हैं. ऐसी विपरीत परिस्थितियों में फसल को बचाने हेतु सलाह है कि सोयाबीन की बोवनी के लिए बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) कुड-मेड-प्राणाली का चयन करें तथा सम्बंधित यन्त्र या उपकरणों का प्रबंध करें.</p>	

	<p>The unfavorable incidences like drought or heavy rains for prolonged period as well incessant rains are increasingly experienced in recent years. The soybean farmers are requested to use Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow. This will facilitate managing the crop both in case of waterlogging as well as drought situation.</p>	<p>चौड़ी क्यारी (BBF) पद्धति से बोवनी</p>  <p>कुड-मेड (रिज फरो) पद्धति से बोवनी</p>
<p>10.</p>	<p>फफूंदनाशक एवं कीटनाशक से बीजोपचार: सोयाबीन फसल की प्रारंभिक अवस्था में रोग तथा कीटों से बचाव के साथ-साथ उपयुक्त पौध संख्या सुनिश्चित करने हेतु सोयाबीन में बीजोपचार अत्यंत आवश्यक हैं. इसके लिए अनुशंसा है कि बीज को अनुशंसित पूर्वमिश्रित फफूंदनाशक एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ कीटनाशक थायामिथोक्साम 25% एफ.एस . (10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज) से उपचारित करें.</p> <p>अन्य विकल्प के रूप में अनुशंसित फफूंदनाशक पेनफ्लूफेन+ ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 38 एफ.एस. (0.8-1 मि.ली./कि.ग्रा .बीज) अथवा कार्बोक्सिन 37.5%+थाइरम 37.5% (3 ग्राम/कि.ग्रा .बीज) अथवा कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस. (3 ग्राम./कि.ग्रा. बीज) से उपचारित कर थोड़ी देर छाया में सुखाएं .तत्पश्चात अनुशंसित कीटनाशक थायामिथोक्सम 30 एफ.एस. 10 मि.ली /कि.ग्रा .बीज (अथवा इमिडाक्लोप्रिड (1.25 मि.ली./कि.ग्रा .बीज) से भी उपचारित करें.</p>	 
	<p>Seed treatment with fungicide and insecticide: In order to save early stage crop from diseases and insects and ensure proper plant population, it is recommended to treat the seed with fungicides and insecticides. The seed should be treated with pre-mixed fungicide+Insecticide like Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS (10 ml/kg seed) which contain both the components Alternatively, the seed treatment can also be done using recommended fungicides like Penflufen + Trifloxystrobin (1 ml/kg seed). OR Thiram + Carboxin (3 g/kg seed) or Thiram + Mancozeb (3 g/kg seed. It should be allowed to dry for some time and then treated with insecticide like - Thiamethoxam 30 FS (10 ml/kg seed) or Imidacloprid 48 FS (1.25 ml/kg seed). Seed treatment with chemicals can be done much before sowing.</p>	
<p>11.</p>	<p>जैविक कल्चर से टीकाकरण: सोयाबीन की बोवनी करते समय बीज को जैविक कल्चर ब्रेडीरायबियम + पी.एस.एम् प्रत्येकी 5 ग्राम/किग्रा .बीज कि दर से करे .कृषकगण रासायनिक फफूंद नाशक के स्थान पर जैविक फफूंद नाशक ट्रायकोडर्मा (10 ग्राम/किग्रा बीज) का भी उपयोग कर सकते है जिसको जैविक कल्चर के साथ मिलकर प्रयोग किया जा सकता है. (बीजोपचार एवं टीकाकरण में निश्चित क्रम (फफूंदनाशक-कीटनाशक-जैविक कल्चर का अनुपालन करें).</p> <p>Seed Inoculation: During sowing, it is advised to inoculate the seed with <i>Bradyrhizobium japonicum</i> and PSM cultures both @ 5 g/kg seed should be done just before sowing. As an alternative to chemical fungicides, farmers also have an option of using bio-fungicide i.e. <i>Trichoderma viride</i> (10 g/kg seed) which can be mixed along with organic cultures. The seed should be treated in FIR order ie.treat first with fungicide followed by insecticide and then by <i>Bradyrhizobium</i> culture</p>	

12.	<p>खरपतवारनाशी का प्रयोग: कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार अनुशंसित बोटनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों में से किसी एक का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण हेतु कर सकते हैं (तालिका 4) . कृषकों को सलाह है कि खरपतवारनाशकों के उपयोग हेतु पर्याप्त पानी (नेपसेक स्प्रेयर से प्रति हेक्टर 450-500 लीटर जबकि पावर स्प्रेयर से 120 लीटर/हे.) का उपयोग करें.</p>	
	<p>Use of herbicides for weed control: Farmers have a choice of selecting any one among various recommended Pre-emergence herbicides (Table-4) as per his convenience. It is suggested to use sufficient water (450-500 litre using knapsack sprayer or 120 litre in case of power sprayer)</p>	

तालिका -1: देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुशंसित सोयाबीन प्रजातियाँ

क्र.	क्षेत्र/Zone 4
1.	<p>मध्य क्षेत्र: मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड भाग, राजस्थान, गुजरात, उत्तर-पश्चिमी महाराष्ट्र: केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: NRC 165, JS 22-12, JS 22-16, NRC 150, NRC 152, JS 21-72, RVSM 2011-35, NRC 138, AMS 100-39, RVS 76, NRC 142, NRC 130, MACS 1520, RSC 10-46, RSC 10-52, AMS-MB 5-18, AMS 1001, JS 20-116, JS 20-94, JS 20-98, NRC 127 राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित: मध्य प्रदेश NRC 157, NRC 131, NRC 136 : महाराष्ट्र: MAUS 725, Phule Durva (KDS 992)</p>
2.&3	<p>पूर्वी क्षेत्र (छत्तीसगढ़, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल तथा 3. उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र: (असम, मेघालय, मणीपुर, नागालैण्ड व सिक्किम) केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: RSC 11-35, RSC 10-71, RSC 10-52, MACS 1407, MACS 1460, NRC 132, NRC 147, NRC 128, NRC 136, NRC SL-1, RSC 11-07, RSC 11-46, AMS 2014-1 (Purva), DSB 32, JS 20-116, KDS 753 (Phule Sangam), Kota Soya 1, Chhattisgarh Soya 1 राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में: छत्तीसगढ़: छत्तीसगढ़ सोया ; झारखण्ड: बिरसा सोया-3, बिरसा सोया-4 ; मेघालय: उमियम सोयाबीन-1; हिमाचल प्रदेश: हिम पालम हरा सोया-1 ; जम्मू कश्मीर : शालीमार सोयाबीन-2</p>
4.	<p>उत्तरी मैदानी क्षेत्र: पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के पूर्वी मैदान, मैदानी-उत्तराखण्ड एवं पूर्वी बिहार केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: PS 1640, SL-1074, SL-1028, NRC 128, SL-979, SL-955, Pant Soya 26, PS 1477, SL-958, Pusa -12 राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में: उत्तराखंड: उत्तराखंड काला सोयाबीन, पी.एस. 1521, पन्त सोयाबीन - 23, पन्त सोयाबीन-21, पी.एस. 1368</p>
5.	<p>उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र: हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र: केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: VL Soya 99, Pant Soybean-25, VL Soya 89 राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में: हिमाचल प्रदेश :हिम पालम सोया1-; उत्तराखंड: वी.एल.भट्ट 201, वी.एल.सोया-77</p>
6.	<p>दक्षिणी क्षेत्र: कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र का दक्षिणी भाग केंद्रीय स्तर पर नोटीफाईड किस्में: MACS-NRC 1667, Karune, NRC 142, MACS 1460, AMS 2014-1, RSC 11-07, NRC 132, NRC 147, DSb 34, KDS 753 (Phule Kimaya), KDS 726 (Phule Sangam), DSb 23, MAUS 612, MACS 1281, KDS 344, MAUS 162, MACS 1188 राज्य सरकार द्वारा अनुशंसित किस्में: तेलंगाना: ALSB-50, बसार ; महाराष्ट्र : एम.ए.यु.एस. 725, फूले दूर्वा (के.डी.एस. 992), AMS-1001; कर्नाटक: के.बी.एस. 23</p>

तालिका-2 देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सोयाबीन बोवनी का उपयुक्त समय

क्षेत्र Zone	उचित बुआई का समय*	बीज दर (कि.ग्रा./हे)	कतारों की दूरी (सेमी.)
मध्य (Central)	जून June 20- 5जुलाई/July	65	45
उत्तर पूर्वी पहाड़ी (North-East Hill)	15- 30जून/June	55	45
उत्तर मैदानी (Northern Plain)	जून June 20- 5जुलाई/July	65	45
पूर्वी (Eastern)	15- 30जून/June	55	45
दक्षिण (Southern)	15- 30जून/June	65	30

*मानसून के आगमन पश्चात 100 मिमी. वर्षा होने पर

तालिका-3 विभिन्न क्षेत्रों के लिए पोषक तत्वों की मात्रा एवं उनके स्रोत

क्षेत्र Zone	एन:पी:के:एस (कि.ग्रा./हे.) NPKS (kg/ha)	उर्वरकों के स्रोत एवं मात्रा Fertilizer Sources and Quantity
मध्य (Central)	25:60:40:20	56 कि.ग्रा. यूरिया, 375कि.ग्रा. सुपर फास्फेट एवं 67कि.ग्रा. स्युरेट ऑफ पोटाश
दक्षिण (Southern)	25:80:20:30	56 कि.ग्रा. यूरिया, 500कि.ग्रा. सुपर फास्फेट एवं 34कि.ग्रा. स्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर मैदानी (Northern Plain)	25:75:25:37.5	56 कि.ग्रा. यूरिया, 470कि.ग्रा. सुपर फास्फेट एवं 42कि.ग्रा. स्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र एवं पूर्वी क्षेत्र (North-East Hill) and Eastern Zone	25:100:50:50	56 कि.ग्रा. यूरिया, 625कि.ग्रा. सुपर फास्फेट एवं 84कि.ग्रा. स्युरेट ऑफ पोटाश

तालिका-4: सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूची

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.	प्रभावकारिता
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.	दोनों प्रकार के खरपतवार
2	बौवनी के तुरन्त बाद (PE)	डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम	चौड़ी पत्ती वाले
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.	दोनों प्रकार
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.	दोनों प्रकार
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.	दोनों प्रकार
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.	चौड़ी पत्ती वाले
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.	दोनों प्रकार
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्राम	दोनों प्रकार
मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.00 ली.	दोनों प्रकार		

3	अ .बौवनी के 12-10 दिन बाद (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम	दोनों प्रकार
		बेन्टाझोन 48 एस.एल.	2.00 ली.	दोनों प्रकार
ब .बौवनी के 20-15 दिन बाद (POE)		इमेझेथापायर 10 एस.एल. +सर्फेक्टेन्ट	1.00 ली.	घासवर्गीय
		इमेझेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.	दोनों प्रकार
		इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्रा.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.	दोनों प्रकार
		फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 9.3 ई.सी.	1.11 ली.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.	दोनों प्रकार
		फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.	दोनों प्रकार
		हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.	घासवर्गीय
		प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	500-750 मि.ली.	दोनों प्रकार
		क्लेथोडियम 25 ई.सी.	500 -700 मि.ली.	दोनों प्रकार
		फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.	दोनों प्रकार
		स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (POE)		फ्लूआजिआफॉप-पी- ब्युटाईल+फोमेसाफेन
इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स	100 ग्रा.			दोनों प्रकार
प्रोपाक्विजाफॉप+इमाझेथापायर	2.00 ली.			दोनों प्रकार
सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाप प्रोपारगील	1.00 ली.			दोनों प्रकार
फोमेसाफेन+ क्विजालोफाप इथाईल	1.50 ली.			दोनों प्रकार
क्विजालोफाप इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेक्टेन्ट	375 मिली+36 ग्रा.+0.2%			दोनों प्रकार
फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप-इथाईल 10% EC	500 मि.ली.			दोनों प्रकार
क्विजालोफाप-इथाईल 7.5% + इमेझेथापायर 15% w/w EC	500 मि.ली.			दोनों प्रकार

तालिका 5: बोवनी के समय उपयोगी फफूंदनाशक, कीटनाशक एवं जैविक कल्चर की मात्रा

अनुशंसित फफूंदनाशक	मात्रा
पूर्वमिश्रित फफूंदनाशक+कीटनाशक Pre-mixed (Combined Fungicide+Insecticide)*	
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
अनुशंसित फफूंदनाशक Recommended Fungicide**	
पेनफ्लूफेन 13.28% w/w +ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 13.28% w/w FS	0.8-1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
फ्लुक्सापग्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बेन्डाजिम 12%+ मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
अनुशंसित कीटनाशक***	
थायोमिथोक्सम 30 एफ.एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस.	1.25 मि.ली./कि.ग्रा.बीज
अनुशंसित जैविक कल्चर	
ब्रेडीराइजोबियम कल्चर + पीएसबी कल्चर	दोनों (5 ग्राम/कि.ग्रा बीज)
जैविक फफूंदनाशक <i>ट्राइकोडर्मा विरिडी</i>	8-10 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज

* बीजोपचार के बाद सीधे जैविक कल्चर से टीकाकरण करें

** फफूंदनाशक से बीजोपचार के बाद ऊपर उल्लेखित अनुशंसित कीटनाशकों में से किसी एक के साथ बीजोपचार करें एवं तत्पश्चात अनुशंसित जैविक कल्चर से टीकाकरण करें





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 17.06.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(17-23 जून 2024/ 17-23 June 2024)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में मानसून के आगमन एवं सोयाबीन फसल की बोवनी की स्थिति की सम्भावना देखते हुए कृषकों को निम्न सस्य क्रियाओं को अपनाने की सलाह दी जा रही हैं।
Considering the arrival of monsoon in major soy growing areas as well as optimum time of sowing, farmers are suggested to follow following measures.

1.	<p>बोवनी का समय : अपने क्षेत्र में मानसून के आगमन तथा न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने के पश्चात ही सोयाबीन की बोवनी करें। Optimum Time of Sowing: Sowing may be done only after the onset of monsoon and receipt of 100 mm rainfall in your area.</p>	
2.	<p>किस्मों की विविधता: एक ही सोया किस्म के स्थान पर भिन्न-भिन्न समयावधि में पकनेवाली अपने क्षेत्र के लिए अनुशंसित 2-3 किस्मों की खेती करें। Selection of Varieties: reference may be given for cultivation of more than 2-3 soybean varieties (having varied maturity duration) instead of mono-varietal cultivation.</p>	
3.	<p>अंतरवर्ती फसलों का प्रयोग: असिंचित क्षेत्रों में जहां रबी की फसल लेना संभव नहीं हो वहां सोयाबीन के साथ अरहर की अंतर्वर्तीय फसल उगाना अधिक लाभकारी है। जबकि सिंचित क्षेत्रों में सोयाबीन के साथ मक्का, ज्वार, कपास, बाजरा, आदि अंतर्वर्तीय फसलों की काशत करें, जिससे रबी फसल की बोवनी पर प्रभाव न पड़े। इसी प्रकार फल बागों में बीच की खाली जगह में भी सोयाबीन की खेती की जा सकती है। Intercropping in Soybean: Growing of soybean with Pigeonpea in 4:2 is found most remunerative in case of rainfed farming systems. Whereas, intercrops like maize, sorghum, cotton, pearl millet mature along with the main crop facilitating sowing of subsequent rabi crops, are therefore recommended. Similarly, the intercropping is also recommended in between the orchards.</p>	
4.	<p>बीज की गुणवत्ता: अंकुरण परिक्षण के माध्यम से सोयाबीन की बोवनी हेतु उपलब्ध बीज का न्यूनतम 70% अंकुरण सुनिश्चित करें। Quality Test of Available Seed: Ensure the quality of available soybean seed by carrying out Germination Test (minimum 70%) for proper plant stand.</p>	

5.	<p>कतारों/पौधों की दूरी, गहराई एवं बीज दर,: कृषकों को सलाह है कि सोयाबीन की बोवनी हेतु अनुशंसित 45 सें.मी. कतारों की दूरी का अनुपालन करें. साथ ही बीज को 2-3 सें. मी. की गहराई पर बोवनी करते हुए पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सें.मी. रखें। सोयाबीन का बीज दर 60-70 किग्रा/हे की दर से उपयोग करें.</p> <p>Spacing, Seed rate and depth of sowing: Farmers are advised to use recommended row spacing of 45 cm and 5-10 cm plant to plant distance at 2-3 cm depth. The seed rate may be followed as 60-70 kg/ha.</p>	
6.	<p>बोवनी की पद्धतियाँ: विपरीत मौसम की परिस्थितियों (सुखा, अतिवृष्टि या असामयिक वर्षा) में फसल को बचाने हेतु सलाह है कि सोयाबीन की बोवनी के लिए बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) कुड-मेड-प्राणाली का चयन करें तथा सम्बंधित यन्त्र या उपकरणों का प्रबंध करें.</p> <p>Method of Sowing: In order to manage the crop growth during climatic adversities (drought or waterlogging due to continuous/ heavy rains, farmers are advised to use Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow methods of planting facilitating both drainage as well as moisture conservation.</p>	 <p>चौड़ी क्यारी (BBF) पद्धति से बोवनी</p>  <p>कुड-मेड (रिज फरो) पद्धति</p>
7.	<p>खाद/उर्वरकों का प्रयोग: कार्बनिक खादों (गोबर की खाद/कम्पोस्ट @ 5-10 टन/हे या मुर्गी की खाद @2.5 टन/हे.) के अतिरिक्त सोयाबीन फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों (25:60:40:20 कि.ग्रा/हे नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस ,पोटाश व सल्फर) की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. मध्य क्षेत्र के लिए अनुशंसित उर्वरकों की मात्रा निम्नानुसार हैं, जिनको सीड 1. यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश अथवा 2. डी.ए.पी 125 किग्रा .+ 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर अथवा 3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर</p> <p>Fertilizer Application: In addition to organic manures (FYM @ 5-10 t/ha or Poultry Manure @ 2.5 t/ha applied before sowing), farmers are advised to apply the recommended quantity of all the nutrients (25:60:40:20 N:P₂O₅:K₂O:S kg/ha). The nutritional dose for the central zone can be supplied through any one of the fertilizers combinations: (1) 56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MoP OR (2) DAP @125 kg + 67 Kg MOP+ 25 kg bentonate Sulphur OR (3) complex fertilizers like 12:32:16 (200 kg/ha) + 25 kg bentonate Sulphur. Farmers may broadcast the fertilizers sources just before sowing (Table-3) or through use of seed-cum-fertilizer seed drill during sowing.</p>	
8.	<p>फफुन्नाशक से बीजोपचार एवं जैविक टीकाकरण: सोयाबीन फसल के विभिन्न रोगों से बचाव हेतु सुरक्षात्मक रूप से FIR (फफुन्नाशक, कीटनाशक, जैविक कल्चर) क्रमानुसार बीजोपचार करने की सलाह है. इसके लिए अनुशंसित रसायनों की सूचि तालिका 1 में दी जा रही है. यह भी सलाह है की बोवनी के समय कृषकगण अनुशंसित रसायनों से बीजोपचार पश्चात जैविक कल्चर ब्रेडीरायबियम + पी.एस.एम् दोनों (@ 5 ग्राम/किग्रा .बीज किग्रा बीज) या जैविक फफुन्नाशक ट्रायकोडर्मा (10 ग्राम/किग्रा बीज) से टीकाकरण करें.</p> <p>Seed Treatment and Inoculation: In order to save the yield losses due to insect-pest-diseases, it is advised to carry Seed Treatment (with Fungicide+Insecticide) followed by inoculation with Bradyrhizobium+PSB culture (both & 5 gm/kg seed) or with Trichoderma Viride (@10 g/kg seed) just before sowing.</p>	 

9.	<p>खरपतवारनाशी का प्रयोग: कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार अनुशंसित बौवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों में से किसी एक का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण हेतु कर सकते हैं (तालिका 2) . कृषकों को सलाह है कि खरपतवारनाशकों के उपयोग हेतु पर्याप्त पानी (नेपसेक स्प्रेयर से प्रति हेक्टर 450-500 लीटर जबकि पाँवर स्प्रेयर से 120 लीटर/हे.) का उपयोग करें.</p>	
<p>Use of herbicides for weed control: Farmers have a choice of selecting any one among various recommended Pre-emergence herbicides (Table-2) as per his convenience. It is suggested to use sufficient water (450-500 litre using knapsack sprayer or 120 litre in case of power sprayer)</p>		

तालिका 1: बौवनी के समय उपयोगी फफूंदनाशक, कीटनाशक एवं जैविक कल्चर की मात्रा

अनुशंसित फफूंदनाशक	मात्रा
पूर्वमिश्रित फफूंदनाशक+कीटनाशक Pre-mixed (Combined Fungicide+Insecticide)*	
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
OR	
अनुशंसित फफूंदनाशक Recommended Fungicide**	
पेनफ्लूफेज़ 13.28% w/w +ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 13.28% w/w FS	0.8-1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
फ्लुक्सापग्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बेन्डाजिम 12%+ मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
अनुशंसित कीटनाशक*** (Recommended Insecticide)	
थायोमिथोक्सम 30 एफ.एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस.	1.25 मि.ली./कि.ग्रा.बीज
अनुशंसित जैविक कल्चर (Seed Inoculation with culture)	
ब्रेडीराइजोब्रियम जापोनिकम कल्चर + पीएसबी कल्चर	5 ग्राम/कि.ग्रा बीज
पीएसबी/पी.एस.एम. कल्चर	5 ग्राम/कि.ग्रा बीज
या	
जैविक फफूंदनाशक <i>ट्राइकोडर्मा विरिडी</i>	8-10 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज

* बीजोपचार के बाद सीधे जैविक कल्चर से टीकाकरण करें

** फफूंदनाशक से बीजोपचार के बाद ऊपर उल्लेखित अनुशंसित कीटनाशकों में से किसी एक के साथ बीजोपचार करें एवं तत्पश्चात अनुशंसित जैविक कल्चर से टीकाकरण करें

तालिका-2: सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूची

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.
2	बौवनी के तुरन्त बाद (PE)	डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम
		सल्फेन्ट्राइडोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.

		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.
		मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.00 ली.
3	अ .बौवनी के 12-10 दिन बाद (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम
		बेन्टाझोन 48 एस.एल.	2.00 ली.
	ब .बौवनी के 20-15 दिन बाद (POE)	इमेझेथापायर 10 एस.एल. +सर्फेक्टेन्ट	1.00 ली.
		इमेझेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.
		इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्रा.
		क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.
		क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.
		फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 9.3 ई.सी.	1.11 ली.
		क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.
		फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.
		हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.
		प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	500-750 मि.ली.
		क्लेथोडियम 25 ई.सी.	500 -700 मि.ली.
		फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.
	स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (POE)	फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन	1.00 ली.
		इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स	100 ग्रा.
		प्रोपाक्विजाफॉप+इमाझेथापायर	2.00 ली.
		सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाप प्रोपारगील	1.00 ली.
		फोमेसाफेन+ क्विजालोफाप इथाईल	1.50 ली.
		क्विजालोफाप इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेक्टेन्ट	375 मिली+36 ग्रा.+0.2%
		फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप-इथाईल 10% EC	500 मि.ली.
		क्विजालोफाप-इथाईल 7.5% + इमेझेथापायर 15% w/w EC	500 मि.ली.

सोया कृषको के लिए

साप्ताहिक सुझाव

(17-23) जून 2024

भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर, (म. प्र.)





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 24.06.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(24-30 जून 2024 / 24-30 June 2024)

अनुसन्धान निष्कर्षों के आधार पर यह सप्ताह मध्य क्षेत्र में सोयाबीन की बोवनी के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है। विगत दिनों किस क्षेत्रों में बारिश होने के समाचार प्राप्त हुए हैं। सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में मानसून के आगमन एवं सोयाबीन फसल की बोवनी की स्थिति की सम्भावना देखते हुए कृषकों को निम्न सस्य क्रियाओं को अपनाने की सलाह दी जा रही है।

As per the research results, this week is considered as optimum time for sowing of soybean crop in Central Zone. Last week, rainfall has been reported in some of the district. Considering the arrival of monsoon in major soy growing areas as well as optimum time of sowing, farmers are suggested to follow following measures.

1.	मानसून के आगमन तथा न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने के पश्चात ही सोयाबीन की बोवनी करें। Sowing may be done after the onset of monsoon and receipt of 100 mm rainfall.	
2.	एक ही सोया किस्म के स्थान पर भिन्न-भिन्न समयावधि में पकनेवाली अपने क्षेत्र के लिए अनुशंसित 2-3 किस्मों की खेती करें। Grow more than 2-3 soybean varieties (having varied maturity duration) instead of one popular soybean variety.	
3.	सोयाबीन की बोवनी हेतु अनुशंसित 45 सें.मी. कतारों की दूरी का अनुपालन करें. साथ ही बीज को 2-3 सें. मी. की गहराई पर बोवनी करते हुए पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सें.मी. रखें। सोयाबीन का बीज दर 60-70 किग्रा/हे की दर से उपयोग करें। Farmers are advised to use recommended row spacing of 45 cm and 5-10 cm plant to plant distance at 3-4 cm depth. The seed rate may be followed as 60-70 kg/ha.	
4.	यदि कतारों की दूरी 45 सेमी एवं पौधों की दूरी 5 सेमी. रखे, बीज दर 60-70 किग्रा/हे. लगेगा. यदि पंक्ति की दूरी 45 सेमी. एवं पौधों की दूरी 10 सेमी. हो, प्रति हेक्टेयर बीज दर 30-40% कम करें। If the spacing is 45cmX5cm, the seed rate required is around 60-70 kg/ha. If the plant-plant spacing is kept at 10 cm, the per hectare seed rate may be reduced by 30-40%.	
5.	जहा तक संभव हो, सोयाबीन को .रिज फरो पद्धति से बोवनी करें/BBF इससे विपरीत मौसम अल्प) वर्षाअति/सुखा/वर्षासे (लगातार वर्षा/ फसल में होने वाली जोखिम को कम किया जा सकता है। As far as possible, try to sow soybean crop on Broad-Bed-Furrow/Ridge-Furrow planting system in order to avoid the risk of yield losses due aberrant weather conditions (drought or scanty/heavy/continued rains).	

6.	<p>बीज एवं उर्वरक मिलकर सोयाबीन की बोवनी नहीं करें. इससे भूमि में बीज सड़ने का खतरा रहता है. अतः अनुशंसित उर्वरकों को या तो सीड-कम-फर्टिलाइजर से डाले अथवा बोवनी से पहले अपने खेत में छिड़काव करें और तत्पश्चात् सोयाबीन की बोवनी यन्त्र से बोवनी करें.</p> <p>Farmers are advised not to mix seed along with fertilizers while sowing. Instead, they may use seed-cum-fertilizer seed drill for sowing OR broadcast the fertilizers just before the sowing.</p>	
7.	<p>सोयाबीन फसल में उर्वरकों का प्रयोग केवल बोवनी के समय अनुशंसित किया गया है. अतः पोषक तत्वों की पूर्ति हेतु 25:60:40:20 कि.ग्रा/हे नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस ,पोटाश व सल्फर की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. मध्य क्षेत्र के किसान निम्न में से कोई एक स्रोत अपना सकते हैं. 1. यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेंट ऑफ़ पोटाश अथवा 2. डी.ए.पी 140 किग्रा .+ 67 किग्रा म्यूरेंट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर अथवा 3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर.</p> <p>Farmers are advised to apply the recommended quantity of all the nutrients (25:60:40:20 N:P₂O₅:K₂O:S kg/ha) at the time of sowing only. The nutritional dose for the central zone can be supplied through any one of the fertilizers combinations: (1) 56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MoP OR (2) DAP @140 kg + 67 Kg MOP+ 25 kg bentonate Sulphur OR (3) complex fertilizers like 12:32:16 (200 kg/ha) + 25 kg bentonate Sulphur.</p> <p>Farmers may broadcast the fertilizers sources just before sowing (Table-3) or through use of seed-cum-fertilizer seed drill during sowing.</p>	
8.	<p>कृषकों को सलाह है कि बोवनी के समय बीजोपचार अवश्य करें. इससे विभिन्न फफूंदजनित रोगों से फसल को सुरक्षा तो मिलती ही है, साथ में तना मक्खी या अन्य विषाणुजनित रोगों के वाहक कीटों से भी फसल को सुरक्षित करने में सहायता मिलती है. अतः FIR तरीके को अपनाते हुए अनुशंसित फफूंदनाशक, कीटनाशक एवं जैविक कल्चर (तालिका-1) से बीज उपचार करें.</p> <p>During sowing, seed treatment with fungicide, insecticide and microbial cultures is very essential in order to protect the crop from different fungal diseases beside control of stem fly and other vectors. Therefore, farmers are advised to follow FIR sequence (Fungicide-Insecticide-Rhizobium+PSB culture/<i>Trichoderma viride</i>) as per the list given in Table 1.</p>	 
9.	<p>सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले कृषकों को सलाह है कि वे बोवनी के समय केवल <i>ट्रायकोडर्मा विरिडे</i> + <i>ब्रेडिराइजोबियम जापोनिकम</i>+पी.एस.बी./तरल बायोफर्टिलाइजर / कन्सोर्शिया से बीजोपचार करें. (तालिका-1)</p> <p>In case of organic soybean production, farmers are advised to use <i>Trichoderma viride</i> + <i>Bradyrhizobium japonicum</i>+PSB cultures/liquid biofertilizer/consortia during sowing operation (Table 1).</p>	
10.	<p>असिंचित क्षेत्रों में जहां रबी की फसल लेना संभव नहीं हो वहां सोयाबीन के साथ अरहर की अंतर्वर्तीय फसल (4:2 अनुपात) उगाना अधिक लाभकारी है। जबकि सिंचित क्षेत्रों में सोयाबीन के साथ मक्का, ज्वार, कपास, बाजरा, आदि अंतर्वर्तीय फसलों की काश्त करें, जिससे रबी फसल की बोवनी पर प्रभाव न पड़े। इसी प्रकार फल बागों में बीच की खाली जगह में भी सोयाबीन की खेती की जा सकती है।</p> <p>Growing of soybean with Pigeonpea in 4:2 is found most remunerative in case of rainfed farming systems. Whereas, intercroops like maize, sorghum, cotton, pearl millet mature along with the main crop facilitating sowing of subsequent rabi crops, are therefore recommended. Similarly, the intercropping is also recommended in between the orchards.</p>	
11.	<p>कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार अनुशंसित बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों में से किसी एक का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण हेतु कर सकते हैं (तालिका 2) . कृषकों को सलाह है कि खरपतवारनाशकों के उपयोग हेतु पर्याप्त पानी (नेपसेक स्प्रेयर से प्रति हेक्टर 450-500 लीटर जबकि पॉवर स्प्रेयर से 120 लीटर/हे.) का उपयोग करें.</p>	

	Use of herbicides for weed control: Farmers have a choice of selecting any one among various recommended Pre-emergence herbicides (Table-2) as per his convenience. It is suggested to use sufficient water (450-500 litre using knapsack sprayer or 120 litre in case of power sprayer)
--	---

तालिका 1: बौवनी के समय उपयोगी फफूंदनाशक, कीटनाशक एवं जैविक कल्चर की मात्रा

अनुशंसित फफूंदनाशक	मात्रा
पूर्वमिश्रित फफूंदनाशक+कीटनाशक Pre-mixed (Combined Fungicide+Insecticide)*	
एज़ोक्सीस्ट्रोब्रिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
OR	
अनुशंसित फफूंदनाशक Recommended Fungicide**	
पेनफ्लूफेन 13.28% w/w +ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 13.28% w/w FS	0.8-1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
फ्लुक्सापग्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बेन्डाजिम 12%+ मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
अनुशंसित कीटनाशक*** (Recommended Insecticide)	
थायोमिथोक्सम 30 एफ.एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस.	1.25 मि.ली./कि.ग्रा.बीज
अनुशंसित जैविक कल्चर (Seed Inoculation with culture)	
ब्रेडीराइजोबियम जापोनिकम कल्चर + पीएसबी कल्चर	5 ग्राम/कि.ग्रा बीज
पीएसबी/पी.एस.एम. कल्चर	5 ग्राम/कि.ग्रा बीज
या	
जैविक फफूंदनाशक <i>ट्राइकोडर्मा विरिडी</i>	8-10 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज

* बीजोपचार के बाद सीधे जैविक कल्चर से टीकाकरण करें

** फफूंदनाशक से बीजोपचार के बाद ऊपर उल्लेखित अनुशंसित कीटनाशकों में से किसी एक के साथ बीजोपचार करें एवं तत्पश्चात अनुशंसित जैविक कल्चर से टीकाकरण करें

तालिका-2: सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूची

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.	प्रभावकारिता
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.	दोनों प्रकार के खरपतवार
2	बौवनी के तुरन्त बाद (PE)	डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम	चौड़ी पत्ती वाले
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.	दोनों प्रकार
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.	दोनों प्रकार
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.	दोनों प्रकार
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.	चौड़ी पत्ती वाले
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.	दोनों प्रकार
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.	दोनों प्रकार
		मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.00 ली.	दोनों प्रकार

3	अ .बौवनी के 12-10 दिन बाद (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम	दोनों प्रकार
		वेन्टाडोन 48 एस.एल.	2.00 ली.	दोनों प्रकार
	ब .बौवनी के 20-15 दिन बाद (POE)	इमेझेथापायर 10 एस.एल. +सर्फेक्टेन्ट	1.00 ली.	घासवर्गीय
		इमेझेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.	घासवर्गीय
		इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्र.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.	घासवर्गीय
		क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.	घासवर्गीय
		फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 9.3 ई.सी.	1.11 ली.	घासवर्गीय
		क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.	घासवर्गीय
		फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.	घासवर्गीय
		हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.	घासवर्गीय
		प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	500-750 मि.ली.	घासवर्गीय
		क्लेथोडियम 25 ई.सी.	500 -700 मि.ली.	घासवर्गीय
		फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.	चौड़ी पत्ती वाले
स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (POE)	फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन	1.00 ली.	दोनों प्रकार	
	इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स	100 ग्र.	दोनों प्रकार	
	प्रोपाक्विजाफॉप+इमाझेथापायर	2.00 ली.	दोनों प्रकार	
	सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाप प्रोपारगील	1.00 ली.	दोनों प्रकार	
	फोमेसाफेन+ क्विजालोफाप इथाईल	1.50 ली.	दोनों प्रकार	
	क्विजालोफाप इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेक्टेन्ट	375 मिली+36 ग्र.+0.2%	दोनों प्रकार	
	फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप-इथाईल 10% EC	500 मि.ली.	दोनों प्रकार	
	क्विजालोफाप-इथाईल 7.5% + इमेझेथापायर 15% w/w EC	500 मि.ली.	दोनों प्रकार	



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 01.07.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(1-7 जुलाई 2024 / 1-7th July 2024)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में अभी तक लगभग 60-75% क्षेत्रफल में सोयाबीन की बोवनी किये जाने के समाचार हैं एवं शेष क्षेत्रों में यह प्रक्रिया चल रही है. अनुसन्धान निष्कर्षों के आधार पर सोयाबीन की बोवनी के लिए 20 जून से लेकर जुलाई माह के प्रथम सप्ताह तक का समय उपयुक्त पाया गया है. इस स्थिति में सोया कृषकों को निम्न सस्य क्रियाओं का अनुपालन किये जाने की सलाह दी जाती है.

As per the reports, the sowing has been completed in almost 60-75% areas of major soybean growing states and is still continuing. As per the research results, the optimum time for sowing of soybean crop is from 20th June to the first week of July. Under this situation, farmers are suggested to follow following measures.

अ. ऐसे क्षेत्र जहा सोयाबीन की बोवनी हुयी है (Areas where sowing is done)

1.	<p>जिन्होंने बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशक का उपयोग नहीं किया है, कृषकों को सलाह है कि तालिका-2 में दी गयी सूचि में से कोई एक खरपतवार नाशक का छिडकाव करें. छिडकाव करते हुए पर्याप्त पानी की मात्रा का प्रयोग करें.</p> <p>Those farmers who have not used any of the Pre-emergence herbicides so far are advised to apply the spray of any one post emergence herbicide as given in Table-2. Use adequate quantity of water for spraying the herbicide</p>
2.	<p>जिन कृषकों ने बी.बी.एफ./रिज फरो के स्थान पर केवल परंपरागत सीड ड्रिल की सहायता से सोयाबीन की बोवनी की है, सलाह है कि सुविधानुसार 6 या 9 कतारों के अंतराल पर नालियां निकाले. इससे अतिरिक्त वर्षा का जल निकास तथा जल संचयन द्वारा सूखे के दौरान लाभ मिलेगा.</p> <p>Those farmers who did not used BBF/Ridge Furrow methods of planting are suggested to open irrigation furrows at suitable interval of 6/9 rows which will facilitate draining of excess rainfall as well as moisture conservation useful during long dry spell.</p>
3.	<p>संभव होने पर बी.बी.एफ./रिज फरो पद्धति से बनी हुयी नालियों में कीट आकर्षक फसल (सुवा/मेरीगोल्ड) की बोवनी करें.</p> <p>Farmers are advised do sow the seeds of Dill/Marigold in the irrigation furrows made through BBF/Ridge Furrow planting methods. This will attract the defoliators facilitating insect control.</p>

आ. ऐसे क्षेत्र जहा सोयाबीन की बोवनी की जा रही है/होनी है (Areas where soybean sowing is to be done)

1.	मानसून के आगमन तथा न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने के पश्चात ही सोयाबीन की बोवनी करें. Sowing may be done after the onset of monsoon and receipt of 100 mm rainfall.	
2.	एक ही सोया किस्म के स्थान पर भिन्न-भिन्न समयावधि में पकनेवाली अपने क्षेत्र के लिए अनुशंसित 2-3 किस्मों की खेती करें. Grow more than 2-3 soybean varieties (having varied maturity duration) instead of one popular soybean variety.	
3.	सोयाबीन की बोवनी हेतु अनुशंसित 45 सें.मी. कतारों की दूरी का अनुपालन करें. साथ ही बीज को 2-3 सें. मी. की गहराई पर बोवनी करते हुए पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सें.मी. रखें। सोयाबीन का बीज दर 60-70 किग्रा/हे की दर से उपयोग करें. Farmers are advised to use recommended row spacing of 45 cm and 5-10 cm plant to plant distance at 3-4 cm depth. The seed rate may be followed as 60-70 kg/ha.	
4.	यदि कतारों की दूरी 45 सेमी एवं पौधों की दूरी 5 सेमी. रखे, बीज दर 60-70 किग्रा/हे. लगेगा. यदि पंक्ति की दूरी 45 सेमी. एवं पौधों की दुरी 10 सेमी. हो, प्रति हेक्टेयर बीज दर 30-40% कम करें. If the spacing is 45cmX5cm, the seed rate required is around 60-70 kg/ha. If the plant-plant spacing is kept at 10 cm, the per hectare seed rate may be reduced by 30-40%.	
5.	जहा तक संभव हो, सोयाबीन को .रिज फरो पद्धति से बोवनी करें/BBF इससे विपरीत मौसम अल्प) वर्षाअति/सुखा/वर्षासे (लगातार वर्षा/ फसल में होने वाली जोखिम को कम किया जा सकता है. As far as possible, try to sow soybean crop on Broad-Bed-Furrow/Ridge-Furrow planting system in order to avoid the risk of yield losses due aberrant weather conditions (drought or scanty/heavy/continued rains).	
6.	बीज एवं उर्वरक मिलकर सोयाबीन की बोवनी नहीं करें. इससे भूमि में बीज सड़ने का खतरा रहता है. अतः अनुशंसित उर्वरकों को या तो सीड-कम-फर्टिलाइजर से डाले अथवा बोवनी से पहले अपने खेत में छिड़काव करें और तत्पश्चात सोयाबीन की बोवनी यन्त्र से बोवनी करें. Farmers are advised not to mix seed along with fertilizers while sowing. Instead, they may use seed-cum-fertilizer seed drill for sowing OR broadcast the fertilizers just before the sowing.	
7.	सोयाबीन फसल में उर्वरकों का प्रयोग केवल बोवनी के समय अनुशंसित किया गया है. अतः पोषक तत्वों की पूर्ति हेतु 25:60:40:20 कि.ग्रा/हे नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस ,पोटाश व सल्फर की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. मध्य क्षेत्र के किसान निम्न में से कोई एक स्रोत अपना सकते हैं. 1. यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश अथवा 2. डी.ए.पी 140 किग्रा .+ 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर अथवा 3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर. Farmers are advised to apply the recommended quantity of all the nutrients (25:60:40:20 N:P ₂ O ₅ :K ₂ O:S kg/ha) at the time of sowing only. The nutritional dose for the central zone can be supplied through any one of the fertilizers combinations: (1) 56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MoP OR (2) DAP @140 kg + 67 Kg MOP+ 25 kg bentonate Sulphur OR (3) complex fertilizers like 12:32:16 (200 kg/ha) + 25 kg bentonate Sulphur. Farmers may broadcast the fertilizers sources just before sowing (Table-3) or through use of seed-cum-fertilizer seed drill during sowing.	
8.	कृषकों को सलाह है कि बोवनी के समय बीजोपचार अवश्य करें. इससे विभिन्न फफूंदजनित रोगों से फसल को सुरक्षा तो मिलती ही है, साथ में तना मक्खी या अन्य विषाणुजनित रोगों के वाहक कीटों से भी फसल को सुरक्षित करने में सहायता मिलती है. अतः FIR तरीके को अपनाते हुए अनुशंसित फफूंदनाशक, कीटनाशक एवं जैविक कल्चर (तालिका-1) से बीज उपचार करें .	

	During sowing, seed treatment with fungicide, insecticide and microbial cultures is very essential in order to protect the crop from different fungal diseases beside control of stem fly and other vectors. Therefore, farmers are advised to follow FIR sequence (Fungicide-Insecticide-Rhizobium+PSB culture/ <i>Trichoderma viride</i>) as per the list given in Table 1	
9.	सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले कृषकों को सलाह है कि वे बोवनी के समय केवल <i>ट्रायकोडर्मा विरिडे</i> + <i>ब्रैडिराइजोबियम जापोनिकम</i> +पी.एस.बी./तरल बायोफर्टिलाइजर / कन्सोर्शिया से बीजोपचार करें. (तालिका-1) In case of organic soybean production, farmers are advised to use <i>Trichoderma viride</i> + <i>Bradyrhizobium japonicum</i> +PSB cultures/liquid biofertilizer/consortia during sowing operation (Table 1).	
10.	असिंचित क्षेत्रों में जहां रबी की फसल लेना संभव नहीं हो वहां सोयाबीन के साथ अरहर की अंतर्वर्तीय फसल (4:2 अनुपात) उगाना अधिक लाभकारी है। जबकि सिंचित क्षेत्रों में सोयाबीन के साथ मक्का, ज्वार, कपास, बाजरा, आदि अंतर्वर्तीय फसलों की काश्त करें, जिससे रबी फसल की बोवनी पर प्रभाव न पड़े। इसी प्रकार फल बागों में बीच की खाली जगह में भी सोयाबीन की खेती की जा सकती है। Growing of soybean with Pigeonpea in 4:2 is found most remunerative in case of rainfed farming systems. Whereas, intercrops like maize, sorghum, cotton, pearl millet mature along with the main crop facilitating sowing of subsequent rabi crops, are therefore recommended. Similarly, the intercropping is also recommended in between the orchards.	
11.	कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार अनुशंसित बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों में से किसी एक का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण हेतु कर सकते हैं (तालिका 2) . कृषकों को सलाह है कि खरपतवारनाशकों के उपयोग हेतु पर्याप्त पानी (नेपसेक स्प्रेयर से प्रति हेक्टर 450-500 लीटर जबकि पाँवर स्प्रेयर से 120 लीटर/हे.) का उपयोग करें. Use of herbicides for weed control: Farmers have a choice of selecting any one among various recommended Pre-emergence herbicides (Table-2) as per his convenience. It is suggested to use sufficient water (450-500 litre using knapsack sprayer or 120 litre in case of power sprayer)	

तालिका 1: बोवनी के समय उपयोगी फफूंदनाशक, कीटनाशक एवं जैविक कल्चर की मात्रा

अनुशंसित फफूंदनाशक	मात्रा
पूर्वमिश्रित फफूंदनाशक+कीटनाशक Pre-mixed (Combined Fungicide+Insecticide)*	
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
OR	
अनुशंसित फफूंदनाशक Recommended Fungicide**	
पेनफ्लूफेन 13.28% w/w +ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 13.28% w/w FS	0.8-1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
फ्लुक्सापग्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बेन्डाजिम 12%+ मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
अनुशंसित कीटनाशक*** (Recommended Insecticide)	
थायोमिथोक्सम 30 एफ.एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस.	1.25 मि.ली./कि.ग्रा.बीज

अनुशंसित जैविक कल्चर (Seed Inoculation with culture)	
ब्रेडीराइजोबियम जापोनिकम कल्चर + पीएसबी कल्चर	5 ग्राम/कि.ग्रा बीज
पीएसबी/पी.एस.एम. कल्चर	5 ग्राम/कि.ग्रा बीज
या	
जैविक फफूंदनाशक <i>ट्राइकोडर्मा विरिडी</i>	8-10 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज

* बीजोपचार के बाद सीधे जैविक कल्चर से टीकाकरण करें

** फफूंदनाशक से बीजोपचार के बाद ऊपर उल्लेखित अनुशंसित कीटनाशकों में से किसी एक के साथ बीजोपचार करें एवं तत्पश्चात अनुशंसित जैविक कल्चर से टीकाकरण करें

तालिका-2: सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूची

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.	प्रभावकारिता
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.	दोनों प्रकार के खरपतवार
2	बौवनी के तुरन्त बाद (PE)	डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम	चौड़ी पत्ती वाले
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.	दोनों प्रकार
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.	दोनों प्रकार
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.	दोनों प्रकार
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.	चौड़ी पत्ती वाले
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.	दोनों प्रकार
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्राम.	दोनों प्रकार
		मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.00 ली.	दोनों प्रकार
3	अ .बौवनी के 12-10 दिन बाद (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम	दोनों प्रकार
		बेन्टाझोन 48 एस.एल.	2.00 ली.	दोनों प्रकार
	ब .बौवनी के 20-15 दिन बाद (POE)	इमेझेथापायर 10 एस.एल. +सर्फेक्टेन्ट	1.00 ली.	घासवर्गीय
		इमेझेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.	घासवर्गीय
		इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी.+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्राम.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.	घासवर्गीय
		क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.	घासवर्गीय
		फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 9.3 ई.सी.	1.11 ली.	घासवर्गीय
		क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.	घासवर्गीय
		फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.	घासवर्गीय
		हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.	घासवर्गीय
		प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	500-750 मि.ली.	घासवर्गीय
		क्लेथोडियम 25 ई.सी.	500 -700 मि.ली.	घासवर्गीय
		फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.	चौड़ी पत्ती वाले
	फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन	1.00 ली.	दोनों प्रकार	

स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (POE)	इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स	100 ग्रा.	दोनों प्रकार
	प्रोपाक्विजाफॉप+इमाझेथापायर	2.00 ली.	दोनों प्रकार
	सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाप प्रोपारगील	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	फोमेसाफेन+ क्विजालोफाप इथाईल	1.50 ली.	दोनों प्रकार
	क्विजालोफाप इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेक्टेन्ट	375 मिली+36 ग्रा.+0.2%	दोनों प्रकार
	फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप-इथाईल 10% EC	500 मि.ली.	दोनों प्रकार
	क्विजालोफाप-इथाईल 7.5% + इमेझेथापायर 15% w/w EC	500 मि.ली.	दोनों प्रकार





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 08.07.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(8-14 जुलाई 2024 / 8th -14th July 2024)

अधिकतर क्षेत्रों में सोयाबीन की बोवनी संपन्न होने की सूचनाएं हैं, जबकि बोवनी के लिए पर्याप्त वर्षा के अभाव में अभी भी कुछ क्षेत्रों के किसान सोयाबीन की बोवनी करने की प्रतीक्षा में हैं. अतः विलंबित बोवनी की परिस्थिति में सोया कृषकों को निम्न कृषि कार्य अपनाने की सलाह है:

As per the reports, soya farmers from the most of the soybean growing areas have already completed the sowing. However, the farmers from certain areas are yet to sow the soybean crop. Therefore, farmers are advised to adopt the following measures.

इ. ऐसे क्षेत्र जहा सोयाबीन की बोवनी शेष हैं (Areas where soybean sowing is to be done)

1.	विलंबित बोवनी की स्थिति में कृषकों को सलाह है कि, कतारों की दूरी 30 सेमी. तक घटाकर तथा बीज दर बढ़ाकर (90-100 किग्रा./हे) सोयाबीन की बोवनी कर सकते हैं. Farmers who are yet to complete the sowing of soybean crop are advised to do so by reducing the row spacing of 30cm and increasing the seed rate to 90-100 kg/ha.	
2.	विलंबित बोवनी की स्थिति में शीघ्र समयावधि में पकने वाली सोया किस्में जैसे NRC 138, NRC 150, NRC 130, NRC 131, NRC 181, JS 20-34, आदि) जैसी अनुशंसित 2-3 किस्मों को प्राथमिकता दे. Farmers are advised to give preference for cultivation of short duration soybean varieties like NRC 130, NRC 131, NRC 157, NRC 165, NRC 138, NRC 150, NRC 181 etc) in case of late sowing conditions.	
3.	विलंबित बोवनी की स्थिति में खरपतवार प्रबंधन की दृष्टि से जहाँ तक संभव हों, कल्टीवेटर चलाने के पश्चात बोवनी करें. In case of delayed sowing, farmers are advised to use cultivator before the sowing in order to have effective/economical weed control measures.	
4.	विपरीत मौसम (सूखे कि स्थिति, अतिवृष्टि आदि) से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सोयाबीन की बोवनी बी.बी.एफ.पद्धति या रिज एवं फरो पद्धति से करें. It is advised to sow the crop using Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow methods of sowing in order to save the crop in event of excessive rainfall as well as drought situations.	
5.	संभव होने पर बी.बी.एफ./रिज फरो पद्धति से बनी हुयी नालियों में कीट आकर्षक फसल (सुवा/मेरीगोल्ड) की बोवनी करें.	

	Farmers are advised do sow the seeds of Dill/Marigold in the irrigation furrows made through BBF/Ridge Furrow planting methods. This will attract the defoliators facilitating insect control.	
6.	<p>सोयाबीन फसल के प्रमुख रोगों के साथ-साथ तना मक्खी जैसे कीटों से फसल की सुरक्षा हेतु बोवनी के समय निम्नानुसार FIR क्रम का अनुपालन करते हुए बीजोपचार करें.</p> <ul style="list-style-type: none"> बीजोपचार के लिए बाजार में उपलब्ध पूर्वमिश्रित फफूंदनाशक-कीटनाशक दवाई एजोक्सीस्ट्रोबीन 2.5% + थायोफिनेट मिथाईल 11.25% + थायामिथोक्सम 25% एफ.एस. (10 मिली/कि.ग्रा.बीज) सबसे सुविधाजनक हैं क्यों कि इसमें फफूंदनाशक एवं कीटनाशक का संयोजन पहले से ही किया गया है. 	 
	<ul style="list-style-type: none"> बीजोपचार हेतु अन्य वैकल्पिक फफूंदनाशक जैसे पेनफ्लूफेन + ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 38 एफ.एस (1 मि.ली./कि.ग्रा .बीज) अथवा कार्बोक्सिन 37.5%+थाइरम 37.5% (3 ग्राम/कि.ग्रा .बीज) उपयोग किये जाने की स्थिति में सलाह है कि इनसे उपचारित करने के पश्चात अनुशंसित कीटनाशक थायामिथोक्सम 30 एफ.एस. (10 मि.ली मि.ली./कि.ग्रा .बीज) अथवा इमिडाक्लोप्रिड (1.25 मि.ली./कि.ग्रा .बीज) का भी उपयोग किया जा सकता है. फफूंदनाशक एवं कीटनाशकों से बीजोपचार बोवनी से पहले भी किया जा सकता है जबकि ब्रेडीरायजोवियम/PSB/मायकोरायजा जैसे जीवाणु खाद से टीकाकरण केवल बोवनी के समय करें. फफूंदनाशक एवं कीटनाशक से उपचारित बीज को बोवनी के समय सोयाबीन बीज को जैविक कल्चर ब्रेडीरायजोवियम + पी.एस.एम. (प्रत्येकी 5 ग्राम/किग्रा .बीज) से टीकाकरण करने की भी सलाह है. कृषकगण रासायनिक फफूंद नाशक के स्थान पर जैविक फफूंद नाशक <i>ट्रायकोडर्मा विरिडी</i> (10 ग्राम/किग्रा बीज) का भी उपयोग कर सकते है जिसको जैविक कल्चर के साथ मिलकर प्रयोग किया जा सकता है. 	
	<p>Seed treatment and inoculation: In order to protect the crop from various diseases and from infestation of stem fly, soya farmers are advised to follow the seed treatment using FIR sequence as given below.</p> <ul style="list-style-type: none"> Farmers are advised to use premixed formulation like Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS (@ 10 ml/kg seed) having both fungicides-insecticide which need not be treated again with recommended insecticides. Alternatively, other recommended fungicides like Penflufen + Trifloxystrobin (1 ml/kg seed) OR Thiram + Carboxin (3 g/kg seed), can also be used after which farmers are suggested to treat the seed immediately with insecticide like - Thiamethoxam 30 FS (10 ml/kg seed) or Imidacloprid 48 FS (1.25 ml/kg seed). Seed treatment with chemicals can be done much before sowing. But the seed inoculation with <i>bradyrhizobium</i>/PSB/PSM culture can be done only at the time of sowing. In addition to fungicide and insecticides, it is advised to inoculate the seed with <i>Bradyrhizobium japonicum</i> and PSM cultures both @ 5 g/kg seed should be done just before sowing. As an alternative to chemical fungicides, farmers also have an option of using bio-fungicide i.e. <i>Trichoderma viride</i> (10 g/kg seed) which can be mixed along with organic cultures. 	
7.	<p>सोयाबीन फसल में उर्वरकों का प्रयोग केवल बोवनी के समय अनुशंसित किया गया है. अतः पोषक तत्वों की पूर्ति हेतु 25:60:40:20 कि.ग्रा/हे नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस ,पोटाश व सल्फर की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. मध्य क्षेत्र के किसान निम्न में से कोई एक स्रोत अपना सकते हैं. 1. यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेंट ऑफ़ पोटाश अथवा 2. डी.ए.पी 140 किग्रा .+ 67 किग्रा म्यूरेंट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर अथवा 3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर.</p>	

	<p>Farmers are advised to apply the recommended quantity of all the nutrients (25:60:40:20 N:P₂O₅:K₂O:S kg/ha) at the time of sowing only. The nutritional dose for the central zone can be supplied through any one of the fertilizers combinations: (1) 56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MoP OR (2) DAP @140 kg + 67 Kg MOP+ 25 kg bentonate Sulphur OR (3) complex fertilizers like 12:32:16 (200 kg/ha) + 25 kg bentonate Sulphur.</p> <p>Farmers may broadcast the fertilizers sources just before sowing (Table-3) or through use of seed-cum-fertilizer seed drill during sowing.</p>	
8.	<p>बीज एवं उर्वरक मिलकर सोयाबीन की बोवनी नहीं करें. इससे भूमि में बीज सड़ने का खतरा रहता है. अतः अनुशंसित उर्वरकों को या तो सीड-कम-फर्टिलाइज़र से डाले अथवा बोवनी से पहले अपने खेत में छिड़काव करें और तत्पश्चात सोयाबीन की बोवनी यन्त्र से बोवनी करें.</p> <p>Farmers are advised not to mix seed along with fertilizers while sowing. Instead, they may use seed-cum-fertilizer seed drill for sowing OR broadcast the fertilizers just before the sowing.</p>	
9.	<p>सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले कृषकों को सलाह है कि वे बोवनी के समय केवल <i>ट्रायकोडर्मा विरिडे</i> + <i>ब्रैडीरायजोवियम जापोनिकम</i>+पी.एस.बी./तरल बायोफर्टिलाइज़र / कन्सोर्शिया से बीजोपचार करें. (तालिका-1)</p> <p>In case of organic soybean production, farmers are advised to use <i>Trichoderma viride</i> + <i>Bradyrhizobium japonicum</i>+PSB cultures/liquid biofertilizer/consortia during sowing operation (Table 1).</p>	
10.	<p>असिंचित क्षेत्रों में जहां रबी की फसल लेना संभव नहीं हो वहां सोयाबीन के साथ अरहर की अंतर्वर्तीय फसल (4:2 अनुपात) उगाना अधिक लाभकारी है। जबकि सिंचित क्षेत्रों में सोयाबीन के साथ मक्का, ज्वार, कपास, बाजरा, आदि अंतर्वर्तीय फसलों की काश्त करें, जिससे रबी फसल की बोवनी पर प्रभाव न पड़े। इसी प्रकार फल बागों में बीच की खाली जगह में भी सोयाबीन की खेती की जा सकती है।</p> <p>Growing of soybean with Pigeonpea in 4:2 is found most remunerative in case of rainfed farming systems. Whereas, intercrops like maize, sorghum, cotton, pearl millet mature along with the main crop facilitating sowing of subsequent rabi crops, are therefore recommended. Similarly, the intercropping is also recommended in between the orchards.</p>	
11.	<p>कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार अनुशंसित बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों में से किसी एक का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण हेतु कर सकते हैं (तालिका 2) . कृषकों को सलाह है कि खरपतवारनाशकों के उपयोग हेतु पर्याप्त पानी (नेपसेक स्प्रेयर से प्रति हेक्टर 450-500 लीटर जबकि पॉवर स्प्रेयर से 120 लीटर/हे.) का उपयोग करें.</p> <p>Use of herbicides for weed control: Farmers have a choice of selecting any one among various recommended Pre-emergence herbicides (Table-2) as per his convenience. It is suggested to use sufficient water (450-500 litre using knapsack sprayer or 120 litre in case of power sprayer)</p>	

अ. ऐसे क्षेत्र जहा सोयाबीन की बोवनी हुयी है (Areas where sowing is done)

1.	<p>जिन कृषकों ने बी.बी.एफ./रिज फरो के स्थान पर केवल परंपरागत सीड ड्रिल की सहायता से सोयाबीन की बोवनी की है, सलाह है कि सुविधानुसार 6 या 9 कतारों के अंतराल पर नालियां निकाले. इससे अतिरिक्त वर्षा का जल निकास तथा जल संचयन द्वारा सूखे के दौरान लाभ मिलेगा.</p> <p>Those farmers who did not used BBF/Ridge Furrow methods of planting are suggested to open irrigation furrows at suitable interval of 6/9 rows which will facilitate draining of excess rainfall as well as moisture conservation useful during long dry spell.</p>	 
----	---	---

2.	<p>ऐसे कृषक जिन्होंने अपनी फसल में बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का प्रयोग किया है, सलाह है कि खरपतवारों के नियंत्रण हेतु सुविधाजनक मौसम होने पर डोरा/कुलपा चलायें।</p> <p>Farmers who have already used either Pre=Plant Incorporation (PPI) herbicides or Pre-emergence (PE) herbicides, are advised to go for inter-cultivation using dora/kulpa as per the favorable condition for the control of weeds.</p>	
3.	<p>जहा फसल 15-20 दिन की हो गई है, और अभी तक किसी भी प्रकार के खरपतवारनाशक का प्रयोग नहीं किया है, सलाह है कि सोयाबीन फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए अनुशंसित खड़ी फसल में उपयोगी किसी एक रासायनिक खरपतवारनाशक का छिड़काव करें (तालिका 2 देखें)।</p> <p>Wherever the crop is of 15-20 days' duration, the farmers who have not yet used any of the herbicides so far, are suggested to apply spray of any one post-emergence herbicide recommended for soybean (Table 2).</p>	
4.	<p>खरपतवारनाशकों के छिड़काव के लिए फ्लड जेट/फ्लैट फेन नोजल का प्रयोग करें. इसके लिए पॉवर स्प्रेयर का उपयोग करते हुए 125 लीटर/हे या नेपसेक स्प्रेयर से 450 लीटर/हे का प्रयोग सुनिश्चित करें.</p> <p>The spray of post emergence herbicide may be applied using food jet/flat fan nozzle. For spraying the herbicides, it is advised to use sufficient quantity of water (125 liter/ha for using power sprayer or 450 litre/ha using a knapsack sprayer).</p>	
5.	<p>संभव होने पर बी.बी.एफ/रिज फरो पद्धति से बनी हुयी नालियों में कीट आकर्षक फसल (सुवा/मेरीगोल्ड) की बोवनी करें.</p> <p>Farmers are advised do sow the seeds of Dill/Marigold in the irrigation furrows made through BBF/Ridge Furrow planting methods. This will attract the defoliators facilitating insect control.</p>	
6.	<p>जिन क्षेत्रों में बारिश नहीं हो रही है, सिंचाई के उपाय अपनाए. इसके लिए स्प्रींकलर/ड्रिप/BBF/रिज फरो से बनी नालियों का उपयोग किया जा सकता है.</p> <p>An irrigation may be applied in event of moisture stress. Use of sprinkler/drips/furrows created by use of BBF/Ridge Furrow seed drill will serve the purpose.</p>	
7.	<p>जहाँ पर फसल 15-20 दिन की हो गई हो, पत्ती खाने वाले कीटों से सुरक्षा हेतु फूल आने से पहले ही सोयाबीन फसल में क्लोरान्त्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) का छिड़काव करें. इससे अगले 30 दिनों तक पर्णभक्षी कीटों से सुरक्षा मिलेगी.</p> <p>Wherever the crop is of 15-20 days duration, farmers are advised to spray the soybean crop with Chlorantraniliprole 18.5 SC. @ 150 ml/ha till 4-5 days before flower initiation. This will control defoliators for the next 30 days.</p>	
8.	<p>इस समय तना मक्खी का प्रकोप प्रारंभ होने के सम्भावना होती है. अतः इसके नियंत्रण हेतु सलाह है कि पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) का छिड़काव करें.</p> <p>Initial infection of stem fly is likely to occur at this stage. Farmers are advised to control the same by spray of Thiamethoxam 12.60%+Lambda Cyhalothrin 09.50% ZC @125 ml/ha immediately after the symptoms are noticed.</p>	
9	<p>भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा खरपतवारनाशकों एवं कीटनाशकों की सांगतता बाबत अभी तक किये गए अनुसन्धान परीक्षणों के अनुसार निम्न खरपतवारनाशक एवं कीटनाशकों की संगतता पाई गई है. अतः</p>	

	<p>सलाह हैं कि जिन्होंने बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का अभी तक प्रयोग नहीं किया हैं, निम्न सूचि में से कोई एक कीटनाशक एवं खरपतवार नाशक का मिलाकर छिड़काव किया जा सकता हैं.</p> <p>(1)कीटनाशक: क्लोरइंट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) या क्विनाल्फोस 25 ई.सी (1 ली/हे) या इन्डोक्साकार्ब 15.8 एस.सी (333 मि.ली./हे)</p> <p>(2) खरपतवारनाशक: इमाज़ेथापायर 10 एस.एल (1 ली/हे) या क्विजालोफोप इथाइल 5 ई.सी (1 ली/हे)</p> <p>As per the results of the trials conducted on compatibility of insecticides and herbicides at ICAR-IISR, the combined use following insecticides and herbicides are found compatible. Farmers who did not apply PPI or PE herbicide are suggested to use combination of either one among the following insecticide and herbicides at this stage.</p> <p>(1) Insecticides: Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) or Quinalphos 25 EC (1 l/ha) or Indoxacarb 15.8 EC (333 ml/ha)</p> <p>(2) Herbicides: Imazethapyr 10 SL (1 lit/ha) or Quizalofop ethyl 5 EC (1.00 lit/ha).</p>
10	<p>जिन रसायनों के मिश्रण के सम्बंध में कोई वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फसल को नुकसान हो सकता है</p> <p>Farmers are suggested not to use any combination of insect/herbicides which is not recommended/tested by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.</p>

तालिका 1: बोवनी के समय उपयोगी फफूंदनाशक, कीटनाशक एवं जैविक कल्चर की मात्रा

अनुशंसित फफूंदनाशक	मात्रा
पूर्वमिश्रित फफूंदनाशक+कीटनाशक Pre-mixed (Combined Fungicide+Insecticide)*	
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ. एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
OR	
अनुशंसित फफूंदनाशक Recommended Fungicide**	
पेनफ्लूफेज़ 13.28% w/w +ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 13.28% w/w FS	0.8-1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
फ्लुक्सापग्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बेन्डाजिम 12%+ मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज
अनुशंसित कीटनाशक*** (Recommended Insecticide)	
थायोमिथोक्सम 30 एफ.एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज
इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस.	1.25 मि.ली./कि.ग्रा.बीज
अनुशंसित जैविक कल्चर (Seed Inoculation with culture)	
ब्रेडीराइजोबियम जापोनिकम कल्चर + पीएसबी कल्चर	5 ग्राम/कि.ग्रा बीज
पीएसबी/पी.एस.एम. कल्चर	5 ग्राम/कि.ग्रा बीज
या	
जैविक फफूंदनाशक <i>ट्राइकोडर्मा विरिडी</i>	8-10 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज

* बीजोपचार के बाद सीधे जैविक कल्चर से टीकाकरण करें

** फफूंदनाशक से बीजोपचार के बाद ऊपर उल्लेखित अनुशंसित कीटनाशकों में से किसी एक के साथ बीजोपचार करें एवं तत्पश्चात अनुशंसित जैविक कल्चर से टीकाकरण करें

तालिका-2: सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूची

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.	प्रभावकारिता
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.	दोनों प्रकार के खरपतवार
क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.	प्रभावकारिता
2	बौवनी के तुरन्त बाद (PE)	डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम	चौड़ी पत्ती वाले
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.	दोनों प्रकार
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.	दोनों प्रकार
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.	दोनों प्रकार
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.	चौड़ी पत्ती वाले
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.	दोनों प्रकार
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.	दोनों प्रकार
3	अ .बौवनी के 12-10 दिन बाद (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम	चौड़ी पत्ती वाले
		बेन्टाझोन 48 एस.एल.	2.00 ली.	दोनों प्रकार
	ब .बौवनी के 20-15 दिन बाद (POE)	इमेझेथापायर 10 एस.एल. +सर्फेक्टेन्ट	1.00 ली.	घासवर्गीय
		इमेझेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.	घासवर्गीय
		इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्राम.	दोनों प्रकार
		क्विजालोफाफ इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.	घासवर्गीय
		क्विजालोफाफ-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.	घासवर्गीय
		फेनाक्सीफाफ-पी- इथाईल 9.3 ई.सी.	1.11 ली.	घासवर्गीय
		क्विजालोफाफ-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.	घासवर्गीय
		फ्ल्यूआजीफॉफ-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.	घासवर्गीय
		हेलाक्सिफॉफ आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.	घासवर्गीय
		प्रोपाक्विजाफॉफ 10 ई.सी.	500-750 मि.ली.	घासवर्गीय
		क्लेथोडियम 25 ई.सी.	500 -700 मि.ली.	घासवर्गीय
		फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.	चौड़ी पत्ती वाले
		स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (POE)	फ्लूआजिआफॉफ-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन	1.00 ली.
इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स	100 ग्राम.		दोनों प्रकार	
प्रोपाक्विजाफॉफ+इमाझेथापायर	2.00 ली.		दोनों प्रकार	
सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाफ प्रोपारगील	1.00 ली.		दोनों प्रकार	
फोमेसाफेन+ क्विजालोफाफ इथाईल	1.50 ली.		दोनों प्रकार	
क्विजालोफाफ इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेक्टेन्ट	375 मिली+36 ग्राम.+0.2%		दोनों प्रकार	
फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाफ-इथाईल 10% EC	500 मि.ली.		दोनों प्रकार	
क्विजालोफाफ-इथाईल 7.5% + इमेझेथापायर 15% w/w EC	500 मि.ली.		दोनों प्रकार	

No	Type of weedicide	Chemical Name	Quantity (per ha)	For control of
1	Pre Plant Incorporation (PPI)*	Pendimethalin + Imazethapyr	2.5-3 l	Monocot+Dicot weeds
2	Pre-emergence (PE)	Diclosulum 84 WDG	26-30 g	Monocot+Dicot weeds
		Sulfentrazone 39.6 SC	750 g	Monocot+Dicot weeds
		Chlomezone 50 EC	1.5-2.00 l	Monocot+Dicot weeds
		Pendimethalin 30 EC	2.5-3.3 l	Monocot+Dicot weeds
		Pendimethalin 38.7 CS	1.5 – 1.75 kg	Monocot+Dicot weeds
		Flumioxazin 50 SC	250 ml	Dicot weeds
		Metribuzin 70WP	0.75-1.0 kg	Monocot+Dicot weeds
		Sulfentrazone + Clomazone	1.250 kg	Monocot+Dicot weeds
		Pyroxasulfone 85 WG	150 g	Dicot weeds
		Metolachlor 50 EC	2.0 l	Monocot+Dicot weeds
3	Post emergence (10-12 DAS)	Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant	36 g	Dicot weeds
		Bentazone 48 SL	2.0 l	Dicot weeds
	Post emergence (15-20 DAS)	Imazethapyr 10 SL	1.00 l	Monocot+Dicot weeds
		Imazethapyr 70% WG + Surfactant	100 g	Monocot+Dicot weeds
		Quizalofop-ethyl 5 EC	0.75-1.00 l	Monocot weeds
		Quizalofop-p-ethyl 10 EC	375-450 ml	Monocot weeds
		Fenoxaprop-p-ethyl 9.3 EC	1.11 l	Monocot weeds
		Quizalofop -p-tefuryl 4.41 EC	0.75-1.00 l	Monocot weeds
		Fluazifop-p-butyl 13.4% EC	1 -2 l	Monocot weeds
		Haloxyfop R Methyl 10.5 EC	1-1.25 l	Monocot weeds
		Propaquizafop 10 EC	0.5-0.75 l	Monocot weeds
		Fluthiacet methyl 10.3 EC	125 ml	Dicot weeds
	Clethodim 25 EC	0.5-0.75 l	Monocot weeds	
	POE Pre-mix formulations (15-20 DAS)	Fluazifop-p-butyl + Fomesafen	1 l	Monocot+Dicot weeds
		Imazethapyr + Imazamox	100 g	
		Propaquizafop + Imazethapyr	2.0 l	
		Sodium Acefloufen + Clodinafop Propargyl	1.0 l	
		Fomesafen + Quizalofop ethyl	1.5 l	
		Quizalofop Ethyl 10% EC + Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant (0.2) (Herbicide) (Twin pack)	375 ml+36g+0.2%	
		Fluthiacet methyl 2.5%+Quizalofop-ethyle 10%EC	500 ml	
Quizalofop-ethyle 7.5%EC+Imazethapyr 15% w/w EC	500 ml			





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान

ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001

Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 15.07.2024



**सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(15-21 जुलाई 2024 / 15th -21st July 2024)**

अ. जैविक/अजैविक कारकों के नियंत्रण की सलाह

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों में इस समय फसल लगभग 15-35 दिनों की अवधि पूर्ण कर ली है। विगत सप्ताह कई क्षेत्रों में फसल सूखे की स्थिति बनी हुयी है। अतः फसल की स्थिति अनुसार निम्न उपाय अपनाने की सलाह है।

The soybean crop in most of the area nearing 15-35 days duration. Some of the areas are also experiencing dry spells these days. Considering the crop stage and prevailing situation, soya farmers are advised to adopt following measures.

1.	जिन क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बनी हुयी है, सलाह है कि भूमि में दरारे पड़ने से पूर्व ही फसल की सिंचाई करें। इसके लिए स्प्रिंकलर/ड्रिप/BBF/रिज फरो से बनी नालियों का उपयोग किया जा सकता है। कृषकगण अन्य उपाय जैसे भूसे/खरपतवारों की पलवार लगा कर नमी संरक्षण का काम कर सकते हैं। Areas experiencing long dry spell farmers are advised to apply critical irrigation with sprinkler/drips/flood irrigation using furrows created by use of BBF/Ridge Furrow seed drill. Farmers may also adopt measures like soil mulching with wheat straw to conserve available soil moisture.	
2.	सूखे की स्थिति के दौरान लोह तत्व की अनुपलब्धता से सोयाबीन की उपरी पत्तियाँ पर पीलापन देखा जा रहा है, जो वर्षा आने पर पूर्ववत हो सकेगा। अधिक तीव्रता होने पर प्रति लीटर पानी के साथ 10 ग्राम फेरस सल्फेट के साथ 2 ग्राम चुना मिलाकर फसल पर छिड़काव करें। Symptoms of interveinal chlorosis are seen on the upper leaves of soybean plants because of unavailability of iron during the dry spell experienced in certain areas (See Photo) which may disappear after the receipt of sufficient rains. If the intensity is high, farmers are advised to apply the foliar spray of FeSO ₄ . 7H ₂ O @ 10 g+2g Ca(OH) ₂ per litre of water.	
3.	अत्याधिक वर्षा की स्थिति में जलभराव से होने वाले नुकसान से फसल को बचाने हेतु जल-निकासी के उपाय अपनाए। Farmers are also advised ensure drainage arrangement in their field so as to avoid waterlogging caused due to heavy rains.	
4.	ऐसे कृषक जिन्होंने अपनी फसल में बोवनी पूर्व (PPI) या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी (PE) खरपतवारनाशकों का प्रयोग किया है, खरपतवार नियंत्रण हेतु सुविधाजनक मौसम होने पर डोरा/कुलपा चलायें। Farmers who have already used either Pre-Plant Incorporation (PPI) herbicides or Pre-emergence (PE) herbicides, are advised to go for inter-cultivation using dora/kulpa as per the favorable condition for the control of weeds.	

5.	<p>यद्यपि खरपतवार नियंत्रण हेतु वरीयता अनुसार हाथ की निर्दाई या डोरा/कुल्पा का प्रयोग या आवश्यकता अनुसार रासायनिक खरपतवारनाशकों के छिड़काव की अनुशंसा हैं. अतः 15-25 दिन की फसल में सोया कृषकों को सलाह हैं कि सुविधा अनुसार इनमे से कोई एक तरीका अपनाए. सोयाबीन फसल के लिए अनुशंसित खड़ी फसल में उपयोगी(POE) रासायनिक खरपतवारनाशकों की सूचि तालिका-2 में दी गयी हैं.</p> <p>Wherever the crop is of 15-20 days' duration, the farmers who have not yet used any of the herbicides so far, are suggested to apply spray of any one post-emergence herbicide recommended for soybean (Table 2).</p>	
6.	<p>भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा खरपतवारनाशकों एवं कीटनाशकों की सांगतता बाबत अभी तक किये गए अनुसन्धान परीक्षणों के अनुसार निम्न खरपतवारनाशक एवं कीटनाशकों की संगतता पाई गई हैं. अतः सलाह हैं कि जिन्होंने बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का अभी तक प्रयोग नहीं किया हैं, निम्न सूचि में से कोई एक कीटनाशक एवं खरपतवार नाशक का मिलाकर छिड़काव किया जा सकता हैं.</p> <p>(1)कीटनाशक: क्लोरइंट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) या क्विनाल्फोस 25 ई.सी (1 ली/हे) या इन्डोक्साकैर्ब 15.8 एस.सी (333 मि.ली./हे)</p> <p>(2) खरपतवारनाशक: इमाज़ेथापायर 10 एस.एल (1 ली/हे) या क्विज़ालोफोप इथाइल 5 ई.सी (1 ली/हे)</p> <p>As per the results of the trials conducted on compatibility of insecticides and herbicides at ICAR-IISR, the combined use following insecticides and herbicides are found compatible. Farmers who did not apply PPI or PE herbicide are suggested to use combination of either one among the following insecticide and herbicides at this stage.</p> <p>(1) Insecticides: Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) or Quinalphos 25 EC (1 l/ha) or Indoxacarb 15.8 EC (333 ml/ha)</p> <p>(2) Herbicides: Imazethapyr 10 SL (1 lit/ha) or Quizalofop ethyl 5 EC (1.00 lit/ha).</p>	
7.	<p>पत्ती खाने वाले कीटों से सुरक्षा हेतु फूल आने से पहले ही सोयाबीन फसल में क्लोरइंट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) का छिड़काव कर सकते हैं. इससे अगले 30 दिनों तक पर्णभक्षी कीटों से सुरक्षा मिलेगी.</p> <p>Farmers may spray their soybean crop with Chlorantraniliprole 18.5 SC. @ 150 ml/ha till 4-5 days before flower initiation stage. This helps in controlling defoliators for the next 30 days.</p>	
8.	<p>सोयाबीन फसल की प्रारंभिक स्थिति में तना मक्खी का प्रकोप प्रारंभ होने के सम्भावना होती हैं. अतः इसके नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) का छिड़काव करें.</p> <p>Attack of stem fly is generally reported during the initial crop growth period. Farmers are advised to control the same by spray of Thiamethoxam 12.60%+Lambda Cyhalothrin 09.50% ZC @125 ml/ha immediately after the symptoms are noticed.</p>	
9.	<p>लगभग एक माह की सोयाबीन फसल में पीला मोज़ेक रोग का प्रारंभ होने की सम्भावना होती है. अतः इस रोग के लक्षण दिखने पर नियंत्रण हेतु सलाह है कि तत्काल रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्खी की रोकथाम हेतु पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का छिड़काव करें. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है. यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगण अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>Initial infection of YMV disease has been reported in some areas. Therefore, farmers are advised to destroy the affected plants as well as spray with any of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This will also facilitate control of stem fly. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies, the vector of YMV.</p>	

10.	<p>फफूंदजनित रोग एन्थ्राकनोज के प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर नियंत्रण हेतु शीघ्रातिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1250 ग्राम/हे) से फसल पर छिड़काव करें.</p> <p>Initial infestation of anthracnose disease has been reported in some districts of Madhya Pradesh. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1250 g/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	 <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>
-----	---	--

ब. सामान्य सलाह / B.General advisory

1	<p>सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (खरपतवारनाशक/कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिड़काव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पाँवर स्प्रेयर से 120 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें.</p> <p>Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide/herbicide/fungicide (450 l/ha for knapsack sprayer OR 120 l/ha using power sprayer).</p>	
2	<p>कीटनाशक के छिड़काव हेतु कोन नोजल जबकि खरपतवारनाशक के छिड़काव हेतु फ्लड जेट/फ्लैट फेन नोजल का उपयोग करें.</p> <p>Farmers are advised to use cone nozzle for spray of insecticide while flood jet/flat fan nozzle during the spray of herbicide in standing soybean crop.</p>	
3	<p>ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें.</p> <p>Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.</p>	
4	<p>जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फसल को नुकसान हो सकता है.</p> <p>Farmers are suggested not to use any combination of insect/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.</p>	
5	<p>पीला मोजेक रोग से सुरक्षा हेतु रोगवाहक कीट सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly, a carrier for transmission of YMV disease.</p>	
6	<p>सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है .</p> <p>Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.</p>	
7	<p>सोयाबीन फसल में तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध कीट विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये.</p> <p>For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha).</p>	
8	<p>सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले किसान कृपया पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में रोकथाम हेतु <i>बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस</i> अथवा <i>ब्युवेरिया बेसिआना</i> या <i>नोमुरिया रिलेयी</i> (1.0ली./हेक्टे) का प्रयोग करें.</p> <p>In case of organic soybean production, farmers are advised to use <i>Bacillus thuringiensis</i> or <i>Beauveria bassiana</i> or <i>Nomuriya rileyi</i> @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar).</p>	

तालिका-1: सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूची

खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.	प्रभावकारिता
अ .बौवनी के 12-10 दिन बाद (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम	चौड़ी पत्ती वाले
	बेन्टाझोन 48 एस.एल.	2.00 ली.	दोनों प्रकार
ब .बौवनी के 20-15 दिन बाद (POE)	इमेझेथापायर 10 एस.एल. +सर्फेक्टेन्ट	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	इमेझेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्रा.	दोनों प्रकार
	क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.	घासवर्गीय
	क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.	घासवर्गीय
	फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 9.3 ई.सी.	1.11 ली.	घासवर्गीय
	क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.	घासवर्गीय
	फ्लूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.	घासवर्गीय
	हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.	घासवर्गीय
	प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	500-750 मि.ली.	घासवर्गीय
	क्लेथोडियम 25 ई.सी.	500 -700 मि.ली.	घासवर्गीय
स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (POE)	फ्लूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स	100 ग्रा.	दोनों प्रकार
	प्रोपाक्विजाफॉप+इमाझेथापायर	2.00 ली.	दोनों प्रकार
	सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाप प्रोपारगील	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	फोमेसाफेन+ क्विजालोफाप इथाईल	1.50 ली.	दोनों प्रकार
	क्विजालोफाप इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेक्टेन्ट	375 मिली+36 ग्रा.+0.2%	दोनों प्रकार
	फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप-इथाईल 10% EC	500 मि.ली.	दोनों प्रकार
	क्विजालोफाप-इथाईल 7.5% + इमेझेथापायर 15% w/w EC	500 मि.ली.	दोनों प्रकार

Table 1: List of post emergence herbicides recommended for soybean

Type of weedicide	Chemical Name	Quantity (per ha)	For control of
Post emergence (10-12 DAS)	Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant	36 g	Dicot weeds
	Bentazone 48 SL	2.0 l	Monocot+Dicot weeds
Post emergence (15-20 DAS)	Imazethapyr 10 SL+ Surfactant	1.00 l	Monocot+Dicot weeds
	Imazethapyr 10 SL	1.00 l	Monocot+Dicot weeds
	Imazethapyr 70% WG + Surfactant	100 g	Monocot+Dicot weeds
	Quizalofop-ethyl 5 EC	0.75-1.00 l	Monocot weeds
	Quizalofop-p-ethyl 10 EC	375-450 ml	Monocot weeds
	Fenoxaprop-p- ethyl 9.3 EC	1.11 l	Monocot weeds
	Quizalofop -p-tefuryl 4.41 EC	0.75-1.00 l	Monocot weeds
	Fluazifop-p-butyl 13.4% EC	1 -2 l	Monocot weeds
	Haloxypop R Methyl 10.5 EC	1-1.25 l	Monocot weeds
	Propaquizafop 10 EC	0.5-0.75 l	Monocot weeds
	Fluthiacet methyl 10.3 EC	125 ml	Dicot weeds
Clethodim 25 EC	0.5-0.75 l	Monocot weeds	

POE Pre-mix formulations (15-20 DAS)	Fluazifop-p-butyl + Fomesafen	1 l	Monocot+Dicot weeds
	Imazethapyr + Imazamox	100 g	
	Propaquizafop + Imazethapyr	2.0 l	
	Sodium Aceflurofen + ClodinafopPropargyl	1.0 l	
	Fomesafen + Quizalofop ethyl	1.5 l	
	Quizalofop Ethyl 10% EC + Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant (0.2) (Herbicide) (Twin pack)	375 ml+36g+0.2%	
	Fluthiacet methyl 2.5%+Quizalofop-ethyle 10%EC	500 ml	
	Quizalofop-ethyle 7.5%EC+Imazethapyr 15% w/w EC	500 ml	





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 22.07.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(22-28 जुलाई 2024 / 22nd-28th July 2024)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों में बोवनी की तिथियों में भिन्नता होने से इस समय सोयाबीन की 30-40 दिन की हैं। कुछ क्षेत्रों में वर्षा हो रही है जबकि कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा नहीं होने से फसल की बढ़वार अपेक्षाकृत नहीं हैं। जहा सबसे पहले बोवनी हुयी, इस सप्ताह फूल आने की अवस्था में होगी। ऐसी स्थिति में कीट/रोग/खरपतवार नियंत्रण के उपायों के साथ साथ अन्य सुरक्षात्मक उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही है।

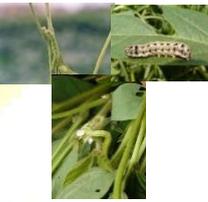
The soybean crop in different areas is of 30-40 days duration as per the variation in sowing dates. Few areas are still passing through dry spell. The crop is likely to reach flowering stage in some of the areas. Under such circumstances, farmers are advised to adopt following measures for management of weeds and insect-pest diseases along with other precautionary measures as given below.

1. सस्य क्रियाओं का प्रबंधन एवं फसल सर्वेक्षण के उपाय Agronomic Management and Crop Surveillance

1.	अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर 3-4 स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि हैं, तो कीड़ों की अवस्था क्या हैं? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनाये। Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals preferably at 3-4 locations in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.	
2.	सोयाबीन की फसल घनी होने पर चक्र भृंग का प्रकोप अधिक होने की सम्भावना होती है। इसके लिए प्रारंभिक अवस्था में ही (एक सप्ताह के अन्दर) दो रिंग दिखाई देने वाली ऐसी मुरझाई/लटकी हुई ग्रसित पत्तियों को तने से तोड़कर जला दे या खेत से बाहर करें। Densely populated soybean crop may leads to increased incidence of Girdle beetle. It is advised to pick/destroy the affected plant part (dried tripholiolate leaf having two rings on petiole) immediately after the symptoms are visible.	
3.	कीट एवं रोगों से फसल सुरक्षा हेतु उपयुक्त रसायनों का छिड़काव किया जाना चाहिए, भले ही सोयाबीन फसल फूल आने की अवस्था में हो। Protection of crop from the damage caused by insect-pest-disease is of paramount importance. The spray of insecticide/fungicide may be applied even at the flowering stage of the crop.	
4.	कृषकों को सलाह है कि जलभराव से होने वाले नुकसान से सोयाबीन फसल को बचाने हेतु अतिरिक्त जल-निकासी सुनिश्चित करें। Farmers are advised to make necessary draining arrangements.	

<p>5. सूखे की स्थिति में भूमि में दरारे पड़ने से पूर्व ही फसल की सिंचाई करें. इसके लिए स्प्रींकलर/ड्रिप/BBF/रिज फरो से बनी नालियों का उपयोग किया जा सकता है. कृषकगण अन्य उपाय जैसे भूसे/खरपतवारों की पलवार लगा कर नमी संरक्षण का काम कर सकते हैं. In case of drought, farmers are advised to apply critical irrigation with sprinkler/drips/flood irrigation using furrows created by use of BBF/Ridge Furrow seed drill. Farmers may also adopt measures like soil mulching with wheat straw to conserve available soil moisture.</p>	
--	---

2. प्रमुख कीटों के नियंत्रण हेतु सलाह Advice for control of Major insects

<p>1. तना मक्खी के नियंत्रण हेतु सलाह है कि लक्षण दिखाई देने पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक आइसोसायक्लोसरम 9.2 WW.DC (10% W/V) DC (600 मिली/हे.) या थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी. (333 मि.ली.) का छिड़काव करें. Farmers are advised to control the stem fly using spray of Isocycloserum 9.2WW.DC (10% W/V)DV @600 ml/ha OR Thiamethoxam12.60%+Lambda Cyhalothrin 09.50% ZC @125 ml/ha OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) immediately after the symptoms are noticed.</p>	
<p>2. जहाँ पर फसल 15-20 दिन की हो गई हो, पत्ती खाने वाले कीटों से सुरक्षा हेतु फूल आने से पहले ही सोयाबीन फसल में क्लोरान्त्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) का छिड़काव करें. इससे अगले 30 दिनों तक पर्णभक्षी कीटों से सुरक्षा मिलेगी. Wherever the crop is of 15-20 days duration, farmers are advised to spray the soybean crop with Chlorantraniliprole 18.5 SC. @ 150 ml/ha till 4-5 days before flower initiation. This will control defoliators for the next 30 days.</p>	
<p>3. चक्र भृंग के लक्षण दिखाई देने पर प्रारंभिक अवस्था में ही इसके नियंत्रण हेतु आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्र./हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. (750मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी (1 ली./हे) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी 18.50 % SC (150 मिली/हे) का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें. For control of girdle beetle alone, farmers are advised for destruction of affected plant/part as well as spraying with Isoocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Thiacloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC (150 ml/ha) soon after the symptoms are observed.</p>	 <p>Damage Symptoms of Girdle Beetle</p>
<p>4. पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मक्खी/जसीड एवं तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. या थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) का छिड़काव करें. In such areas where having infestation of defoliators as well white fly and stem borers simultaneously, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha) OR Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha).</p>	

5.	<p>बिहार हेयरी कैटरपिलर का प्रकोप होने पर झुण्ड में रहने वाली इन इल्लियो को प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे सहित खेत से निष्कासित करें एवं फसल पर लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 04.90 % CS (300 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) छिड़काव करें.</p> <p>Attack of Bihar hairy caterpillar has been reported in some part of Madhya Pradesh and Rajasthan. Farmers are advised to remove the affected plant and apply spray of Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha).</p>	
----	--	---

3. रोग प्रबंधन हेतु सलाह Advice for Management of Diseases

1.	<p>पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोग के लक्षण दिखने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्ख/एफिड की रोकथाम हेतु एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This will also facilitate control of stem fly. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies/jassids, the vectors of YMV/SMV respectively.</p>	
2.	<p>लगातार बारिश होने वाले क्षेत्रों में एन्थ्राकनोज रोग की सम्भावना अधिक होती है. अतः इसके प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर कृषकों को सलाह है कि इसके नियंत्रण हेतु शीघ्रातिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिड़काव करें.</p> <p>In case of continued rains, infection of anthracnose disease is likely to occur. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	 <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>
3.	<p>रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) फफूंदनाशकों का अपने फसल पर छिड़काव करें.</p> <p>Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.</p>	

4. खरपतवार प्रबंधन हेतु सलाह Advice for Weed Management

1.	<p>सोयाबीन फसल को 50-60 दिन तक खरपतवार मुक्त रखना आवश्यक होता है. इसके लिए सुविधानुसार विभिन्न पद्धतियों (हाथ से निंदाई, डोरा/कुल्पा का प्रयोग/खड़ी फसल में उपयोगी खरपतवारनाशकों (तालिका 1) का प्रयोग किया जा सकता है. इसके लिए दो बार हाथ से निंदाई (20 एवं 40 दिन की फसल में) या सुविधानुसार 25 दिन तक डोरा/कुल्पा या अनुशंसित खरपतवारनाशकों का छिड़काव करें. लगातार बारिश होने की स्थिति में अगर खेत में डोरा/कुल्पा/ट्रैक्टर चालित डोरा या बूम स्प्रे का प्रयोग संभव नहीं हो, जेट ट्रैक्टर को मेड/सड़क पर खड़ा कर इससे जुड़े लम्बे पाइप वाले जेछिड़काव किया जा सकता है.</p>	
	<p>Soybean crop needs to keep weed free during 50-60 days . This can be done by 2 manual weeding at 20 and 40 days after sowing OR use of bullock/tractor drawn dora/kulpa (preferably before 25 days) OR spray of recommended herbicides. IF the use of</p>	

	dora/kulpa/tractor drawn boom spray is not possible because of continuous rain, tractor mounted jet sprayer having long pipe can be used keeping the tractor on at one place. The list of recommended post-emergence herbicides is given in Table 1.	
2.	ऐसे कृषक जिन्होंने अपनी फसल में बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का प्रयोग किया है, सलाह है कि खरपतवारों के नियंत्रण हेतु सुविधाजनक मौसम होने पर डोरा/कुलपा चलायें। Farmers who have already used either Pre=Plant Incorporation (PPI) herbicides or Pre-emergence (PE) herbicides, are advised to go for inter-cultivation using dora/kulpa as per the favorable condition for the control of weeds.	
3.	जहां फसल 15-20 दिन की हो गई है, और अभी तक किसी भी प्रकार के खरपतवारनाशक का प्रयोग नहीं किया है, सलाह है कि सोयाबीन फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए अनुशंसित खड़ी फसल में उपयोगी किसी एक रासायनिक खरपतवारनाशक का छिड़काव करें (तालिका 1 देखें)। Wherever the crop is of 15-20 days' duration, the farmers who have not yet used any of the herbicides so far, are suggested to apply spray of any one post-emergence herbicide recommended for soybean (Table 1).	
4.	भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा खरपतवारनाशकों एवं कीटनाशकों की सांगतता बाबत अभी तक किये गए अनुसन्धान परीक्षणों के अनुसार निम्न खरपतवारनाशक एवं कीटनाशकों की सांगतता पाई गई है। अतः सलाह है कि जिन्होंने बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का अभी तक प्रयोग नहीं किया है, निम्न सूचि में से कोई एक कीटनाशक एवं खरपतवार नाशक का मिलाकर छिड़काव किया जा सकता है। (1) कीटनाशक: क्लोरइंट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) या क्विनाल्फोस 25 ई.सी (1 ली/हे) या इन्डोक्साकैब 15.8 एस.सी (333 मि.ली./हे) (2) खरपतवारनाशक: इमाज़ेथापायर 10 एस.एल (1 ली/हे) या क्विज़ालोफोप इथाइल 5 ई.सी (1 ली/हे) As per the results of the trials conducted on compatibility of insecticides and herbicides at ICAR-IISR, the combined use following insecticides and herbicides are found compatible. Farmers who did not apply PPI or PE herbicide are suggested to use combination of either one among the following insecticide and herbicides at this stage. (1) Insecticides: Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) or Quinalphos 25 EC (1 l/ha) or Indoxacarb 15.8 EC (333 ml/ha) (2) Herbicides: Imazethapyr 10 SL (1 lit/ha) or Quizalofop ethyl 5 EC (1.00 lit/ha).	

5. सामान्य सलाह / B.General advisory

क्या करें? What to do?		
1	सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (खरपतवारनाशक/कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिड़काव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर या ट्रेक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पावर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें। Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/ tractor drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).	
2	कीटनाशक के छिड़काव हेतु कोन नोजल जबकि खरपतवारनाशक के छिड़काव हेतु फ्लड जेट/फ्लैट फेन नोजल का उपयोग करें। Farmers are advised to use cone nozzle for spray of insecticide while flood jet/flat fan nozzle during the spray of herbicide in standing soybean crop.	
3	किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो। While purchasing any Agri-input, always obtain a <i>pucca bill</i> from the shopkeeper showing batch number and expiry date of the product(s).	
क्या नहीं करें? What not to do?		
1	ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें। Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.	
2	जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें। इससे फसल को नुकसान हो सकता है। Farmers are suggested not to use any combination of insect/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.	

अन्य सुरक्षात्मक उपाय अपनाये Preventive Measures		
1	पीला मोज़ेक रोग से सुरक्षा हेतु रोगवाहक कीट सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly, a carrier for transmission of YMV disease.	
2	सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है . Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.	
3	सोयाबीन फसल में तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध कीट विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये. For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects.	
4	सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले किसान कृपया पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में रोकथाम हेतु बेसिलस थुरिंग्जिएन्सिस अथवा ब्युवेरिया बेसिआना या नोमुरिया रिलेयी (1.0 ली./हेक्टे) का प्रयोग करें. In case of organic soybean production, farmers are advised to use <i>Bacillus thuringiensis</i> or <i>Beauveria bassiana</i> or <i>Nomuriya rileyi</i> @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar).	

तालिका-1: सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूची

खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.	प्रभावकारिता
अ .बौवनी के 12-10 दिन बाद (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम	चौड़ी पत्ती वाले
	बेन्टाझोन 48 एस.एल.	2.00 ली.	दोनों प्रकार
ब .बौवनी के 20-15 दिन बाद (POE)	इमेझेथापायर 10 एस.एल. +सर्फेक्टेन्ट	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	इमेझेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्रा.	दोनों प्रकार
	क्रिजालोफाफ इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.	घासवर्गीय
	क्रिजालोफाफ-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.	घासवर्गीय
	फेनाक्सीफाफ-पी- इथाईल 9.3 ई.सी.	1.11 ली.	घासवर्गीय
	क्रिजालोफाफ-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.	घासवर्गीय
	फ्ल्यूआजीफॉफ-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.	घासवर्गीय
	हेलाक्सिफॉफ आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.	घासवर्गीय
	प्रोपाक्रिजाफॉफ 10 ई.सी.	500-750 मि.ली.	घासवर्गीय
	क्लेथोडियम 25 ई.सी.	500 -700 मि.ली.	घासवर्गीय
स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (POE)	फ्लूआजिआफॉफ-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स	100 ग्रा.	दोनों प्रकार
	प्रोपाक्रिजाफॉफ+इमाझेथापायर	2.00 ली.	दोनों प्रकार
	सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाफ प्रोपारगील	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	फोमेसाफेन+ क्रिजालोफाफ इथाईल	1.50 ली.	दोनों प्रकार
	क्रिजालोफाफ इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेक्टेन्ट	375 मिली+36 ग्रा.+0.2%	दोनों प्रकार

	फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप-इथाईल 10% EC	500 मि.ली.	दोनों प्रकार
	क्विजालोफाप-इथाईल 7.5% + इमेथेथापायर 15% w/w EC	500 मि.ली.	दोनों प्रकार

Table 1: List of post emergence herbicides recommended for soybean

Type of weedicide	Chemical Name	Quantity (per ha)	For control of
Post emergence (10-12 DAS)	Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant	36 g	Dicot weeds
	Bentazone 48 SL	2.0 l	Monocot+Dicot weeds
Post emergence (15-20 DAS)	Imazethapyr 10 SL+ Surfactant	1.00 l	Monocot+Dicot weeds
	Imazethapyr 10 SL	1.00 l	Monocot+Dicot weeds
	Imazethapyr 70% WG + Surfactant	100 g	Monocot+Dicot weeds
	Quizalofop-ethyl 5 EC	0.75-1.00 l	Monocot weeds
	Quizalofop-p-ethyl 10 EC	375-450 ml	Monocot weeds
	Fenoxaprop-p-ethyl 9.3 EC	1.11 l	Monocot weeds
	Quizalofop -p-tefuryl 4.41 EC	0.75-1.00 l	Monocot weeds
	Fluazifop-p-butyl 13.4% EC	1 -2 l	Monocot weeds
	Haloxypop R Methyl 10.5 EC	1-1.25 l	Monocot weeds
	Propaquizafop 10 EC	0.5-0.75 l	Monocot weeds
	Fluthiacet methyl 10.3 EC	125 ml	Dicot weeds
	Clethodim 25 EC	0.5-0.75 l	Monocot weeds
POE Pre-mix formulations (15-20 DAS)	Fluazifop-p-butyl + Fomesafen	1 l	Monocot+Dicot weeds
	Imazethapyr + Imazamox	100 g	
	Propaquizafop + Imazethapyr	2.0 l	
	Sodium Aceflurofen + Clodinafop Propargyl	1.0 l	
	Fomesafen + Quizalofop ethyl	1.5 l	
	Quizalofop Ethyl 10% EC + Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant (0.2) (Herbicide) (Twin pack)	375 ml+36g+0.2%	
	Fluthiacet methyl 2.5%+Quizalofop-ethyle 10%EC	500 ml	
	Quizalofop-ethyle 7.5%EC+Imazethapyr 15% w/w EC	500 ml	

<p>सोया कृषकों के लिए</p> <h1>साप्ताहिक सुझाव</h1> <p>(15-21) जुलाई 2024</p> <p>भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर, (म. प्र.)</p>	
 	 



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 22.07.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(22-28 जुलाई 2024 / 22nd-28th July 2024)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों में बोवनी की तिथियों में भिन्नता होने से इस समय सोयाबीन की 30-40 दिन की हैं। कुछ क्षेत्रों में वर्षा हो रही है जबकि कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा नहीं होने से फसल की बढ़वार अपेक्षाकृत नहीं हैं। जहा सबसे पहले बोवनी हुयी, इस सप्ताह फूल आने की अवस्था में होगी। ऐसी स्थिति में कीट/रोग/खरपतवार नियंत्रण के उपायों के साथ साथ अन्य सुरक्षात्मक उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही हैं।

The soybean crop in different areas is of 30-40 days duration as per the variation in sowing dates. Few areas are still passing through dry spell. The crop is likely to reach flowering stage in some of the areas. Under such circumstances, farmers are advised to adopt following measures for management of weeds and insect-pest diseases along with other precautionary measures as given below.

6. सस्य क्रियाओं का प्रबंधन एवं फसल सर्वेक्षण के उपाय Agronomic Management and Crop Surveillance

1.	अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर 3-4 स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि हैं, तो कीड़ों की अवस्था क्या हैं? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनाये। Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals preferably at 3-4 locations in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.	
2.	सोयाबीन की फसल घनी होने पर चक्र भृंग का प्रकोप अधिक होने की सम्भावना होती हैं। इसके लिए प्रारंभिक अवस्था में ही (एक सप्ताह के अन्दर) दो रिंग दिखाई देने वाली ऐसी मुरझाई/लटकी हुई ग्रसित पत्तियों को तने से तोड़कर जला दे या खेत से बाहर करें। Densely populated soybean crop may leads to increased incidence of Girdle beetle. It is advised to pick/destroy the affected plant part (dried tripholiolate leaf having two rings on petiole) immediately after the symptoms are visible.	
3.	कीट एवं रोगों से फसल सुरक्षा हेतु उपयुक्त रसायनों का छिड़काव किया जाना चाहिए, भले ही सोयाबीन फसल फूल आने की अवस्था में हो। Protection of crop from the damage caused by insect-pest-disease is of paramount importance. The spray of insecticide/fungicide may be applied even at the flowering stage of the crop.	
4.	कृषकों को सलाह हैं कि जलभराव से होने वाले नुकसान से सोयाबीन फसल को बचाने हेतु अतिरिक्त जल-निकासी सुनिश्चित करें। Farmers are advised to make necessary draining arrangements.	

5.	<p>सूखे की स्थिति में भूमि में दरारे पड़ने से पूर्व ही फसल की सिंचाई करें. इसके लिए स्प्रींकलर/ड्रिप/BBF/रिज फरो से बनी नालियों का उपयोग किया जा सकता है. कृषकगण अन्य उपाय जैसे भूसे/खरपतवारों की पलवार लगा कर नमी संरक्षण का काम कर सकते हैं.</p> <p>In case of drought, farmers are advised to apply critical irrigation with sprinkler/drips/flood irrigation using furrows created by use of BBF/Ridge Furrow seed drill. Farmers may also adopt measures like soil mulching with wheat straw to conserve available soil moisture.</p>	
----	--	---

7. प्रमुख कीटों के नियंत्रण हेतु सलाह Advice for control of Major insects

1.	<p>तना मक्खी के नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि लक्षण दिखाई देने पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक आइसोसायक्लोसरम 9.2 WW.DC (10% W/V) DC (600 मिली/हे.) या थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी. (333 मि.ली.) का छिड़काव करें.</p> <p>Farmers are advised to control the stem fly using spray of Isocycloserum 9.2WW.DC (10% W/V)DV @600 ml/ha OR Thiamethoxam12.60%+Lambda Cyhalothrin 09.50% ZC @125 ml/ha OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) immediately after the symptoms are noticed.</p>	
2.	<p>जहाँ पर फसल 15-20 दिन की हो गई हो, पत्ती खाने वाले कीटों से सुरक्षा हेतु फूल आने से पहले ही सोयाबीन फसल में क्लोरान्त्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) का छिड़काव करें. इससे अगले 30 दिनों तक पर्णभक्षी कीटों से सुरक्षा मिलेगी.</p> <p>Wherever the crop is of 15-20 days duration, farmers are advised to spray the soybean crop with Chlorantraniliprole 18.5 SC. @ 150 ml/ha till 4-5 days before flower initiation. This will control defoliators for the next 30 days.</p>	
3.	<p>चक्र भृंग के लक्षण दिखाई देने पर प्रारंभिक अवस्था में ही इसके नियंत्रण हेतु आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्र./हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. (750मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी (1 ली./हे) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी 18.50 % SC (150 मिली/हे) का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें.</p> <p>For control of girdle beetle alone, farmers are advised for destruction of affected plant/part as well as spraying with Isocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Thiacycloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC (150 ml/ha) soon after the symptoms are observed.</p>	 <p>Damage Symptoms of Girdle Beetle</p>
4.	<p>पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मक्खी/जसीड एवं तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. या थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) का छिड़काव करें.</p> <p>In such areas where having infestation of defoliators as well white fly and stem borers simultaneously, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha) OR Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha).</p>	

5.	<p>बिहार हेयरी कैटरपिलर का प्रकोप होने पर झुण्ड में रहने वाली इन इल्लियो को प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे सहित खेत से निष्कासित करें एवं फसल पर लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 04.90 % CS (300 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) छिड़काव करें.</p> <p>Attack of Bihar hairy caterpillar has been reported in some part of Madhya Pradesh and Rajasthan. Farmers are advised to remove the affected plant and apply spray of Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha).</p>	
----	--	---

8. रोग प्रबंधन हेतु सलाह Advice for Management of Diseases

1.	<p>पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोग के लक्षण दिखने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्ख/एफिड की रोकथाम हेतु एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This will also facilitate control of stem fly. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies/jassids, the vectors of YMV/SMV respectively.</p>	
2.	<p>लगातार बारिश होने वाले क्षेत्रों में एन्थ्राकनोज रोग की सम्भावना अधिक होती है. अतः इसके प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर कृषकों को सलाह है कि इसके नियंत्रण हेतु शीघ्रातिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिड़काव करें.</p> <p>In case of continued rains, infection of anthracnose disease is likely to occur. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	 <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>
3.	<p>रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) फफूंदनाशकों का अपने फसल पर छिड़काव करें.</p> <p>Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.</p>	

9. खरपतवार प्रबंधन हेतु सलाह Advice for Weed Management

1.	<p>सोयाबीन फसल को 50-60 दिन तक खरपतवार मुक्त रखना आवश्यक होता है. इसके लिए सुविधानुसार विभिन्न पद्धतियों (हाथ से निर्दाई, डोरा/कुल्पा का प्रयोग/खड़ी फसल में उपयोगी खरपतवारनाशकों (तालिका 1) का प्रयोग किया जा सकता है. इसके लिए दो बार हाथ से निर्दाई (20 एवं 40 दिन की फसल में) या सुविधानुसार 25 दिन तक डोरा/कुल्पा या अनुशंसित खरपतवारनाशकों का छिड़काव करें. लगातार बारिश होने की स्थिति में अगर खेत में डोरा/कुल्पा/ट्रेक्टर चालित डोरा या बूम स्प्रे का प्रयोग संभव नहीं हो, जेट ट्रेक्टर को मेड/सडक पर खड़ा कर इससे जुड़े लम्बे पाइप वाले जेछिड़काव किया जा सकता है.</p>	
	<p>Soybean crop needs to keep weed free during 50-60 days . This can be done by 2 manual weeding at 20 and 40 days after sowing OR use of bullock/tractor drawn dora/kulpa (preferably before 25 days) OR spray of recommended herbicides. IF the use of</p>	

	dora/kulpa/tractor drawn boom spray is not possible because of continuous rain, tractor mounted jet sprayer having long pipe can be used keeping the tractor on at one place. The list of recommended post-emergence herbicides is given in Table 1.	
2.	ऐसे कृषक जिन्होंने अपनी फसल में बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का प्रयोग किया है, सलाह है कि खरपतवारों के नियंत्रण हेतु सुविधाजनक मौसम होने पर डोरा/कुलपा चलायें। Farmers who have already used either Pre-Plant Incorporation (PPI) herbicides or Pre-emergence (PE) herbicides, are advised to go for inter-cultivation using dora/kulpa as per the favorable condition for the control of weeds.	
3.	जहां फसल 15-20 दिन की हो गई है, और अभी तक किसी भी प्रकार के खरपतवारनाशक का प्रयोग नहीं किया है, सलाह है कि सोयाबीन फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए अनुशंसित खड़ी फसल में उपयोगी किसी एक रासायनिक खरपतवारनाशक का छिड़काव करें (तालिका 1 देखें)। Wherever the crop is of 15-20 days' duration, the farmers who have not yet used any of the herbicides so far, are suggested to apply spray of any one post-emergence herbicide recommended for soybean (Table 1).	
4.	भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा खरपतवारनाशकों एवं कीटनाशकों की सांगतता बाबत अभी तक किये गए अनुसन्धान परीक्षणों के अनुसार निम्न खरपतवारनाशक एवं कीटनाशकों की सांगतता पाई गई है। अतः सलाह है कि जिन्होंने बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का अभी तक प्रयोग नहीं किया है, निम्न सूचि में से कोई एक कीटनाशक एवं खरपतवार नाशक का मिलाकर छिड़काव किया जा सकता है। (1)कीटनाशक: क्लोरइंट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) या क्विनाल्फोस 25 ई.सी (1 ली/हे) या इन्डोक्साकैब 15.8 एस.सी (333 मि.ली./हे) (2) खरपतवारनाशक: इमाज़ेथापायर 10 एस.एल (1 ली/हे) या क्विज़ालोफोप इथाइल 5 ई.सी (1 ली/हे) As per the results of the trials conducted on compatibility of insecticides and herbicides at ICAR-IISR, the combined use following insecticides and herbicides are found compatible. Farmers who did not apply PPI or PE herbicide are suggested to use combination of either one among the following insecticide and herbicides at this stage. (1) Insecticides: Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) or Quinalphos 25 EC (1 l/ha) or Indoxacarb 15.8 EC (333 ml/ha) (2) Herbicides: Imazethapyr 10 SL (1 lit/ha) or Quizalofop ethyl 5 EC (1.00 lit/ha).	

सामान्य सलाह / B.General advisory

क्या करें? What to do?		
1	सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (खरपतवारनाशक/कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिड़काव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर या ट्रेक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पावर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें। Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/ tractor drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).	
2	कीटनाशक के छिड़काव हेतु कोन नोजल जबकि खरपतवारनाशक के छिड़काव हेतु फ्लड जेट/फ्लैट फेन नोजल का उपयोग करें। Farmers are advised to use cone nozzle for spray of insecticide while flood jet/flat fan nozzle during the spray of herbicide in standing soybean crop.	
3	किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो। While purchasing any Agri-input, always obtain a pucca bill from the shopkeeper showing batch number and expiry date of the product(s).	
क्या नहीं करें? What not to do?		
1	ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें। Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.	
2	जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें। इससे फसल को नुकसान हो सकता है। Farmers are suggested not to use any combination of insect/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.	

अन्य सुरक्षात्मक उपाय अपनाये Preventive Measures		
1	पीला मोज़ेक रोग से सुरक्षा हेतु रोगवाहक कीट सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly, a carrier for transmission of YMV disease.	
2	सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है . Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.	
3	सोयाबीन फसल में तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध कीट विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये. For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects.	
4	सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले किसान कृपया पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में रोकथाम हेतु बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस अथवा ब्युवेरिया बेसिआना या नोमुरिया रिलेयी (1.0 ली./हेक्टे) का प्रयोग करें. In case of organic soybean production, farmers are advised to use <i>Bacillus thuringiensis</i> or <i>Beauveria bassiana</i> or <i>Nomuriya rileyi</i> @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar).	

तालिका-1: सोयाबीन की फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूची

खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.	प्रभावकारिता
अ .बौवनी के 12-10 दिन बाद (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेकटेन्ट	36 ग्राम	चौड़ी पत्ती वाले
	बेन्टाझोन 48 एस.एल.	2.00 ली.	दोनों प्रकार
ब .बौवनी के 20-15 दिन बाद (POE)	इमेझेथापायर 10 एस.एल. +सर्फेकटेन्ट	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	इमेझेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेकटेन्ट	100 ग्रा.	दोनों प्रकार
	क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.	घासवर्गीय
	क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.	घासवर्गीय
	फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 9.3 ई.सी.	1.11 ली.	घासवर्गीय
	क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.	घासवर्गीय
	फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.	घासवर्गीय
	हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.	घासवर्गीय
	प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	500-750 मि.ली.	घासवर्गीय
	क्लेथोडियम 25 ई.सी.	500 -700 मि.ली.	घासवर्गीय
स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (POE)	फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स	100 ग्रा.	दोनों प्रकार
	प्रोपाक्विजाफॉप+इमाझेथापायर	2.00 ली.	दोनों प्रकार
	सोडियम एसीफ्लोरफेन+क्लोडिनाफाप प्रोपारगील	1.00 ली.	दोनों प्रकार
	फोमेसाफेन+ क्विजालोफाप इथाईल	1.50 ली.	दोनों प्रकार
	क्विजालोफाप इथाईल + क्लोरीम्यूरान इथाईल+ सर्फेकटेन्ट	375 मिली+36 ग्रा.+0.2%	दोनों प्रकार
	फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.	चौड़ी पत्ती वाले

	फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप-इथाईल 10% EC	500 मि.ली.	दोनों प्रकार
	क्विजालोफाप-इथाईल 7.5% + इमेथेथापायर 15% w/w EC	500 मि.ली.	दोनों प्रकार

Table 1: List of post emergence herbicides recommended for soybean

Type of weedicide	Chemical Name	Quantity (per ha)	For control of
Post emergence (10-12 DAS)	Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant	36 g	Dicot weeds
	Bentazone 48 SL	2.0 l	Monocot+Dicot weeds
Post emergence (15-20 DAS)	Imazethapyr 10 SL+ Surfactant	1.00 l	Monocot+Dicot weeds
	Imazethapyr 10 SL	1.00 l	Monocot+Dicot weeds
	Imazethapyr 70% WG + Surfactant	100 g	Monocot+Dicot weeds
	Quizalofop-ethyl 5 EC	0.75-1.00 l	Monocot weeds
	Quizalofop-p-ethyl 10 EC	375-450 ml	Monocot weeds
	Fenoxaprop-p-ethyl 9.3 EC	1.11 l	Monocot weeds
	Quizalofop -p-tefuryl 4.41 EC	0.75-1.00 l	Monocot weeds
	Fluazifop-p-butyl 13.4% EC	1 -2 l	Monocot weeds
	Haloxypop R Methyl 10.5 EC	1-1.25 l	Monocot weeds
	Propaquizafop 10 EC	0.5-0.75 l	Monocot weeds
	Fluthiacet methyl 10.3 EC	125 ml	Dicot weeds
	Clethodim 25 EC	0.5-0.75 l	Monocot weeds
POE Pre-mix formulations (15-20 DAS)	Fluazifop-p-butyl + Fomesafen	1 l	Monocot+Dicot weeds
	Imazethapyr + Imazamox	100 g	
	Propaquizafop + Imazethapyr	2.0 l	
	Sodium Aceflurofen + Clodinafop Propargyl	1.0 l	
	Fomesafen + Quizalofop ethyl	1.5 l	
	Quizalofop Ethyl 10% EC + Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant (0.2) (Herbicide) (Twin pack)	375 ml+36g+0.2%	
	Fluthiacet methyl 2.5%+Quizalofop-ethyle 10%EC	500 ml	
	Quizalofop-ethyle 7.5%EC+Imazethapyr 15% w/w EC	500 ml	

	 <p>पक्षियों की बैटक व्यव एवं फरोमन ट्रैप</p>
 <p>सुआ ट्रैप क्रॉप</p>	<p>मशीन द्वारा डोरा चलाना</p> 



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 29.07.2024



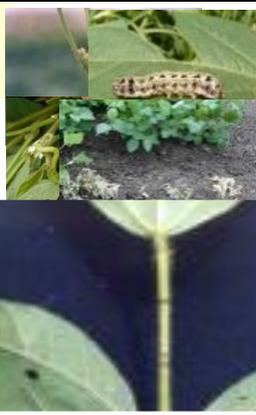
सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(29 जुलाई-4 अगस्त, 2024 / 29th July-4th August 2024)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले कई क्षेत्रों में विगत सप्ताह लगातार बारिश होने की सूचना प्राप्त हुई है। मध्य प्रदेश के कुछ जिलों (रतलाम, उज्जैन) में विगत सप्ताह से चने की इल्ली का प्रकोप देखा जा रहा है। इस परिपेक्ष में सोयाबीन फसल पर प्रकोप करने वाले संभावित कीटों के नियंत्रण हेतु केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा हाल ही में अनुशंसित सोयाबीन फसल पर अनुशंसित कीटनाशकों की सूची में शामिल किसी एक कीटनाशक का छिड़काव करें।

Soybean growing areas are experiencing continuous rains/drizzling since last week. Certain districts of Madhya Pradesh (Ratlam, Ujjain) has also reported infestation of *Heliothis armigera* (Gram Pod Borer) in soybean. Therefore, considering the prevailing weather condition, soy farmers are advised to adopt following control/precautionary measures for management of insect/diseases using the insecticide as mentioned in the list of recommended insecticides issued by the Central Insecticide Board, GOI .

<p>1.</p>	<p>चने की इल्ली के नियंत्रण हेतु फसल पर इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) का छिड़काव करें. इसके लिये वैकल्पिक कीटनाशक हैं, इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस .सी.(875-825 मि.ली./हे).</p> <p>Attack of <i>Heliothis armigera</i> (Gram Pod Borer) has been reported in some part of Madhya Pradesh. Farmers are advised to apply spray of Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha). Farmers may also apply the spray of any one of the following insecticides like Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha).</p>	 
<p>2.</p>	<p>यदि आपकी फसल में बिहार हेयरी कैटरपिलर का प्रकोप है, इसके नियंत्रण हेतु फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p> <p>For control of Bihar Hairy Caterpillar, farmers are advised to apply spray of Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha).</p>	

<p>3.</p>	<p>चक्र भृंग के लक्षण दिखाई देने पर प्रारंभिक अवस्था में ही इसके नियंत्रण हेतु थायक्लोप्रिड 21.7एस.सी. (750मिली/हे) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425मिली /हे) या आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 मिली/हे) या कार्टाप हाइड्रो क्लोराइड 04%+ फिप्रोनिल CG % 00.50 (200 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी (1 ली./हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी 18.50 % SC (150 मिली/हे) का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें.</p> <p>For control of Girdle beetle, farmers are advised for destruction of affected plant/part as well as spraying with Thiachloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Isocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 ml/ha) OR Cartap Hydrochloride 04 % + Fipronil 00.50 % CG (200 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC (150 ml/ha) soon after the symptoms are observed.</p>	 <p>Damage Symptoms of Girdle Beetle</p>
<p>4.</p>	<p>यदि आपकी फसल में तना मक्खी का प्रकोप है, इसके नियंत्रण हेतु थायोमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें.</p> <p>For control of Stem Fly, farmers are advised to apply spray of Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC (125 ml/ha) OR Beta-cyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) .</p>	
<p>5.</p>	<p>सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150मि.ली./हे) या इमामेक्टीन बेन्जोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे) , या लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी. एस. (300 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50ई.सी.(1 ली/हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या पूर्वमिश्रित बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
<p>For the control of Semilooper, farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Profenofos 50 % EC (1 l/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR pre-mixed Beta-cyfluthrin 08.49 % + Imidacloprid 19.81 % w/w OD (350 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha) OR Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC (125 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).</p>		

<p>6. तम्बाकू की इल्ली में के नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्र./हे) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
<p>For the control of Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	
<p>7. आपकी फसल में सेमीलूपर या चने की इल्ली या तम्बाकू की इल्ली में से कोई एक या एक साथ तीनों पाए जाने पर नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35 एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p> <p>For the control of Green Semilooer, Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	
<p>8. पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मक्खी/जसीड एवं तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्र./हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (200 मिली./हे.) का छिड़काव करें.</p> <p>In areas having infestation of defoliators as well white fly and stem borers simultaneously, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha).OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).</p>	

9.	<p>पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोग के लक्षण दिखने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्ख/एफिड की रोकथाम हेतु एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p>	
<p>For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This will also facilitate control of stem fly. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies/jassids, the vectors of YMV/SMV respectively.</p>		
10.	<p>लगातार बारिश होने वाले क्षेत्रों में एन्थ्राकनोज रोग की सम्भावना अधिक होती है. अतः इसके प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर कृषकों को सलाह है कि इसके नियंत्रण हेतु शीघ्रातिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिड़काव करें.</p>	 <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>
<p>In case of continued rains, infection of anthracnose disease is likely to occur. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>		
11.	<p>रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) फफूंदनाशकों का अपने फसल पर छिड़काव करें. Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.</p>	

सामान्य सलाह / B.General advisory

1	<p>कृषकों को सलाह है कि जलभराव से होने वाले नुकसान से सोयाबीन फसल को बचाने हेतु अतिरिक्त जल-निकासी सुनिश्चित करें. Farmers are advised to make necessary draining arrangements.</p>	
2.	<p>पीला मोज़ेक रोग से सुरक्षा हेतु रोगवाहक कीट सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly, a carrier for transmission of YMV disease.</p>	
3	<p>सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है . Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.</p>	

4	<p>सोयाबीन फसल में तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध कीट विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये.</p> <p>For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects.</p>	
5	<p>अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर 3-4 स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि हैं, तो कीड़ों की अवस्था क्या है? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनाये.</p> <p>Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals preferably at 3-4 locations in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.</p>	
6	<p>सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिड़काव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर से 450 लीटर/हे या ट्रेक्टर चालित पॉवर स्प्रेयर से 125-150 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें.</p> <p>Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack OR 125-150 l/ha for tractor-drawn sprayer power sprayer).</p>	
7.	<p>कीट एवं रोगों से फसल सुरक्षा हेतु उपयुक्त रसायनों का छिड़काव किया जाना चाहिए, भले ही सोयाबीन फसल फुल आने की अवस्था में हो.</p> <p>Protection of crop from the damage caused by insect-pest-disease is of paramount importance. The spray of insecticide/fungicide may be applied even at the flowering stage of the crop.</p>	
8	<p>ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूची में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें.</p> <p>Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.</p>	
9.	<p>किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो .</p> <p>While purchasing any Agri-input, always obtain a <i>pucca bill</i> from the shopkeeper showing the batch number and expiry date of the product(s).</p>	
10	<p>जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फसल को नुकसान हो सकता है.</p> <p>Farmers are suggested not to use any combination of insecticides/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.</p>	
11	<p>सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले किसान कृपया पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में रोकथाम हेतु बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस अथवा ब्युवेरिया बेसिआना या नोमुरिया रिलेयी (1.0 ली/हेक्टे) का प्रयोग करें.</p> <p>In case of organic soybean production, farmers are advised to use <i>Bacillus thuringiensis</i> or <i>Beauveria bassiana</i> or <i>Nomuriya rileyi</i> @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar).</p>	

	 <p style="text-align: right;">एन्थ्राकनोज</p>
---	---



येलो मोजेक वायरस



एंथ्रेकनोज़



चारकोल रॉट



ड्रोन द्वारा फफूंदनाशक का स्प्रे



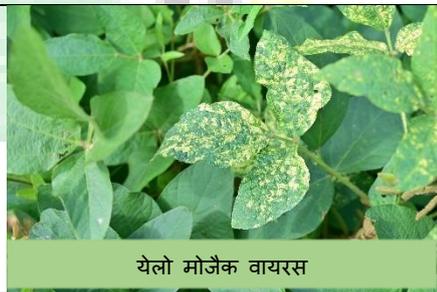
पक्षियों की बैटक व्यव एवं फरोमन ट्रेप



रोगिंग



सफ़ेद मक्खी



येलो मोजेक वायरस



अन्य किस्मों के पौधों का निष्कासन





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 05.08.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(5-11 अगस्त, 2024 / 5th-11th August 2024)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों की फसल वर्तमान में फूल आने की अवस्था में है तथा विगत दो सप्ताह से लगातार बारिश की स्थिति से गुजर रही हैं. अधिकतर क्षेत्रों में चक्र भृंग एवं विषाणु जनित पीला मोज़ेक वायरस रोग प्रारंभिक अवस्था में देखा जा रहा है. साथ ही अन्य कीट जैसे चने की इल्ली एवं सफ़ेद मक्खी जैसे रोग वाहक कीट तथा एन्थ्राकनोज जैसे रोगों की प्रारंभिक अवस्था देखी जा रही हैं. इस परिपेक्ष में सोयाबीन फसल पर प्रकोप करने वाले संभावित कीटों एवं रोगों के नियंत्रण हेतु केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा हाल ही में अनुशंसित कीटनाशक/रसायनों के छिड़काव कर नियंत्रण किया जा सकता है.

Soybean crop in most of the areas is presently at flowering initiation stage and is experiencing continuous rains/drizzling since last two week. Among the biotic factors, Girdle Beetle, a major insect of soybean and diseases like Yellow Mosaic Virus and Anthracnose have been reportedly seen at their initial stage along with infestation of Gram Pod Borer (*Heliothis armigera*) and White Fly in soybean. Therefore, considering the prevailing weather condition, soy farmers are advised to adopt following control/precautionary measures for management of insect/diseases using the insecticide recommended insecticides issued by the Central Insecticide Board, GOI.

अ. महत्वपूर्ण सम-सामायिक सलाह

1.	<p>फूल आने की अवस्था में पत्ती खाने वाली इल्लियों को फूलों को भी खाते हुए देखा गया है, अतः फसल की सुरक्षा हेतु उपयुक्त अनुशंसित कीटनाशक का छिड़काव करें.</p> <p>Caterpillars are seen feeding on the soybean flowers. Farmers are advised to apply the spray of recommended insecticide though the crop is at flowering stage.</p>	
2.	<p>बीजोत्पादन वाले खेत में शुद्धता बनाये रखने के लिए फूलों के रंग एवं पौधों/पत्तियों/तने पर पाए जाने वाले रोये के अधर पर भिन्न किस्मों के पौधों को अपने खेत से निष्कासित करें.</p> <p>Farmers are advised to carry out roughing (removal of off-type plants belonging to other varieties) in order to maintain seed purity. This can be done based in flower color or pubescence found on the plant/leaves/pods/stem.</p>	

3.	<p>कई क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा होने की सूचनाये प्राप्त हुई हैं, कृषकों को सलाह है कि जलभराव से होने वाले नुकसान से सोयाबीन फसल को बचाने हेतु अतिरिक्त जल-निकासी सुनिश्चित करें.</p> <p>Some of the soybean growing areas are reported to have continuous and heavy rains last week. Farmers are therefore advised to make necessary draining arrangements.</p>	
4.	<p>मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में “कॉटन ग्रे वीविल”, एवं “टस्क मोथ” नामक कीटों का भी प्रकोप देखा जा रहा है. अधिक प्रकोप पाए जाने पर नियंत्रण हेतु क्विनाल्फोस 25% ई.सी. (1 ली/हे.) या प्रोफेनोफोस 50 ई.सी. (1 ली/हे.) या आइसोसायक्लोसरम 9.2 WW.DC (10% W/V) DC (600 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी. (333 मि.ली.) जैसे कीटनाशकों का छिड़काव करने की सलाह है.</p> <p>Infestation of “Cotton Grey Weevil” is observed in some part of Madhya Pradesh. This insect feeds on soybean leaves especially on the corners. Farmers are advised to spray the crop with Quinalphos 25 % EC @ 1 l/ha OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Isocycloserum 9.2WW.DC (10% W/V)DV @600 ml/ha OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) for its control .</p>	
5.	<p>मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में सोयाबीन का रस चूसने वाले “जेवेल बग” नामक कीड़े का प्रकोप देखा जा रहा है. अधिक प्रकोप होने पर इसके नियंत्रण हेतु सलाह है कि पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या आइसोसायक्लोसरम 9.2 WW.DC (10% W/V) DC (600 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी. (333 मि.ली.) का छिड़काव करें. तना मक्खी के नियंत्रण के लिए भी इन्ही रसायनों का उपयोग करें.</p> <p>A miner pest of soybean named “Jewel bug” is reportedly seen in certain area of Madhya Pradesh. Farmers are advised to apply spray of Thiamethoxam12.60%+Lambda Cyhalothrin 09.50% ZC @125 ml/ha OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) OR Isocycloserum 9.2WW.DC (10% W/V)DV @600 ml/ha OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) immediately after the symptoms are noticed. These insecticides can also be used for control of Stem Fly.</p>	
6.	<p>महाराष्ट्र के मराठवाडा क्षेत्र में घोंघे (snails-slugs/गोगलगाय) का प्रकोप देखा जा रहा है. कृषकों को सलाह है कि वे सतर्क रहे एवं अपने खेतों में सतत निगरानी करते रहे. इसके लिए गुड के साथ मेटालडिहाइड 2.5% सूखे पेलेट का द्रावन बनाए तथा जूट के बोरे को इस द्रावन में भिगोकर अपने खेत में रात को रखे एवं अगले दिन निरीक्षण करें. साथ ही सुरक्षात्मक रूप से अपने खेत के चारों ओर चुने की लकीर डालकर घोंघे को आने से रोके. समस्या अधिक होने पर सोयाबीन के लिए अनुशंसित कीटनाशक जैसे मेलथिऑन 50 ई.सी. (1500 मिली/हे.) या इंडोक्साकार्ब 15.8 इ.सी. (333 मिली/हे.) या क्विनाल्फोस 25% ई.सी. (1 ली/हे.) का फसल एवं जमीन पर छिड़काव करें.</p>	
<p>The leaf-eating damage caused by snails/slugs has been reported in the Marathwada region of Maharashtra for the last few years. Farmers are advised to monitor the crop on a regular basis and keep watch on the situation in their fields. They may keep the jute bag in the solution made of Metaldehyde 2.5% dry pellet and Jaggery and place it in the field overnight. Similarly, farmers may put lime borders in their fields to prevent their entry. If the population is more, a spray of insecticide Malathion 50.00% EC (1500 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) OR Quinolphos 25 EC targeting both crops as well as the ground surface.</p>		

7.	<p>महाराष्ट्र के बुलढाना जिले के कुछ क्षेत्र जहाँ पर कई दिनों से बारिश नहीं होने से सुखी भूमि में सफ़ेद सुंडी का प्रकोप देखा जा रहा है. अतः सलाह है की इसके नियंत्रण हेतु खेत में प्रकाश प्रपंच लगाए एवं व्हाइट ग्रब के वयस्कों को एकत्र होने पर नष्ट करें। साथ ही फसल पर बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) का सोयाबीन की फसल में पौधों में बीच छिड़काव करें।</p>	
<p>The infestation of White grubs has been reported in certain areas of Buldhana district in Maharashtra in absence of rainfall for the last few days. Farmers are therefore advised to installation of light traps for the collection and destruction of white grub adults. Depending upon the severity, farmers are advised for Soil application of Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) between the rows between the rows.</p>		

ब. रोग नियंत्रण:

1.	<p>पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोग के लक्षण दिखने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्खी/एफिड की रोकथाम हेतु एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम +लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This will also facilitate control of stem fly. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies/Jassids, the vectors of YMV/SMV respectively.</p>	  
2.	<p>लगातार बारिश होने वाले क्षेत्रों में एन्थ्राकनोज रोग की सम्भावना अधिक होती है. अतः इसके प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर कृषकों को सलाह है कि इसके नियंत्रण हेतु शीघ्रातिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिड़काव करें.</p> <p>In case of continued rains, infection of anthracnose disease is likely to occur. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	  <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>

3.	<p>रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) या फ्लुक्सापग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 मिली/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन + इपोकॉनोसीकोनाजोल 50g/l एस.ई. (750 मिली/हे) जैसे फफूंदनाशकों का अपने फसल पर छिड़काव करें.</p> <p>Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) OR Fluxapyroxad 333 g/l FS (300 ml/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.</p>	
----	--	---

स. कीट नियंत्रण:

1.	<p>चने की इल्ली के नियंत्रण हेतु फसल पर इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) का छिड़काव करें. इसके लिये वैकल्पिक कीटनाशक हैं, इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस.सी.(875-825मि.ली./हे).</p>	
<p>Attack of <i>Heliothis armigera</i> (Gram Pod Borer) has been reported in some part of Madhya Pradesh. Farmers are advised to apply spray of Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha). Farmers may also apply the spray of any one of the following insecticides like Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha).</p>		
2.	<p>चक्र भृंग के लक्षण दिखाई देने पर प्रारंभिक अवस्था में ही इसके नियंत्रण हेतु थायक्लोप्रिड 21.7एस.सी. (750मिली/हे) या इमामेक्टिन बेन्जोएट (425मिली / है) या आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 मिली/हे) या कार्ताप हाइड्रो क्लोराइड 04%+ फिप्रोनिल CG % 00.50 (200 मिली/हे) या एसिटेमीप्रिड 25%+बायफेथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी (1 ली./हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी 18.50 % SC (150 मिली/हे) का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें.</p> <p>For control of Girdle beetle, farmers are advised for destruction of affected plant/part as well as spraying with Thiacloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Isocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 ml/ha) OR Cartap Hydrochloride 04 % + Fipronil 00.50 % CG (200 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC (150 ml/ha) soon after the symptoms are observed.</p>	 <p>Damage Symptoms of Girdle Beetle</p>

<p>3. सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (150मि.ली./हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी. एस. (300 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50ई.सी.(1 ली/हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या पूर्वमिश्रित बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/है) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/है) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
<p>For the control of Semilooper, farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Profenofos 50 % EC (1 l/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR pre-mixed Beta-cyfluthrin 08.49 % + Imidacloprid 19.81 % w/w OD (350 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha) OR Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC (125 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).</p>	
<p>4. तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या स्पानेटरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
<p>For the control of Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	
<p>5. आपकी फसल में सेमीलूपर + चने की इल्ली + तम्बाकू की इल्ली एक साथ पाए जाने पर नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35 एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p> <p>For the control of Green Semilooper, Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	

<p>6. पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मक्खी/जसीड एवं तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (200 मिली./हे.) का छिड़काव करें.</p> <p>In areas having infestation of defoliators as well white fly and stem borers simultaneously, it is advised to spray the crop with either one of the premixed formulations like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha).OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).</p>	
<p>7. यदि आपकी फसल में बिहार हेयरी कैटरपिलर का प्रकोप है, इसके नियंत्रण हेतु फ्लुबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
<p>For control of Bihar Hairy Caterpillar, farmers are advised to apply spray of Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha).</p>	

सामान्य सलाह / B.General advisory

सामान्य सलाह / B.General advisory

<p>1. पीला मोज़ेक रोग से सुरक्षा हेतु रोगवाहक कीट सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly, a carrier for transmission of YMV disease.</p>	
<p>2. सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है . Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.</p>	
<p>3. सोयाबीन फसल में तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध कीट विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये. For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects.</p>	
<p>4. अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर 3-4 स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि हैं, तो कीड़ों की अवस्था क्या हैं? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनाये. Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals preferably at 3-4 locations in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.</p>	
<p>5. सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिड़काव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर या ट्रेक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पाँवर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें.</p>	

	Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/tractor-drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).
6	कीट एवं रोगों से फसल सुरक्षा हेतु उपयुक्त रसायनों का छिड़काव किया जाना चाहिए, भले ही सोयाबीन फसल फुल आने की अवस्था में हो. Protection of crop from the damage caused by insect-pest-disease is of paramount importance. The spray of insecticide/fungicide may be applied even at the flowering stage of the crop.
7	ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें. Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.
8	किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो . While purchasing any Agri-input, always obtain a <i>pucca bill</i> from the shopkeeper showing the batch number and expiry date of the product(s).
9	जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फसल को नुकसान हो सकता है. Farmers are suggested not to use any combination of insecticides/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.
10	सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले किसान कृपया पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में रोकथाम हेतु <i>बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस</i> अथवा <i>ब्युवेरिया बेसिआना</i> या <i>नोमुरिया रिलेयी</i> (1.0ली./हेक्टे) का प्रयोग करें. In case of organic soybean production, farmers are advised to use <i>Bacillus thuringiensis</i> or <i>Beauveria bassiana</i> or <i>Nomuriya rileyi</i> @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar).





सेमीलूपर



पक्षियों की बैटक व्यव एवं फरोमन ट्रेप

सोलर प्रकाश प्रपंच



Monsoon break fuels fear of soyabean yield loss

Indians: Monsoon break has fuelled fears of drop in yield and production loss among soyabean farmers in one of the leading soyabean growing states.

Sowing of soyabean starts in the last week of June and presently the crop is in the sixth vegetative stage where rains play a crucial role in boosting the yield of the crop.

Dr Brij Dagar, principal scientist, CCRK-India Institute of Soybean Research, Indore, said, "Thought and long dry spell has become a pattern in the past a few years due to climate change and this impacts the productivity of the crop. Soyabean crop is in the early vegetative stage where rains are required, absence of rain may hit the growth of the crop and delay flowering."

Madhya Pradesh is a leading soyabean cultivation state and farmers in Indore division are expected to sow soyabean on more than 9 lakh hectares in the kharif season, according to the farm department.

ICAR-Indian Institute of Soybean Research, Indore in its advisory to farmers have suggested to use Broad Bed Furrows and Raised Bed Furrow methods to withstand drought long dry spells in soyabean growing areas.

"We have advised farmers to apply irrigation before the soil cracks like sprinkler or flood irrigation," Dagar said.

Farmer Raghavendra Paul from Sumer said, "Soyabean crop is in a growing stage and needs water. It's not quite a long gap in rain which is not good for the crop. Every one does not have access to irrigation and most of us are dependent on rain water. If it does not rain in a few days, yield will suffer."

Farmers need early rain-fall in the start of the sowing season and conducive weather conditions are expected from soyabean farmers to increase the area. Soyabean, cotton, maize and pulses are the main summer or kharif crops in MP.





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 12.08.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(12-18 अगस्त, 2024 / 12th-18th August 2024)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में विगत दिनों हो रही लगातार वर्षा एवं वर्तमान परिपेक्ष में जैविक तथा सोयाबीन फसल के जैविक एवं अजैविक कारकों के प्रबंधन हेतु निम्न बातों का अनुपालन करने की सलाह है। इनके लिए केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा हाल ही में अनुशंसित कीटनाशक/रसायनों (सूचि सलग्न-तालिका 1) के छिड़काव किया जा सकता है।

Considering the continued rainfall/drizzling in major soybean areas, and also the prevailing infestation/attack of biotic as well as abiotic factors in soybean at present, farmers are advised to adopt following measures. Use of insecticide insecticides (List Attached-Table 1) as recommended by the Central Insecticide Board, GOI is advocated.

अ. अजैविक कारकों का प्रबंधन

<p>1.</p>	<p>जहाँ पर कम समयावधि में पकने वाली किस्मे लगी हैं, कृषकों को सलाह है कि चूहों द्वारा फलियों के अन्दर दाने खाने से होने वाले नुकसान से बचाने हेतु प्रबंधन के उपाय अपनाये। इसके लिए फ्लोकोउमाफेन 0.005% रसायन से बने प्रति हेक्टेयर 15-20 बेट/हे. बनाकर चूहों के छेदों के पास रखे। Farmers having short-duration soybean varieties are advised to manage the yield loss caused due to feeding of rats on tender pods. This can be done by keeping the poison baits (15-20/ha) made of Flocoumafen 0.005% Block Bait (Strom) near the rat holes.</p>	
<p>2.</p>	<p>जलभराव से होने वाले नुकसान से सोयाबीन फसल को बचाने हेतु अतिरिक्त जल-निकासी सुनिश्चित करें। In case of continuous/excessive rainfall, drainage arrangement is recommended to avoid the crop damage due to waterlogging.</p>	

ब. जैविक कारकों का प्रबंधन: कीट नियंत्रण

<p>1.</p>	<p>चने की इल्ली के नियंत्रण हेतु फसल पर इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी या नोवाल्युरोन + इंडोक्साकार्ब एस .सी. का छिड़काव करें। For control of Heliothis (Gram Pod Borer), farmers are advised to apply spray of Indoxacarb 15.80 % EC OR Emamectin benzoate 01.90 % EC OR Broflanilide 300 g/l SC OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC.</p>	
-----------	--	---

2.	<p>तम्बाकू की इल्ली में के नियंत्रण हेतु मameक्टिन बेंजोएट 01.90% या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यू.जी या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी या नोवाल्युरोन + इंडोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. का छिड़काव करें.</p> <p>For the control of Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of Emamectin benzoate 01.90 % EC OR Broflanilide 300 g/l SC OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG OR Flubendiamide 20 % WG OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC OR Indoxacarb 15.80 % EC OR Tetraniliprole 18.18 SC OR Spinoteram 11.7 SC OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC.</p>	
3.	<p>सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण हेतु क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी या लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी. एस. या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., या पूर्वमिश्रित बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड या नोवाल्युरोन + इंडोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, का छिड़काव करें.</p> <p>For the control of Semilooper, farmers are advised to apply the spray of Chlorantraniliprole 18.5 % SC OR Emamectin benzoate 01.90 % EC OR Broflanilide 300 g/l SC OR Flubendiamide 20 % WG OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG OR Indoxacarb 15.80 % EC OR Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS OR Profenofos 50 % EC OR Tetraniliprole 18.18 SC OR pre-mixed Beta-cyfluthrin 08.49 % + Imidacloprid 19.81 % w/w OD OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC OR Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC.</p>	
4.	<p>चक्र भृंग के लक्षण दिखाई देने पर प्रारंभिक अवस्था में ही इसके नियंत्रण हेतु थायक्लोप्रिड 21.7एस.सी .या इमामेक्टिन बेंजोएट या आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC या कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 04%+ फिप्रोनिल % 00.50 CGया एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी 18.50 % SC का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें.</p>	
<p>For control of Girdle beetle, farmers are advised for destruction of affected plant/part as well as spraying with Thiachloprid 21.7 S.C. OR Emamectin benzoate 01.90 % EC OR Isocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC OR Cartap Hydrochloride 04 % + Fipronil 00.50 % CG OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG OR Tetraniliprole 18.18 SC OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC soon after the symptoms are observed.</p>		

स. जैविक कारकों का प्रबंधन: रोग नियंत्रण

<p>1.</p>	<p>रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) या फ्लुक्सापग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 मिली/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन + इपोक्कोसीकोनाजोल 50g/l एस.ई. (750 मिली/हे) जैसे फफूंदनाशकों का अपने फसल पर छिड़काव करें.</p> <p>Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) OR Fluxapyroxad 333 g/l FS (300 ml/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.</p>	
<p>2.</p>	<p>लगातार बारिश होने वाले क्षेत्रों में एन्थ्राकनोज रोग की सम्भावना अधिक होती है. अतः इसके प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर कृषकों को सलाह है कि इसके नियंत्रण हेतु शीघ्रातिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिड़काव करें.</p> <p>In case of continued rains, infection of anthracnose disease is likely to occur. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	 <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>
<p>3.</p>	<p>पीला मोजेक/सोयाबीन मोजेक रोग के लक्षण दिखने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्खी/एफिड की रोकथाम हेतु एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम +लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p> <p>For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This will also facilitate control of stem fly. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies/jassids, the vectors of YMV/SMV respectively.</p>	

द. एक से अधिक कीटों के नियंत्रण हेतु उपयुक्त कीटनाशक का छिड़काव

1.	<p>आपकी फसल में सेमीलूपर + चने की इल्ली + तम्बाकू की इल्ली एक साथ पाए जाने पर नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस.सी (333 मि.ली/हे), या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p> <p>For the control of Green Semiloover, Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	  
2.	<p>पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मक्खी/जसीड एवं तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. का छिड़काव करें.</p> <p>Infestation of defoliators (Green Semiloover, Heliothis and Tobacco caterpillar) + Sucking insects (white fly/Aphid/Jassids) + Borers (Girdle Beetle/Stem Fly) simultaneously, farmers are advised to spray the crop with premixed formulations like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin OR Betacyfluthrin + Imidacloprid OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC.</p>	    

सामान्य सलाह / General advisory

1.	<p>फुल आने की अवस्था में पत्ती खाने वाली इल्लियों को फूलों को भी खाते हुए देखा गया है, अतः फसल की सुरक्षा हेतु उपयुक्त अनुशंसित कीटनाशक का छिड़काव करें.</p> <p>Caterpillars are seen feeding on the soybean flowers. Farmers are advised to apply the spray of recommended insecticide though the crop is at flowering stage.</p>	
2.	<p>बीजोत्पादन वाले खेत में शुद्धता बनाये रखने के लिए फूलों के रंग एवं पौधों/पत्तियों/तने पर पाए जाने वाले रोये के अधर पर भिन्न किस्मों के पौधों को अपने खेत से निष्कासित करें.</p> <p>Farmers are advised to carry out roughing (removal of off-type plants belonging to other varieties) in order to maintain seed purity. This can be done based in flower color or pubescence found on the plant/leaves/pods/stem.</p>	
3.	<p>सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है .</p> <p>Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.</p>	
4.	<p>सोयाबीन फसल में तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध कीट विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये.</p> <p>For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects.</p>	

5.	<p>अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर 3-4 स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि हैं, तो कीड़ों की अवस्था क्या हैं? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनायें.</p> <p>Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals preferably at 3-4 locations in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.</p>	
6.	<p>सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिड़काव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर या ट्रेक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पाँवर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें.</p> <p>Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/tractor-drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).</p>	
7.	<p>ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें.</p> <p>Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.</p>	
8.	<p>किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो .</p> <p>While purchasing any Agri-input, always obtain a <i>pucca bill</i> from the shopkeeper showing the batch number and expiry date of the product(s).</p>	
9.	<p>जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फसल को नुकसान हो सकता है.</p> <p>Farmers are suggested not to use any combination of insecticides/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.</p>	
10.	<p>सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले किसान कृपया पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में रोकथाम हेतु <i>बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस</i> अथवा <i>ब्युवेरिया बेसिआना</i> या <i>नोमुरिया रिलेयी</i> (1.0 ली./हेक्टे) का प्रयोग करें.</p> <p>In case of organic soybean production, farmers are advised to use <i>Bacillus thuringiensis</i> or <i>Beauveria bassiana</i> or <i>Nomuriya rileyi</i> @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar).</p>	

तालिका : 31 मार्च 2024 के दौरान केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित कीटनाशकों की सूचि

क्र.	कीटनाशक	कीट	मात्रा/हे.
1	क्विनालफॉस 25 ई.सी.	लीफ वीविल	1 ली.
2	क्विनालफॉस 01.50 डी.पी.	पोड बोरर	250ग्राम
3	क्लोरोएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5एस.सी	हरी सेमीलूपर इल्ली, तना मक्खी एवं चक्र भृंग	150 मिली
4	इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 ई.सी.	हरी सेमीलूपर इल्ली, फली छेदक ,चक्र भृंग एवं तम्बाकू की इल्ली	425मि.ली.
5	ब्रोप्लानिलाइड 300 एस.सी .	चने की इल्लीतम्बाकू , की इल्लीहरी , सेमीलूपर इल्ली	42- 62ग्राम
6	ईथिओन 50 ईसी.	चक्र भृंग एवं तना मक्खी	1500 मि.ली.
7	कार्बोफ्यूरान 03 % सी जी.	रूट नोट नीमाटोड	1500 ग्राम
8	फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी.	तम्बाकू की इल्ली एवं हरी सेमीलूपर इल्ली,	250-300ग्रा.
9	फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी	पत्ती खाने वाली इल्लियाँचने) की इल्ली, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली(150मि.ली.

10	इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी.	तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली ,हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तना मक्खी	333 मि.ली.
11	इन्डोक्साकार्ब 14.50 SC	तम्बाकू की इल्ली	333 मि.ली.
12	लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी .एस.	तना मक्खीहरी , सेमीलूपर इल्ली	300 मि.ली.
13	प्रोफेनोफॉस 50ई.सी .	हरी सेमीलूपर इल्ली एवं चक्र भृंग	1 ली.
14	स्पायनेटोरम 11.7एस.सी	तम्बाकू की इल्ली	450मि.ली.
15	टेट्रानिलिप्रोल 18.18एस .सी.	चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली	250-300 मि.ली.
16	थायक्लोप्रिड 21.7एस.सी .	चक्र भृंग	750 मि.ली.
17	बीटासायफ्लुथ्रिन 08.49 % +इमिडाक्लोप्रिड 19.81 % w/w ओ.डी.	चक्र भृंगहरी , सेमीलूपर इल्ली	350मि.ली.
18	नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस .सी.	तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली एवं हरी सेमीलूपर इल्ली	825-875मि.ली.
19	थायमिथोक्सम 12.60 %+ लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 09.50 % जेड.सी.	तना मक्खी, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं चक्र भृंग	125 मि.ली.
20	क्लोरेन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % जेड.सी.	लीफ वर्म, चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली, तना मक्खी	200 मि.ली.
21	एसिटामिप्रिड + %25 बायफेन्थ्रिन 25 %WG	सफेद मक्खी ,चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली	250ग्रा.
22	आइसोसायक्लोसेरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC	लीफ वर्म ,सेमीलूपर, चक्र भृंग, तना मक्खी	600 मि.ली.
23	कर्ताप हाइड्रो क्लोराइड 04%+ फिप्रोनिल CG % 00.50	लीफ वर्म ,चक्र भृंग, सेमीलूपर, तना मक्खी	200 मि.ली.
24	फ्लोकुमफेन 0.005% Block Bait (Strom)	चूहों का नियंत्रण	15-20 बेट





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 12.08.2024



**सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(19-25 अगस्त, 2024 / 19th-25th August 2024)**

वर्तमान स्थिति में सोयाबीन की फसल पर प्रकोप करने वाले कीट/रोगों के नियंत्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने की सलाह है। इनके लिए केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा हाल ही में अनुशंसित कीटनाशक/रसायनों (सूचि सलग्न-तालिका 1) के छिड़काव किया जा सकता है।

Considering the prevailing infestation/attack of insect-pest/diseases in soybean at present, farmers are advised to adopt following measures. Use of insecticide insecticides (List Attached-Table 1) as recommended by the Central Insecticide Board, GOI is advocated.

<p>1.</p>	<p>जहाँ पर कम समयवधि में पकने वाली किस्मे लगी हैं, कृषकों को सलाह है कि चूहों द्वारा फलियों के अन्दर दाने खाने से होने वाले नुकसान से बचाने हेतु प्रबंधन के उपाय अपनाये। इसके लिए फ्लोकोउमाफेन 0.005% रसायन से बने प्रति हेक्टेयर 15-20 बेट/हे. बनाकर चूहों के छेदों के पास रखे। Farmers having short-duration soybean varieties are advised to manage the yield loss caused due to feeding of rats on tender pods. This can be done by keeping the poison baits (15-20/ha) made of Floccoumafen 0.005% Block Bait (Strom) near the rat holes.</p>	
<p>2.</p>	<p>बीजोत्पादन वाले खेत में शुद्धता बनाये रखने के लिए फूलों के रंग एवं पौधों/पत्तियों/तने पर पाए जाने वाले रोये के अधर पर भिन्न किस्मों के पौधों को अपने खेत से निष्कासित करें। Farmers are advised to carry out roughing (removal of off-type plants belonging to other varieties) in order to maintain seed purity. This can be done based in flower color or pubescence found on the plant/leaves/pods/stem.</p>	
<p>3.</p>	<p>अपने खेत की नियमित निगरानी करें एवं खेत में जाकर 3-4 स्थानों के पौधों को हिलाकर सुनिश्चित करें कि क्या आपके खेत में किसी इल्ली/कीट का प्रकोप हुआ है या नहीं और यदि है, तो कीड़ों की अवस्था क्या है? तदनुसार उनके नियंत्रण के उपाय अपनाये। Farmers are advised to monitor their crop on regular intervals preferably at 3-4 locations in their fields and see whether any insect/pest/caterpillar is there along with their stage. This will facilitate the effective insect control measures.</p>	

4.	<p>यदि आपकी फसल में बिहार हेयरी कैटरपिलर का प्रकोप है, इसके नियंत्रण हेतु फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) का छिड़काव करें. For control of Bihar Hairy Caterpillar, farmers are advised to apply spray of Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha).</p>	
5.	<p>चने की इल्ली के नियंत्रण हेतु फसल पर इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) का छिड़काव करें. इसके लिये वैकल्पिक कीटनाशक हैं, इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस.सी.(875-825मि.ली./हे).</p>	
<p>Attack of <i>Heliothis armigera</i> (Gram Pod Borer) has been reported in some part of Madhya Pradesh. Farmers are advised to apply spray of Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha). Farmers may also apply the spray of any one of the following insecticides like Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha).</p>		
6.	<p>सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : क्लोरान्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (150मि.ली./हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या एसिटैमीप्रीड 25%+बायफेन्थ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस.सी (333 मि.ली/हे), या लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी. एस. (300 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50ई.सी.(1 ली/हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या पूर्वमिश्रित बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/हे) या क्लोरान्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
<p>For the control of Semilooper, farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Profenofos 50 % EC (1 l/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR pre-mixed Beta-cyfluthrin 08.49 % + Imidacloprid 19.81 % w/w OD (350 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha) OR Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC (125 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).</p>		
7.	<p>तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या एसिटैमीप्रीड 25%+बायफेन्थ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस.सी (333 मि.ली/हे), या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	

	For the control of Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).	
8.	<p>चक्र भृंग के लक्षण दिखाई देने पर प्रारंभिक अवस्था में ही इसके नियंत्रण हेतु थायक्लोप्रिड 21.7एस.सी. (750मिली/हे) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425मिली/हे) या आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 मिली/हे) या कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 04%+ फिप्रोनिल CG % 00.50 (200 मिली/हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी. (1 ली./हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. 18.50 % SC (150 मिली/हे) का छिड़काव करें। यह भी सलाह दी जाती है कि इसके फैलाव की रोकथाम हेतु प्रारंभिक अवस्था में ही पौधे के ग्रसित भाग को तोड़कर नष्ट कर दें।</p> <p>For control of Girdle beetle, farmers are advised for destruction of affected plant/part as well as spraying with Thiacloprid 21.7 S.C. (750 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Isocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 ml/ha) OR Cartap Hydrochloride 04 % + Fipronil 00.50 % CG (200 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Profenophos 50 E.C. (1 l/ha) OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC (150 ml/ha) soon after the symptoms are observed.</p>	
9.	<p>रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) या फ्लुक्सापग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 मिली/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन + इपोकॉसीकोनाजोल 50g/l एस.ई. (750 मिली/हे) जैसे फफूंदनाशकों का अपने फसल पर छिड़काव करें।</p> <p>Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) OR Fluxapyroxad 333 g/l FS (300 ml/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.</p>	
10.	<p>लगातार बारिश होने वाले क्षेत्रों में एन्थ्राकनोज रोग की सम्भावना अधिक होती है। अतः इसके प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर कृषकों को सलाह है कि इसके नियंत्रण हेतु शीघ्रातिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिड़काव करें।</p> <p>In case of continued rains, infection of anthracnose disease is likely to occur. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	 <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>

11.	<p>पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोग के लक्षण दिखने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्खी/एफिड की रोकथाम हेतु एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम +लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p>	
<p>For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This will also facilitate control of stem fly. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies/jassids, the vectors of YMV/SMV respectively.</p>		

द. एक से अधिक कीटों के नियंत्रण हेतु उपयुक्त कीटनाशक का छिड़काव

1.	<p>आपकी फसल में सेमीलूपर + चने की इल्ली + तम्बाकू की इल्ली एक साथ पाए जाने पर नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p> <p>For the control of Green Semilooer, Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	  
2.	<p>पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मक्खी/जसीड एवं तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. का छिड़काव करें.</p> <p>Infestation of defoliators (Green Semilooer, Heliothis and Tobacco caterpillar) + Sucking insects (white fly/Aphid/Jassids) + Borers (Girdle Beetle/Stem Fly) simultaneously, farmers are advised to spray the crop with premixed formulations like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin OR Betacyfluthrin + Imidacloprid OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda cyhalothrin 04.60 % ZC.</p>	  

सामान्य सलाह / General advisory

1.	<p>फूल आने की अवस्था में पत्ती खाने वाली इल्लियों को फूलों को भी खाते हुए देखा गया है, अतः फसल की सुरक्षा हेतु उपयुक्त अनुशंसित कीटनाशक का छिड़काव करें. Caterpillars are seen feeding on the soybean flowers. Farmers are advised to apply the spray of recommended insecticide though the crop is at flowering stage.</p>	
----	---	---

2.	<p>सोयाबीन की फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है .</p> <p>Farmers are also advised to install bird perches at different locations which facilitate seating arrangement for predatory bird which feed on leaf eating caterpillars.</p>	
3.	<p>सोयाबीन फसल में तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के प्रबंधन हेतु बाजार में उपलब्ध कीट विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये.</p> <p>For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised for installation of insect-specific pheromone traps and use of NPV (250 LE/ha). Use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects.</p>	
4.	<p>सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिड़काव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर या ट्रेक्टर चालित स्प्रेयर से 450 लीटर/हे पाँवर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें.</p> <p>Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/tractor-drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).</p>	
5.	<p>ऐसे रसायन (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) जो सोयाबीन फसल में उपयोग हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूचि में शामिल नहीं, उपयोग नहीं करें.</p> <p>Do not use such chemicals (insecticide/herbicide/fungicide) which are not having label claim for soybean duly approved by the Central Insecticide Board of GOI.</p>	
6.	<p>किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल ले जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो .</p> <p>While purchasing any Agri-input, always obtain a <i>pucca bill</i> from the shopkeeper showing the batch number and expiry date of the product(s).</p>	
7.	<p>जिन रसायनों (कीटनाशक/खरपतवारनाशक/फफूंदनाशक) के मिश्रित उपयोग की वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फसल को नुकसान हो सकता है.</p> <p>Farmers are suggested not to use any combination of insecticides/herbicides, which is not recommended/tested, by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.</p>	
8.	<p>सोयाबीन का जैविक उत्पादन लेने वाले किसान कृपया पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में रोकथाम हेतु <i>Bacillus thuringiensis</i> अथवा <i>Bryveria bassiana</i> या <i>Nomuriya rileyi</i> (1.0ली./हेक्टे) का प्रयोग करें.</p> <p>In case of organic soybean production, farmers are advised to use <i>Bacillus thuringiensis</i> or <i>Beauveria bassiana</i> or <i>Nomuriya rileyi</i> @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar).</p>	

तालिका : 31 मार्च 2024 के दौरान केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित कीटनाशकों की सूचि

क्र.	कीटनाशक	कीट	मात्रा/हे.
1	क्विनालफॉस 25 ई.सी.	लीफ वीविल	1 ली.
2	क्विनालफॉस 01.50 डी.पी.	पोड बोरर	250ग्राम
3	क्लोरेन्ट्रानिलिप्रोल 18.5एस.सी	हरी सेमीलूपर इल्ली, तना मक्खी एवं चक्र भृंग	150 मिली
4	इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 ई.सी.	हरी सेमीलूपर इल्ली, फली छेदक, चक्र भृंग एवं तम्बाकू की इल्ली	425मि.ली.
5	ब्रोफ्लानिलाइड 300 एस.सी .	चने की इल्लीतम्बाकू, की इल्लीहरी, सेमीलूपर इल्ली	42- 62ग्राम
6	ईथिओन 50 ईसी.	चक्र भृंग एवं तना मक्खी	1500 मि.ली.
7	कार्बोफ्यूथ्रान 03 % सी जी.	रूट नोट नीमाटोड	1500 ग्राम

8	फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी.	तम्बाकू की इल्ली एवं हरी सेमीलूपर इल्ली,	300-250ग्रा.
9	फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी	पत्ती खाने वाली इल्लियाँ(चने) की इल्ली, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली(150मि.ली.
10	इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी.	तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली ,हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तना मक्खी	333 मि.ली.
11	इंडोक्साकार्ब 14.50 SC	तम्बाकू की इल्ली	333 मि.ली.
12	लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी .एस.	तना मक्खीहरी , सेमीलूपर इल्ली	300 मि.ली.
13	प्रोफेनोफॉस 50ई.सी .	हरी सेमीलूपर इल्ली एवं चक्र भृंग	1 ली.
14	स्पायनेटोरम 11.7एस.सी	तम्बाकू की इल्ली	450मि.ली.
15	टेट्रानिलिप्रोल 18.18एस .सी.	चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली	300-250 मि.ली.
16	थायक्लोप्रिड 21.7एस.सी .	चक्र भृंग	750 मि.ली.
17	बीटासायफ्लुथ्रिन 08.49 % +इमिडाक्लोप्रिड 19.81 % w/w ओ.डी.	चक्र भृंगहरी , सेमीलूपर इल्ली	350मि.ली.
18	नोवाल्थुरोन + इंडोक्साकार्ब एस .सी.	तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली एवं हरी सेमीलूपर इल्ली	- 825 875मि.ली.
19	थायमिथोक्सम 12.60 %+ लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 09.50 % जेड.सी.	तना मक्खी, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं चक्र भृंग	125 मि.ली.
20	क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % जेड.सी.	लीफ वर्म, चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली, तना मक्खी	200 मि.ली.
21	एसिटामिप्रिड + %25 बायफेन्थ्रिन % 25 WG	सफेद मक्खी ,चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली	250ग्रा.
22	आइसोसायक्लोसेरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC	लीफ वर्म ,सेमीलूपर ,चक्र भृंग ,तना मक्खी	600 मि.ली.
23	कर्ताप हाइड्रो क्लोराइड 04%+ फिप्रोनिल CG % 00.50	लीफ वर्म ,चक्र भृंग ,सेमीलूपर ,तना मक्खी	200 मि.ली.
24	फ्लोकुमफेन 0.005% Block Bait (Strom)	चूहों का नियंत्रण	बेट 20-15

सोया दूधको के लिए

साप्ताहिक सूत्राह

(5-11 अगस्त) 2024

भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर, (म. प्र.)



सोयाबीन ऐसी पीले पड़ने पर क्या करें ?



टोल फ्री नंबर - 1800113060, 1800113061

सोयाबीन की खेती मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़

एगमार्कनेट 250-४2400 रायबरेली(४2350-४2360)

देशी किसान



सोया संवाद - खरीफ़ 2024

मेरे खेत के लिए
NRC 142 अच्छी
लगी. इसका अंकुरण
भी शत प्रतिशत है.



श्री लालसिंह मकवाना, ग्राम-आजन्दा(बेटमा)
तहसील-ज़िला इंदौर





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 26.08.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(26 अगस्त-1 सितम्बर 2024 / 26th Aug-1st September 2024)

वर्तमान स्थिति में सोयाबीन की फसल पर प्रकोप करने वाले कीट/रोगों के नियंत्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने की सलाह हैं। इनके लिए केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा हाल ही में अनुशंसित कीटनाशक/रसायनों (सूचि सलग्न-तालिका 1) के छिड़काव किया जा सकता है।

Considering the prevailing infestation/attack of insect-pest/diseases in in soybean at present, farmers are advised to adopt following measures. Use of insecticide insecticides (List Attached-Table 1) as recommended by the Central Insecticide Board, GOI is advocated.

A. Management of Diseases रोग प्रबंधन

<p>1.</p>	<p>रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई देने पर सलाह हैं कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) या फ्लुक्सापग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 मिली/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन + इपोकॉसीकोनाजोल 50g/l एस.ई. (750 मिली/हे) जैसे फफूंदनाशकों का अपने फसल पर छिड़काव करें। Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) OR Fluxapyroxad 333 g/l FS (300 ml/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.</p>	
<p>2.</p>	<p>लगातार बारिश होने वाले क्षेत्रों में एन्थ्राकनोज रोग की सम्भावना अधिक होती है। अतः इसके प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर कृषकों को सलाह है कि इसके नियंत्रण हेतु शीघ्रातिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिड़काव करें। In case of continued rains, infection of anthracnose disease is likely to occur. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	 <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>

3.	<p>पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोग के लक्षण दिखने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्खी/एफिड की रोकथाम हेतु एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p>	
<p>For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This will also facilitate control of stem fly. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies/jassids, the vectors of YMV/SMV respectively</p>		

B. Management of Insects कीट प्रबंधन

4.	<p>चने की इल्ली के नियंत्रण हेतु फसल पर इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) का छिड़काव करें. इसके लिये वैकल्पिक कीटनाशक हैं, इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस.सी.(875-825मि.ली./हे).</p>	
<p>Attack of <i>Heliothis armigera</i> (Gram Pod Borer) has been reported in some part of Madhya Pradesh. Farmers are advised to apply spray of Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha). Farmers may also apply the spray of any one of the following insecticides like Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha).</p>		
5.	<p>सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : क्लोरान्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (150मि.ली./हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस.सी (333 मि.ली/हे), या लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी. एस. (300 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50ई.सी.(1 ली/हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या पूर्वमिश्रित बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/हे) या क्लोरान्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
<p>For the control of Semilooper, farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR</p>		

	<p>Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Profenofos 50 % EC (1 l/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR pre-mixed Beta-cyfluthrin 08.49 % + Imidacloprid 19.81 % w/w OD (350 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha) OR Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC (125 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).</p>	
<p>6.</p>	<p>तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्र./हे) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इंडोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
	<p>For the control of Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	
<p>7.</p>	<p>आपकी फसल में सेमीलूपर + चने की इल्ली + तम्बाकू की इल्ली एक साथ पाए जाने पर नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या नोवाल्युरोन + इंडोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p> <p>For the control of Green Semilooer, Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	
<p>8.</p>	<p>पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर/तम्बाकू/चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफेद मक्खी/जसीड एवं तना छेदक कीट (तना मक्खी/चक्र भृंग) के एक साथ नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक जैसे थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. का छिड़काव करें.</p> <p>Infestation of defoliators (Green Semilooer, Heliothis and Tobacco caterpillar) + Sucking insects (white fly/Aphid/Jassids) + Borers (Girdle Beetle/Stem Fly) simultaneously, farmers are advised to spray the crop with premixed formulations like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin OR Betacyfluthrin + Imidacloprid OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC.</p>	

9.	<p>जहाँ पर कम समयावधि में पकने वाली किस्मे लगी हैं, कृषकों को सलाह है कि चूहों द्वारा फलियों के अन्दर दाने खाने से होने वाले नुकसान से बचाने हेतु प्रबंधन के उपाय अपनाये. इसके लिए फ्लोकोउमाफेन 0.005% रसायन से बने प्रति हेक्टेयर 15-20 बेट/हे. बनाकर चूहों के छेदों के पास रखे.</p> <p>Farmers having short-duration soybean varieties are advised to manage the yield loss caused due to feeding of rats on tender pods. This can be done by keeping the poison baits (15-20/ha) made of Floccoumafen 0.005% Block Bait (Strom) near the rat holes.</p>	
----	--	---

तालिका : 31 मार्च 2024 के दौरान केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित कीटनाशकों की सूची

क्र.	कीटनाशक	कीट	मात्रा/हे.
1	क्विनालफॉस 25 ई.सी.	लीफ वीविल	1 ली.
2	क्विनालफॉस 01.50 डी.पी.	पोड बोरर	250ग्राम
3	क्लोरेण्ट्रानिलिप्रोल 18.5एस.सी	हरी सेमीलूपर इल्ली, तना मकखी एवं चक्र भृंग	150 मि.ली
4	इमामेक्विन बेंजोएट 01.90 ई.सी.	हरी सेमीलूपर इल्ली, फली छेदक ,चक्र भृंग एवं तम्बाकू की इल्ली	425मि.ली.
5	ब्रोफ्लानिलाइड 300 एस.सी .	चने की इल्लीतम्बाकू , की इल्लीहरी , सेमीलूपर इल्ली	42- 62ग्राम
6	ईथिओन 50 ईसी.	चक्र भृंग एवं तना मकखी	1500 मि.ली.
7	कार्बोफ्यूरेन 03 % सी जी.	रूट नोट नीमाटोड	1500 ग्राम
8	फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी.	तम्बाकू की इल्ली एवं हरी सेमीलूपर इल्ली,	250-300ग्र.
9	फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी	पत्ती खाने वाली इल्लियाँ(चने) की इल्ली, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली(150मि.ली.
10	इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी.	तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली ,हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तना मकखी	333 मि.ली.
11	इंडोक्साकार्ब 14.50 SC	तम्बाकू की इल्ली	333 मि.ली.
12	लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी .एस.	तना मकखीहरी , सेमीलूपर इल्ली	300 मि.ली.
13	प्रोफेनोफॉस 50ई.सी .	हरी सेमीलूपर इल्ली एवं चक्र भृंग	1 ली.
14	स्पायनेटोरम 11.7एस.सी	तम्बाकू की इल्ली	450मि.ली.
15	टेट्रानिलिप्रोल 18.18एस .सी.	चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली	250-300 मि.ली.
16	थायक्लोप्रिड 21.7एस.सी .	चक्र भृंग	750 मि.ली.
17	बीटासायफ्लुथ्रिन 08.49 % +इमिडाक्लोप्रिड 19.81 % w/w ओ.डी.	चक्र भृंगहरी , सेमीलूपर इल्ली	350मि.ली.
18	नोवाल्युरोन + इंडोक्साकार्ब एस .सी.	तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली एवं हरी सेमीलूपर इल्ली	825-875मि.ली.
19	थायमिथोक्सम 12.60 %+ लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 09.50 % जेड.सी.	तना मकखी, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं चक्र भृंग	125 मि.ली.
20	क्लोरेण्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % जेड.सी.	लीफ वर्म, चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली, तना मकखी	200 मि.ली.

21	एसिटामिप्रिड + %25 बायफेन्थ्रिन % 25 WG	सफेद मक्खी , चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली	250ग्रा.
22	आइसोसायक्लोसेरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC	लीफ वर्म ,सेमीलूपर, चक्र भृंग, तना मक्खी	600 मि.ली.
23	कर्ताप हाइड्रो क्लोराइड 04%+ फिप्रोनिल CG % 00.50	लीफ वर्म ,चक्र भृंग, सेमीलूपर, तना मक्खी	200 मि.ली.
24	फ्लोकुमफेन 0.005% Block Bait (Strom)	चूहों का नियंत्रण	15-20 बेट



44 सोया रंगद -श्रीफ 2024

ICAR MPGovt Project

श्री लखन चौधरी
ग्राम-भताना खुर्द, जिला-उज्जैन

डॉ. बी. ए. दुपरे
प्रधान वैज्ञानिक (कृषि विस्तार)

हमारे क्षेत्र के लिए 95-100 दिन वाली सोयाबीन वैरायटी चाहिए.
JS 20-69 बहुत उपयुक्त है.

ICAR - भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर, (म. प्र.)





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 02.08.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(2-8 सितम्बर 2024 / 2nd - 8th September 2024)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों में फसल अब फलियों में दाने भरने की अवस्था में तथा फूलने की अवस्था में हैं. अतः वर्तमान स्थिति में सोयाबीन की फसल पर प्रकोप करने वाले कीट/रोगों के नियंत्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने की सलाह हैं. इनके लिए केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा हाल ही में अनुशंसित कीटनाशक/रसायनों (सूचि सलग्न-तालिका 1) के छिड़काव किया जा सकता है.

The soybean crop has attained the stage of flowering and pod filling in most of the soybean growing areas. Considering the prevailing infestation/attack of insect-pest/diseases in soybean at present, farmers are advised to adopt following measures. Use of insecticide insecticides (List Attached-Table 1) as recommended by the Central Insecticide Board, GOI is advocated.

<p>1.</p>	<p>फलियों में दाने भरने की स्थिति में फली छेदक इल्ली (पोड बोरर) द्वारा नुकसान किये जाने की स्थिति बनती हैं. वर्तमान में इसी प्रकार की इल्ली जो कि प्रायः रबी के मौसम में देखि जाती हैं, खरीफ में भी सोयाबीन फसल पर देखि गयी है, जो फली के अन्दर रहकर दानों को खाती है तथा उनको सडा देती हैं. इन सभी प्रकार की इल्लियों के नियंत्रण हेतु फसल पर इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) का छिड़काव करें. इसके लिये वैकल्पिक कीटनाशक हैं, इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस .सी.(825-875मि.ली./हे).</p>	
	<p>During the pod filling stage, pod borers (especially heliothis armigera) are likely to damage pods and grains. In addition, a new borer (mostly seed during rabi season) is reported in kharif soybean also. Both these kind of borers can be contolled using the spray of Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha). Farmers may also apply the spray of any one of the following insecticides like Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha).</p>	

2.	<p>सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : क्लोरान्त्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी, (150मि.ली./हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/1 एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी. एस. (300 मिली/हे) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी.(1 ली/हे) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या पूर्वमिश्रित बीटासायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या पूर्वमिश्रित थायमिथोक्सम + लैम्बडा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/हे) या क्लोरान्त्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % ZC, (200 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
	<p>For the control of Semilooper, farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Chlorantraniliprole 18.5 % SC (150 ml/ha) OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/1 SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Profenofos 50 % EC (1 l/ha) OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR pre-mixed Beta-cyfluthrin 08.49 % + Imidacloprid 19.81 % w/w OD (350 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha) OR Thiamethoxam 12.60 % + Lambda-cyhalothrin 09.50 % ZC (125 ml/ha) OR Chlorantraniliprole 09.30 % + Lambda-cyhalothrin 04.60 % ZC (200 ml/ha).</p>	
3.	<p>सोयाबीन की फसल में फलियों में दाने भरने की अवस्था में चूहों द्वारा फलियों के अन्दर दाने खाने से होने वाले नुकसान से बचाएं. इसके लिए फ्लोकोउमाफेन 0.005% रसायन से बने प्रति हेक्टेयर 15-20 बेट/हे. बनाकर चूहों के छेदों के पास रखें.</p>	
	<p>Farmers are advised to save the yield losses caused due to rats who feed on tender grains at pod filling stage. This can be done by keeping the poison baits (15-20/ha) made of Flocoumafen 0.005% Block Bait (Strom) near the rat holes.</p>	
4.	<p>सोयाबीन फसल में रायजोक्टोनिया एरिअल ब्लाइट रोग के लक्षण देखे जाने पर सलाह है कि नियंत्रण हेतु अनुशंसित फफूंदनाशक पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) या फ्लुक्सापग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 मिली/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन + इपोक्कोसीकोनाजोल 50g/l एस.ई. (750 मिली/हे) जैसे फफूंदनाशकों का अपने फसल पर छिड़काव करें.</p>	
	<p>Farmers are advised to apply the spray of recommended fungicides like Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) OR Fluxapyroxad 333 g/l FS (300 ml/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) immediately after the symptoms of Rhizoctonia Aerial Blight are seen.</p>	
5	<p>तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/1 एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	

	<p>For the control of Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	
6.	<p>एन्थ्राकनोज रोग के प्रारंभिक लक्षण देखे जाने पर कृषकों को सलाह है कि इसके नियंत्रण हेतु शीघ्रातिशीघ्र टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) से फसल पर छिड़काव करें. In case of continued rains, infection of anthracnose disease is likely to occur. Farmers are advised to conduct surveillance of their crop at regular intervals and apply the spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha) immediately after the symptoms are seen.</p>	 <p>एन्थ्राकनोज के लक्षण</p>
7.	<p>सोयाबीन की फसल में सेमीलूपर + चने की इल्ली + तम्बाकू की इल्ली एक साथ पाए जाने पर नियंत्रण के लिए निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे) , या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें. For the control of Green Semilooper, Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>	
8.	<p>पीला मोज़ेक/सोयाबीन मोज़ेक रोग के लक्षण दिखने पर प्रारंभिक अवस्था में ही रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें तथा इन रोगों को फैलाने वाले वाहक सफ़ेद मक्खी/एफिड की रोकथाम हेतु एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है. इनके छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है .यह भी सलाह है कि सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु कृषकगणअपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं.</p>	
<p>For control of YMV/SMV diseases, farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts along with spray with Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha). Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). This will also facilitate control of stem fly. Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies/jassids, the vectors of YMV/SMV respectively</p>		

तालिका : 31 मार्च 2024 के दौरान केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित कीटनाशकों की सूची

क्र.	कीटनाशक	कीट	मात्रा/हे.
1	क्विनालफॉस 25 ई.सी.	लीफ वीविल	1 ली.
2	क्विनालफॉस 01.50 डी.पी.	पोड बोरर	250ग्राम
3	क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5एस.सी	हरी सेमीलूपर इल्ली, तना मक्खी एवं चक्र भृंग	150 मिली
4	इमामेक्विटन बेंजोएट 01.90 ई.सी.	हरी सेमीलूपर इल्ली, फली छेदक ,चक्र भृंग एवं तम्बाकू की इल्ली	425मि.ली.
5	ब्रोफ्लानिलाइड 300 एस.सी .	चने की इल्लीतम्बाकू , की इल्लीहरी , सेमीलूपर इल्ली	42- 62ग्राम
6	ईथिओन 50 ईसी.	चक्र भृंग एवं तना मक्खी	1500 मि.ली.
7	कार्बोफ्यूरान 03 % सी जी.	रूट नोट नीमाटोड	1500 ग्राम
8	फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी.	तम्बाकू की इल्ली एवं हरी सेमीलूपर इल्ली,	250-300ग्र.
9	फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी	पत्ती खाने वाली इल्लियाँचने) की इल्ली, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली(150मि.ली.
10	इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी.	तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली ,हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तना मक्खी	333 मि.ली.
11	इन्डोक्साकार्ब 14.50 SC	तम्बाकू की इल्ली	333 मि.ली.
12	लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी .एस.	तना मक्खीहरी , सेमीलूपर इल्ली	300 मि.ली.
13	प्रोफेनोफॉस 50ई.सी .	हरी सेमीलूपर इल्ली एवं चक्र भृंग	1 ली.
14	स्पायनेटोरम 11.7एस.सी	तम्बाकू की इल्ली	450मि.ली.
15	टेट्रानिलिप्रोल 18.18एस .सी.	चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली	250-300 मि.ली.
16	थायक्लोप्रिड 21.7एस.सी .	चक्र भृंग	750 मि.ली.
17	बीटासायफ्लुथ्रिन 08.49 % +इमिडाक्लोप्रिड 19.81 % w/w ओ.डी.	चक्र भृंगहरी , सेमीलूपर इल्ली	350मि.ली.
18	नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस .सी.	तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली एवं हरी सेमीलूपर इल्ली	825-875मि.ली.
19	थायमिथोक्सम 12.60 %+ लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 09.50 % जेड.सी.	तना मक्खी, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं चक्र भृंग	125 मि.ली.
20	क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % जेड.सी.	लीफ वर्म, चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली, तना मक्खी	200 मि.ली.
21	एसिटामिप्रिड + %25 बायफेन्थ्रिन % 25 WG	सफेद मक्खी ,चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली	250ग्र.
22	आइसोसायक्लोसेरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC	लीफ वर्म ,सेमीलूपर, चक्र भृंग, तना मक्खी	600 मि.ली.
23	कर्ताप हाइड्रो क्लोराइड 04%+ फिप्रोनिल CG % 00.50	लीफ वर्म ,चक्र भृंग, सेमीलूपर, तना मक्खी	200 मि.ली.
24	फ्लोकुमफेन 0.005% Block Bait (Strom)	चूहें का नियंत्रण	15-20 बेट





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 09.09.2024



**सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(9-15 सितम्बर 2024 / 9th- 15th September 2024)**

शीघ्र समयावधि में पकनेवाली किस्मों की सोयाबीन की फसल अब परिपक्वता की ओर अग्रेसर हैं जबकि माध्यम या देरी से पकनेवाली किस्मों में दाने भरने की स्थिति हैं. अतः सोया कृषकों को निम्न उपाय अपनाने तथा कीट एवं रोग नियंत्रण हेतु केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा हाल ही में अनुशंसित कीटनाशक/रसायनों (सूचि सलग्न-तालिका 1) के छिड़काव करने की सलाह हैं.

The short duration soybean varieties are nearing the maturity/harvesting stage whereas the soybean crop having medium/long duration varieties is at grain filling stage. The soybean growers are therefore advised to adopt following measures along with spray of insecticide/fungicides in case of insect/disease infestation using the chemicals (List Attached- Table 1) recommended by the Central Insecticide Board, GOI is advocated.

1.	सोयाबीन की शीघ्र पकनेवाली किस्मों में 90% फलियों का रंग पिला पड़ने पर फसल की कटाई कर सकते हैं. इससे बीज के अंकुरण में विपरीत प्रभाव नहीं होता. Harvest the early maturing soybean varieties immediately after the 90% pods have turned yellow. This will not have adverse effect on the seed germination.	
2.	सोयाबीन की फलियों में दाने भरने या परिपक्वता की अवस्था में फसल पर होने वाली लगातार बारिश से सोयाबीन की गुणवत्ता में कमी आ सकती हैं या फलियों के दाने अंकुरित होने की भी सम्भावना हो सकती हैं. अतः सलाह है कि उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके. Because of continued rain during the maturity stage, the soybean crop is likely to affect in terms of its quality parameters including viability as well as risk of pre-harvest sprouting in the matured pods. Therefore, farmers are advised to harvest their crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering. However, the crop harvested at physiological maturity must be dried properly to avoid losses due to rotting of grains.	
3.	जिन क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है, कृपया अपने खेत से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु समुचित व्यवस्था करे एवं जलभराव की स्थिति से होने वाले नुकसान से फसल को बचाए.	

	It is advised to make necessary drainage arrangement in order to maintain the quality of the soybean produce due to continuous rain at the time of maturity as a result of logging situation
4.	<p>बीजोत्पादन वाले खेत में फसल पर अनुशंसित फफूंदनाशक (पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) या फ्लुक्सापग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 मिली/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन + इपोक्कोसीकोनाजोल 50g/l एस.ई. (750 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) में से किसी एक फफूंदनाशक का छिड़काव करें. इसी छिड़काव से फफूंदजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलेगी.</p> <p>Where the crop is sown for seed purpose or the produce is to be used as seed during next season, farmers are advised to spray the crop with any of the recommended fungicides (Pyroclostrobin 20 WG (375-500 g/ha) OR Fluxapyroxad 333 g/l FS (300 ml/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) OR Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha). The spray of fungicide may also control fungal diseases like anthracnose/rhizoctonia aerial blight etc.</p>
5.	<p>बीजोत्पादन वाले खेत में प्रोफेनोफोस (1 लीटर/हे.) जैसे अनुशंसित कीटनाशक का छिड़काव करें इससे भण्डारगृह में नुकसान करने वाले कीट स्टिंक बग, आलमंड मोथ या पल्स बीटल जैसे कीटों से सुरक्षित किया जा सकेगा.</p> <p>In order to ensure safety of soybean seed from storage pests (stink bug, almond moth and pulse beetle), it is advised to spray the crop with profenophos (1l/ha)</p>
6.	<p>सोयाबीन की कटी हुयी फसल को धुप में सुखाने के पश्चात गहाई करें. तुरंत गहाई करना संभव नहीं होने की स्थिति में बारिश से बचाने हेतु फसल को सुरक्षित स्थान पर इकठ्ठा करें.</p> <p>The harvested crop must be threshed after sun drying. If the threshing is to do later, it should be stored at safe place protecting from rains.</p>
7.	<p>आगामी वर्ष बीज के रूप में उपयोगी सोयाबीन की फसल की गहाई 350 से 400 आर.पी.एम. पर करें जिससे बीज की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े.</p> <p>If the produce is for seed purpose in the next season, farmers are advised to thresh the soybean at 350 to 400 RPM thresher to avoid the loss of seed germination.</p>
8.	<p>लाल मकड़ी के नियंत्रण हेतु माइटीसाइड (ओमाईट) का छिड़काव करें.</p> <p>Use of miticide is advised for control of mites.</p>
9.	<p>फलियों में दाने भरते समय फली छेदक इल्ली (पोड बोरर) द्वारा होने वाले नुकसान को कम करने हेतु फसल पर इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस .सी.(825-875मि.ली./हे). में से किसी एक कीटनाशक का छिड़काव करें.</p> <p>In order to minimize the losses/damage caused by pod borers during pod filling stage, farmers are advised to apply the spray of Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha). OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha).</p>



10.	<p>तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p>	
<p>For the control of Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>), farmers are advised to apply the spray of any of the following insecticide: Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).</p>		

तालिका : 31 मार्च 2024 के दौरान केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित कीटनाशकों की सूची

क्र.	कीटनाशक	कीट	मात्रा/हे.
1	क्विनालफॉस 25 ई.सी.	लीफ वीविल	1 ली.
2	क्विनालफॉस 01.50 डी.पी.	पोड बोरर	250ग्राम
3	क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5एस.सी	हरी सेमीलूपर इल्ली, तना मकखी एवं चक्र भृंग	150 मिली
4	इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 ई.सी.	हरी सेमीलूपर इल्ली, फली छेदक ,चक्र भृंग एवं तम्बाकू की इल्ली	425मि.ली.
5	ब्रोफ्लानिलाइड 300 एस.सी .	चने की इल्लीतम्बाकू , की इल्लीहरी , सेमीलूपर इल्ली	42- 62ग्राम
6	ईथिओन 50 ईसी.	चक्र भृंग एवं तना मकखी	1500 मि.ली.
7	कार्बोफ्यूरान 03 % सी जी.	रूट नोट नीमाटोड	1500 ग्राम
8	फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी.	तम्बाकू की इल्ली एवं हरी सेमीलूपर इल्ली,	250-300ग्रा.
9	फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी	पत्ती खाने वाली इल्लियाँ(चने) की इल्ली, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली(150मि.ली.
10	इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी.	तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली ,हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तना मकखी	333 मि.ली.
11	इन्डोक्साकार्ब 14.50 SC	तम्बाकू की इल्ली	333 मि.ली.
12	लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.90 सी .एस.	तना मकखीहरी , सेमीलूपर इल्ली	300 मि.ली.
13	प्रोफेनोफॉस 50ई.सी .	हरी सेमीलूपर इल्ली एवं चक्र भृंग	1 ली.
14	स्पायनेटोरम 11.7एस.सी	तम्बाकू की इल्ली	450मि.ली.
15	टेट्रानिलिप्रोल 18.18एस .सी.	चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली	250-300 मि.ली.
16	थायक्लोप्रिड 21.7एस.सी .	चक्र भृंग	750 मि.ली.
17	बीटासायफ्लुथ्रिन 08.49 % +इमिडाक्लोप्रिड 19.81 % w/w ओ.डी.	चक्र भृंगहरी , सेमीलूपर इल्ली	350मि.ली.
18	नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस .सी.	तम्बाकू की इल्ली, चने की इल्ली एवं हरी सेमीलूपर इल्ली	825-875मि.ली.

19	थायमिथोक्सम 12.60 %+ लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 09.50 % जेड.सी.	तना मक्खी, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं चक्र भृंग	125 मि.ली.
20	क्लोराएन्ट्रानिलिप्रोल 09.30 % +लैम्बडा सायहेलोथ्रिन 04.60 % जेड.सी.	लीफ वर्म, चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली, तना मक्खी	200 मि.ली.
21	एसिटामिप्रि+25%बायफेन्थ्रिन 25%WG	सफेद मक्खी ,चक्र भृंग, हरी सेमीलूपर इल्ली एवं तम्बाकू की इल्ली	250ग्रा.
22	आइसोसायक्लोसेरम 9.2% W/W Dc (10% W/W) DC	लीफ वर्म ,सेमीलूपर, चक्र भृंग, तना मक्खी	600 मि.ली.
23	कर्ताप हाइड्रो क्लोराइड 04%+ फिप्रोनिल CG % 00.50	लीफ वर्म ,चक्र भृंग, सेमीलूपर, तना मक्खी	200 मि.ली.





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 16.09.2024



IISR Soy Farmers



ICAR-Indian Institute of Soybean Research



@iisrlicar



IISR Soy Farmers



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(16-22 सितम्बर 2024 / 16th- 22nd September 2024)

1.	<p>जहाँ पर फसल परिपक्व हो चुकी है, लगातार बारिश से सोयाबीन की गुणवत्ता में कमी आ सकती है या फलियों के दाने अंकुरित होने की भी सम्भावना हो सकती है। अतः सलाह है कि उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके।</p> <p>Because of continued rain during the maturity stage, the soybean crop is likely to affect in terms of its quality parameters including viability as well as risk of pre-harvest sprouting in the matured pods. Therefore, farmers are advised to harvest their crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering. However, the crop harvested at physiological maturity must be dried properly to avoid losses due to rotting of grains.</p>	
2.	<p>सोयाबीन की शीघ्र पकनेवाली किस्मों में 90% फलियों का रंग पिला पड़ने पर फसल की कटाई कर सकते हैं। इससे बीज के अंकुरण में विपरीत प्रभाव नहीं होता।</p> <p>Harvest the early maturing soybean varieties immediately after the 90% pods have turned yellow. This will not have adverse effect on the seed germination.</p>	
3.	<p>जिन क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है, कृपया अपने खेत से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु समुचित व्यवस्था करे एवं जलभराव की स्थिति से होने वाले नुकसान से फसल को बचाए।</p> <p>It is advised to make necessary drainage arrangement in order to maintain the quality of the soybean produce due to continuous rain at the time of maturity as a result of logging situation</p>	
4.	<p>बीजोत्पादन वाले खेत में फसल पर अनुशंसित फफूंदनाशक (पायरोक्लोस्ट्रोबीन 20% WG (375-500 ग्रा/हे) या फ्लुक्सापग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 मिली/हे) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन + इपोक्कोसीकोनाजोल 50g/l एस.ई. (750 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 38.39 एस.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1.25 किग्रा./हे) या कार्बेन्डाजिम 12%+मेन्कोजेब 63% डब्ल्यू.पी. (1.25 किग्रा/हे) में से किसी एक फफूंदनाशक का छिड़काव करें। इसी छिड़काव से फफूंदजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलेगी।</p> <p>Where the crop is sown for seed purpose or the produce is to be used as seed during next season, farmers are advised to spray the crop with any of the recommended fungicides (Pyroclostrobin 20</p>	

	WG (375-500 g/ha) OR Fluxapyroxad 333 g/l FS (300 ml/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) OR Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR 38.39 SC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1.25 kg/ha) OR Carbendazim 12%+Mencozeb 63% WP (1.25 kg/ha). The spray of fungicide may also control fungal diseases like anthracnose/rhizoctonia aerial blight etc.	
5.	बीजोत्पादन वाले खेत में प्रोफेनोफोस (1 लीटर/हे.) जैसे अनुशंसित कीटनाशक का छिड़काव करें इससे भण्डारगृह में नुकसान करने वाले कीट स्टिंक बग, आलमंड मोथ या पल्स बीटल जैसे कीटों से सुरक्षित किया जा सकेगा. In order to ensure safety of soybean seed from storage pests (stink bug, almond moth and pulse beetle), it is advised to spray the crop with profenophos (1l/ha)	
6.	सोयाबीन की कटी हुयी फसल को धूप में सुखाने के पश्चात गहाई करें. तुरंत गहाई करना संभव नहीं होने की स्थिति में बारिश से बचाने हेतु फसल को सुरक्षित स्थान पर इकट्ठा करें. The harvested crop must be threshed after sun drying. If the threshing is to do later, it should be stored at safe place protecting from rains.	
7.	आगामी वर्ष बीज के रूप में उपयोगी सोयाबीन की फसल की गहाई 350 से 400 आर.पी.एम. पर करें जिससे बीज की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े. If the produce is for seed purpose in the next season, farmers are advised to thresh the soybean at 350 to 400 RPM thresher to avoid the loss of seed germination.	
9.	जहाँ फसल अभी दाने भरने की स्थिति में हैं, विशेषकर लम्बी अवधि की सोयाबीन किस्मों में फली छेदक इल्ली (पोड बोरर) द्वारा होने वाले नुकसान को कम करने हेतु फसल पर इंडोक्साकार्ब 15.80 % EC (333 मिली/हे.) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब एस.सी.(825-875मि.ली./हे). में से किसी एक कीटनाशक का छिड़काव करें. If the soybean crop is at pod filling stage, particularly in long duration soybean varieties, farmers are advised to apply the spray of any one of the following insecticides for the control of pod borers: These are, Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha). OR Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha).	
10.	जहाँ फसल अभी दाने भरने की स्थिति में हैं, विशेषकर लम्बी अवधि की सोयाबीन किस्मों में तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी भी एक रसायन का छिड़काव करें : इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), ब्रोफ्लानिलाइड 300 g/l एस.सी. (42-62 ग्राम/हे), या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी (250-300 ग्राम/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या इंडोक्साकार्ब 15.8एस.सी (333 मि.ली/हे), या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी., (250-300मिली/हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) का छिड़काव करें.	
	If the soybean crop is at pod filling stage particularly in long duration soybean varieties, farmers are advised to apply the spray of any one of the following insecticides for the control of Tobacco caterpillar (<i>Spodoptera litura</i>). These are: Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) OR Broflanilide 300 g/l SC (42-62 g/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 g/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), OR Tetraniliprole 18.18 SC (250-300 ml/ha) OR Spinoteram 11.7 SC (450 ml/ha) OR Novaluron+Indoxacarb 04.50% SC (825-875 ml/ha).	

सोना कुबको के लिए
साप्ताहिक सन्नाह
 (16-22) सितम्बर 2024
 भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर, (म. प्र.)





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



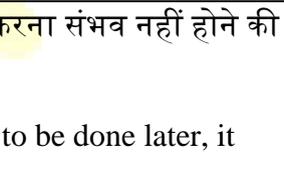
फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 23.09.2024



सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(23-29 सितम्बर 2024 / 23rd - 29th September 2024)

सोयाबीन फसल की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए सोयाबीन की कटाई-गहाई करने हेतु सोया कृषकों को निम्न सावधानियों का अनुपालन किये जाने की सलाह दी जाती है।

<p>1</p>	<p>सोयाबीन की 90% फलियों का रंग पिला पड़ने पर फसल की कटाई करें. इससे बीज के अंकुरण में विपरीत प्रभाव नहीं होता.</p> <p>Farmers are advised to harvest soybean crop immediately after the 90% pods changes the color to yellow. This will not have adverse effect on the seed germination.</p>	
<p>2</p>	<p>सलाह है कि उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके.</p> <p>It is advised that the farmers should harvest their soybean crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering.</p>	
<p>3</p>	<p>सोयाबीन की कटी हुयी फसल को धूप में सुखाने के पश्चात गहाई करें. तुरंत गहाई करना संभव नहीं होने की स्थिति में बारिश से बचाने हेतु फसल को सुरक्षित स्थान पर इकठ्ठा करें.</p> <p>The harvested crop must be threshed after sun drying. If the threshing is to be done later, it should be stored at safe place protecting from rains.</p>	
<p>4</p>	<p>आगामी वर्ष बीज के रूप में उपयोगी सोयाबीन की फसल की गहाई 350 से 400 आर.पी.एम. पर करें जिससे बीज की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े.</p> <p>If the produce is to be used for seed purpose in the next season, farmers are advised to thresh the soybean at 350 to 400 RPM thresher to avoid the loss of seed germination.</p>	

<p>5</p>	<p>भण्डार गृह ठंडा, हवादार ए कीट व नमी रहित होना चाहिये। यदि संभव हो, भण्डारण गृह में लकड़ी के प्लेटफॉर्म बनाकर सोयाबीन के बोरो को पर खड़ा रखें। यदि बोरियों की थप्पी लगाकर भण्डारण करना हो, यह ध्यान रखे कि 3-4 बोरियों से अधिक या 5 फिट की ऊंचाई तक ही थप्पीया लगाये जिससे सोयाबीन की अंकुरण प्रभावित न हो।</p> <p>The storage place should be cool with aeration and insect free. The soybean bags should be kept upright as far as possible. If stacking is to be done, it should be only up to 4-5 bags of not more than 5 feet height (using platform) in order to maintain the viability/germination of soybean seed.</p>	
<p>6</p>	<p>भण्डारण करते समय सोयाबीन के बोरो को प्लेटफॉर्म पर सावधानीपूर्वक रखें एवं ऊंचाई से नही पटकें। भण्डार गृह की दिवार में नमी आने पर सोयाबीन बीज को फफूंद/रोगों के संक्रमण से बचाने हेतु यह भी ध्यान रखें कि बोरो दिवार से सीधे संपर्क में ना हो।</p> <p>While moving the seed bags to storage house, it should be carefully placed at the appropriate place/platform. The seed bags should not come in direct contact with floor/wall. The moisture seepage in the walls/floor may be a source of infection of diseases, hence to be avoided during storage.</p>	





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान
संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2024

दिनांक Date: 30.09.2024

JOIN NOW



IISR Soy Farmers

You Tube

facebook



Instagram

ICAR-Indian Institute of Soybean Research



@iisrlcar

Telegram



IISR Soy Farmers

JOIN NOW

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(30 सितम्बर-6 अक्टूबर 2024 / 30th September- 6th October 2024)

सोयाबीन फसल की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए सोयाबीन की कटाई-गहाई करने हेतु सोया कृषकों को निम्न सावधानियों का अनुपालन किये जाने की सलाह दी जाती है।

1	<p>परिपक्वता के समय लगातार होने वाली वर्षा से सोयाबीन की गुणवत्ता में आने वाली कमी या चटकने से होने वाले नुकसान को रोकने हेतु फसल की सही समय पर कटाई करें, जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके.</p> <p>In order to minimize the yield/quality deterioration due to continuous rain at maturity as well as pod shattering, farmers are advised to harvest their soybean crop soon after attaining physiological maturity.</p>	
2	<p>सोयाबीन की 90% फलियों का रंग पिला पड़ने पर फसल की कटाई करें. इससे बीज के अंकुरण में विपरीत प्रभाव नहीं होता.</p> <p>Farmers are advised to harvest soybean crop immediately after the 90% pods changes the color to yellow. This will not have adverse effect on the seed germination.</p>	
3	<p>सोयाबीन की कटी हुयी फसल को धूप में सुखाने के पश्चात गहाई करें. तुरंत गहाई करना संभव नहीं होने की स्थिति में बारिश से बचाने हेतु फसल को सुरक्षित स्थान पर इकट्ठा करें.</p> <p>The harvested crop must be threshed after sun drying. If the threshing is to be done later, it should be stored at safe place protecting from rains.</p>	
4	<p>आगामी वर्ष बीज के रूप में उपयोगी सोयाबीन की फसल की गहाई 350 से 400 आर.पी.एम. पर करें जिससे बीज की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े.</p> <p>If the produce is to be used for seed purpose in the next season, farmers are advised to thresh the soybean at 350 to 400 RPM thresher to avoid the loss of seed germination.</p>	

<p>5</p>	<p>भण्डार गृह ठंडा, हवादार, कीट व नमी रहित होना चाहिये। यदि संभव हो, भण्डारण गृह में लकड़ी के प्लेटफॉर्म बनाकर सोयाबीन के बोरे को पर खड़ा रखें। यदि बोरियों की थप्पी लगाकर भण्डारण करना हो, यह ध्यान रखे कि 3-4 बोरियों से अधिक या 5 फिट की उंचाई तक ही थप्पीया लगाये जिससे सोयाबीन की अंकुरण प्रभावित न हो।</p> <p>The storage place should be cool with aeration and insect free. The soybean bags should be kept upright as far as possible. If stacking is to be done, it should be only up to 4-5 bags of not more than 5 feet height (using platform) in order to maintain the viability/germination of soybean seed.</p>	
<p>6</p>	<p>भण्डारण करते समय सोयाबीन के बोरे को प्लेटफॉर्म पर सावधानीपूर्वक रखें एवं ऊंचाई से नही पटकें। भण्डार गृह की दिवार में नमी आने पर सोयाबीन बीज को फफूंद/रोगों के संक्रमन से बचाने हेतु यह भी ध्यान रखें कि बोरे दिवार से सीधे संपर्क में ना हो।</p> <p>While moving the seed bags to storage house, it should be carefully placed at the appropriate place/platform. The seed bags should not come in direct contact with floor/wall. The moisture seepage in the walls/floor may be a source of infection of diseases, hence to be avoided during storage.</p>	





भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान,
खंडवा रोड, इंदौर-452001 (मध्य प्रदेश)

फोन : 0731-2476188, Fax: 2470520

वेब साईट : www.iisrindore.icar.gov.in

इ मेल : director.soybean@icar.gov.in/ dsrdirector@gmail.com